सुप्रभात
रांची, गुरुवार
10.08.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

आजादी का अमृत महोत्सव

khabarmantra.net | श्रावण (मलमास), कृष्ण पक्ष, नवमी /दसमी , संवत 2080 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 31

06 वन संपदा को हर हाल में बचाना ही होगा

पहले दिन की झलकियां

समापन समारोह

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023

समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन की झलकियां

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
समस्त माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
तथा
माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की
गरिमामयी उपस्थिति में

10 अगस्त 2023
समय: सायं 05:00 बजे से
बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
PRNO 304311 (IPRD) 23-24

खबर एक नजर में

भैरव सिंह की याचिका हाईकोर्ट में खारिज

रांची। सीएम हेमंत सोरेन का काफिला रोके जाने के मामले का मुख्य आरोपी भैरव सिंह की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीजन पर सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में बुधवार को हुई। कोर्ट ने भैरव सिंह की याचिका खारिज कर दी। इससे पहले सुनवाई के दौरान राजकीय अधिवक्ता मनोज कुमार ने भैरव सिंह की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि निचली अदालत का फैसला सही है। भैरव सिंह के खिलाफ कई साक्ष्य मिले हैं जिसके आधार पर निचली अदालत ने उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज किया। दरअसल, भैरव सिंह की ओर से निचली अदालत द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने एवं चार्जफ्रेम किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है।

सीएम हेमंत सोरेन का काफिला रोकने के मामले का मुख्य आरोपी है भैरव सिंह

सिद्धांत बने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य

रांची। रांची के रातू रोड में इंद्रपुरी के सिद्धांत सुमन राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य मनोनीत किए गए हैं। उनका मनोनयन सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री द्वारा गैर सरकारी सह चयनित सदस्य के लिए नामित व्यक्ति के रूप में हुआ है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की ओर से परिषद का पुनर्गठन किया गया है। इस संबंध में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ की ओर से गजट का प्रकाशन भी हुआ है।

मिशन इंद्रधनुष का जायजा लेने चतरा पहुंची टीम

रांची। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित मिशन इंद्रधनुष का जायजा लेने को लेकर राष्ट्रीय टीम चतरा पहुंची। इस दौरान टीम के सदस्यों ने कई स्वास्थ्य केंद्रों का जायजा लिया और स्वास्थ्य कर्मियों को दिशा निर्देश दिये। चतरा आने वाली टीम में डॉ. यशिका नेगी शामिल थी। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके साथ चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सिंडरेला बालमुचू भी उपस्थित थीं। क्षेत्र भ्रमण के बाद सदर अस्पताल पहुंची टीम के सदस्यों ने सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में उप स्वास्थ्य केंद्र के पदाधिकारियों के साथ बैठक की और कई जानकारियां ली।

स्वर्णरेखा परियोजना की प्रभारी विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी रंजना पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

रांची। झारखंड प्रशासनिक सेवा की अधिकारी व तत्कालीन प्रभारी विशेष-भू अर्जन पदाधिकारी संख्या 1, सुवर्णरेखा परियोजना मानगो के रंजना मिश्रा पर विभागीय कार्यवाही संचालित की जायेगी। उनके विरूद्ध प्राक्कलन की बिना जांच किए अभिलेख उपायुक्त सरायकेला-खरसावां को उपस्थापित करने, अभिलेख के गहन छानबीन किए बिना एवं स्थल जांच किए बिना प्राक्कलन तैयार कर वादी के दावा को सही बनाकर वरीय पदाधिकारी के समक्ष अनुमोदन के लिए भेजना, आयुक्त कार्यालय, कोल्हान प्रमंडल के सात दिसंबर 2007 के पद द्वारा की गयी कारण पृच्छाओं पर चार साल से अधिक समय तक कोई कार्रवाई नहीं करने सहित अन्य आरोप हैं। पूरे मामले पर जलसंसाधन विभाग झारखंड द्वारा 23 नवंबर 2022 को आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की गयी थी। मामले की जांच में प्रथमदृष्टया आरोप प्रमाणित पाया गया। झाप्रसे सेवा की उक्त अधिकारी से 15 दिनों में जवाब मांगा गया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

एनआइए ने मांगा इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को इंस्पेक्टर व सब-इंस्पेक्टर की जरूरत है। एनआइए ने झारखंड पुलिस से इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और एएसआई को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का अनुरोध किया है। एनआइए ने मुख्य सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि एनआइए को 33 इंस्पेक्टर, 39 सब-इंस्पेक्टर और 25 एएसआई की जरूरत है। उन्हें एनआइए के विभिन्न ब्रांच में प्रतिनियुक्त किया जाएगा।

रांची समेत अन्य ब्रांच में होगी पोस्टिंग : इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और एएसआई की प्रतिनियुक्ति एनआइए के दिल्ली, रांची, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, कोच्चि, रायपुर, चंडीगढ़, इंफाल, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, जयपुर, पटना और अहमदाबाद में होगी।

उत्पाद विभाग के पांच अधिकारियों का तबादला

रांची। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पांच पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गई है।

पंकज कुमार: सहायक आयुक्त उत्पाद कार्यालय रांची।
अमित कुमार: गुप्ता सहायक आयुक्त उत्पाद कार्यालय धनबाद।
मो. गुरफान: सहायक आयुक्त उत्पाद कार्यालय जमशेदपुर।
मणिकांत कुमार: अधीक्षक उत्पाद कार्यालय देवघर
जितेंद्र कुमार: सहायक आयुक्त कार्यालय धनबाद।

झारखंड में आइएएस समेत 13 लोग बने इडी के शिकार

13 लोग हो चुके हैं गिरफ्तार

-छवि रंजन	-फैयाज खान
-अमित अग्रवाल	-मोहम्मद सद्दाम
-प्रदीप बागची	-राजेश राय
-भानु प्रताप	-भरत प्रसाद
-अफसर अली	-विष्णु अग्रवाल
-इम्तियाज खान	- दिलीप घोष
-तल्हा खान	----------

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने झारखंड में आइएएस समेत 13 लोगों को सलाखों के पीछे भेजा है। तीन माह के दौरान इडी ने यह कार्रवाई की है। कार्रवाई में सबसे अधिक आरोपी रांची में जमीन घोटाले मामले से संबंधित है। इडी ने मनरेगा घोटाले मामले में दो, अवैध खनन घोटाला में पांच और टेंडर फॉर कमीशन मामले में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

आइएएस की रिपोर्ट पर इडी हुई थी सक्रिय : इडी ने जमीन घोटाले की जांच रांची के तत्कालीन आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी की रिपोर्ट के आधार पर शुरू की थी। सेना के कब्जे वाली जमीन के सिलसिले में जांच कर आयुक्त ने रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। जांच रिपोर्ट में स्पष्ट था कि फर्जी नाम और पता के आधार पर सेना की जमीन पर कब्जा किया गया। रांची नगर निगम ने इस मामले में बरियातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इडी ने प्राथमिकी को इसीआइआर के रूप में दर्ज कर जांच शुरू की थी।

कब-कब हुई छापेमारी : इस मामले की जांच शुरू हुई तो इडी ने पहला छापा नवंबर 2022 में व्यापारी विष्णु अग्रवाल, अमित अग्रवाल के ठिकानों पर की थी। इडी ने दूसरी बार छापा मारा 13 अप्रैल को रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के अंचलाधिकारी मनोज कुमार, कर्मचारी भानु प्रताप समेत जमीन के कारोबार से जुड़े 21 ठिकानों पर छापेमारी की गयी थी। छापेमारी में कई अहम सबूत मिले थे। सरकारी दस्तावेज घर में रखने के आरोप में कर्मचारी भानु प्रताप सहित सात जमीन कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया। रिमांड पर इन अभियुक्तों से हुई पूछताछ के दौरान जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ करने में शामिल अन्य लोगों की जानकारी मिली थी। इसके बाद 24 अप्रैल इडी ने मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थापित पीपीएस उदय शंकर के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इडी को जानकारी मिली की जमीन कारोबारियों को प्रशासनिक मदद पहुंचाने की कोशिश इसी जगह से होती थी।

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी समाज के प्रबुद्धजनों से किया संवाद

आदिवासियों की लोक परंपरा और रीति-रिवाजों में जीवंतता : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने जनजातीय समुदाय की विभिन्न हस्तियों व प्रबुद्धजनों से संवाद किया। इस मौके उन्होंने कहा कि समाजहित में सक्रियता से कार्य करने के लिए सदैव प्रयासरत रहें। शिक्षित और ज्ञानवान समाज के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी निभायें। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा समेत कई महान हस्तियों ने मातृभूमि और समाज के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। प्रधानमंत्री ने उल्लेखनीय पहल करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

राजभवन में आयाजित कार्यक्रम में जनजातीय समुदाय के प्रबुद्धजनों से संवाद करते राज्यपाल

राज्यपाल ने कहा जनजातियों की कला, संस्कृति, लोक परंपरा और रीति-रिवाजों में जीवंतता है। पारंपरिक गीत और नृत्य बहुत आकर्षक होते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड एवं तमिलनाडु की संस्कृति और खानपान में काफी एकरूपता है। सिर्फ भाषायी अंतर है। उन्होंने कहा कि झारखंड, लैंड ऑफ आर्चरी : उन्होंने कहा कि यहां आदिवासी समाज की महिलाएं परिश्रमी हैं। वे स्वयं सहायता समूह से जुड़ रही हैं, इससे जुड़ने के बाद उनके सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। यहां के जनजाति समुदाय के लोग कई क्षेत्रों, विशेषकर कला, साहित्य और खेल के विभिन्न रूपों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। झारखंड को लैंड ऑफ आर्चरी के रूप में जाना जाता है। यहां के विभिन्न खिलाड़ियों व एथलीटों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है।

जनजातियों की भूमि मामले में चिंतन जरूरी

राज्यपाल ने कहा कि जनजातियों की भूमि हड़पने के कई मामले आते हैं। इस पर गंभीरता से चिंतन करने की आवश्यकता है। जनजाति समाज प्रकृति प्रेमी होते हैं। ग्लोबल वार्मिंग के इस युग में प्रकृति के संरक्षण के लिए इनसे प्रेरणा लेनी चाहिये। उन्होंने कहा कि लोग बड़े शहरों में रहते हैं, उनके पास बड़ी इमारतें हैं, सुख-सुविधाओं से घिरे हुए हैं, लेकिन वे दुखी हैं।

जनजातीय समुदाय से संवाद उल्लेखनीय प्रयास : झारखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ दिनेश उरांव ने कहा कि राज्यपाल द्वारा जनजातीय समुदाय के लोगों को आमंत्रित कर संवाद करना उल्लेखनीय प्रयास है। इस अवसर पर डॉ नारायण उरांव ने लोक गीत प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी महादेव टोप्पो ने राज्यपाल को विभिन्न विषयों पर लिखित सभ्यों के बीच आदिवासी एवं आदिवासी विश्व चेतना पुस्तक भेंट की। इस मौके पर पर्यावरण कार्यकर्ता पद्मश्री जमुना टुडू, राज्यपाल के शैक्षणिक सलाहकार प्रो ई बाला गुरुसवामी, निदेशक एक्सआईएसएस डॉ जोसेफ एम कुजूर मौजूद थे।

डॉ. लंबोदर महतो को मिला महात्मा गांधी बेस्ट एमएलए अवार्ड

रांची। इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसायटी ने आजसू विधायक डॉ लंबोदर महतो को महात्मा गांधी बेस्ट एमएलए अवार्ड से सम्मानित किया है। उन्हें नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सभागार में एक भव्य समारोह में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने सम्मान प्रदान किया। विधायक डॉ लंबोदर महतो को यह सम्मान राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा विधानसभा में शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने, विधायी कार्यों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करने को लेकर दिया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने डॉ लंबोदर महतो को व्यवहार कुशल बताया और उनके कार्यों की सराहना की। वहीं डा. लंबोदर महतो ने कहा कि यह सम्मान हमें नहीं बल्कि गोमिया विधानसभा क्षेत्र की जनता को मिला है।

अपराधियों की गिरफ्तारी में अन्य जिलों से रांची टॉप पर

खबर मन्त्र ब्यूरो

झारखंड में एक माह में 2334 अपराधी गिरफ्तार रांची में सबसे अधिक 199

रांची। झारखंड में पिछले एक माह के दौरान 2334 अपराधी गिरफ्तार हुए हैं। जिनमें रांची जिले में सबसे अधिक 199 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। इन अपराधियों के पास से झारखंड पुलिस ने 68 हथियार, 127 जिंदा कारतूस और सात बम बरामद किये।

किस जिले में कितने अपराधी हुए गिरफ्तार

जिला	गिरफ्तार	जिला	गिरफ्तार	जिला	गिरफ्तार
रांची	199	लातेहार	75	दुमका	24
खूंटी	57	गढ़वा	125	गोड्डा	81
गुमला	86	हजारीबाग	163	जामताड़ा	40
सिमडेगा	26	रामगढ़	51	देवघर	111
लोहरदगा	45	कोडरमा	90	साहेबगंज	97
चाईबासा	94	चतरा	93	पाकुड	54
सरायकेला	49	गिरिडीह	188	रेल जमशेदपुर	12
जमशेदपुर	158	धनबाद	121	रेल धनबाद	12
पलामू	83	बोकारो	101	कुल	2334

राज्य के 10 एएनएम ट्रेनिंग स्कूलों का 3.15 करोड़ रुपये से होगा कायाकल्प

स्वास्थ्य विभाग तैयारी में जुटा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के 10 एएनएम ट्रेनिंग स्कूलों का कायाकल्प की तैयारी है। स्वास्थ्य विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। इसी कड़ी में विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 3 करोड़ 15 लाख 66 हजार 599 रुपये का आवंटन किया है। इस राशि से ट्रेनिंग स्कूलों में किताब, फर्नीचर, मशीन, उपकरण आदि की खरीदारी होगी। आवंटित राशि के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी संबंधित जिले के उपायुक्त होंगे। वहीं राशि के नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव खुद होंगे।

इन एएनएम ट्रेनिंग स्कूलों के लिए इतनी राशि का आवंटन

जिला	राशि आवंटित
रांची	25,81,880
सिमडेगा	35,33,351
गिरिडीह	26,81,132
देवघर	36,26,181
दुमका	35,61,738
पलामू	34,97,623
हजारीबाग	30,65,383
धनबाद	26,05,766
पूर्वी सिंहभूम	29,33,709
प. सिंहभूम	34,79,636

हाईकोर्ट का राज्य सरकार को निर्देश

कमेटी का गठन कर निवेशकों के पैसे वापसी की शुरू करें प्रक्रिया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चिटफंड घोटाला मामले को लेकर नन बैंकिंग अभिरक्षा निवेशक सुरक्षा समिति समेत अन्य याचिकाओं पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र एवं न्यायाधीश आनंद सेन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए चिटफंड घोटाला मामले में निवेशकों के डूबे पैसों की वापसी को लेकर राज्य सरकार को निर्देश दिया है।

अदालत ने कहा है कि निवेशकों के डूबे पैसे उन्हें मुहैया कराने के लिए राज्य सरकार एक प्रक्रिया अपनाये जिसके तहत ठगे हुए निवेशकों को पैसा वितरण के लिए एक कमेटी गठित हो, अगर ऐसा नहीं होता है तो कोर्ट अपना आदेश फैसला सुनाएगा। हालांकि राज्य सरकार ने पहले से ही कमेटी गठित की थी, जिसमें आईजी सीआईडी की अध्यक्षता में 6 सदस्य टीम शामिल थी। हालांकि इस गठित निर्णय को अदालत ने नहीं माना और नई कमेटी बनाने का आदेश दिया। अदालत में अगली सुनवाई 22 अगस्त मुकर्रर की है और इस संदर्भ में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।

झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस पोलिटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक संपन्न

पार्टी के लिए संगठन की पूर्णता जरूरी : अविनाश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस पोलिटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि झारखण्ड प्रभारी अविनाश पाण्डे ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद माननीय राहुल गांधी की सदस्यता बहाल कर दी गयी है, जो हर्ष का विषय है। आखिरकर सत्य की जीत हुई है। एक बार फिर से राहुल गांधी देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और आम जनता की समस्याओं को लोकसभा में अपना बात रखने लगे हैं। इससे भाजपा के नेता तिलमिला गये हैं। श्री पाण्डे ने कहा कि संगठन की पूर्णता सबसे महत्वपूर्ण है। प्रदेश में संगठन की अधिकतम इकाईयों का गठन हो चुका है और मण्डल एवं पंचायत स्तर की कमिटियां लगभग बन चुकी है और जो कुछ बची है वो पन्द्रह दिन के अन्दर गठित हो जायेगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर हमारी कोर कमिटी मण्डल एवं पंचायत कमिटी के माध्यम से जनता के बीच जायेगी।

पोलिटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक करते कांग्रेसी नेता।

अविनाश पाण्डे ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देशानुसार आरक्षित लोकसभा/विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की झारखण्ड में पब्लिक मीटिंग का प्रस्ताव रखा गया है। इस प्रस्ताव को उनके सामने रखा जायेगा ताकि जितना जल्दी हो सके चुनावी रैलियां और संगठन के कार्यकर्ताओं से उनकी भेंट के लिए सहमति लिया जा सके।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि संगठन सशक्तिकरण को लेकर प्रदेश के नेता अपने-अपने प्रभार जिलों में कार्यक्रम आयोजित करा रहे हैं।

कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि लोकसभा एवं विधानसभा को देखते हुए संगठन को पूरी तरह से मजबूत करने का कार्यक्रम प्रदेश स्तर से लेकर बूथ स्तर तक किया जा रहा है। निश्चित तौर पर 2024 में राज्य के अधिक से अधिक सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित है। भाजपा जिस तरह से पूरे देश में आपसी सौहार्द्र को बांटने का काम कर रही है, उसे पूरा देश देख रहा है। बैठक में कांग्रेस विधायक दल के बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो, शहजादा अनवर, सुबोधकांत सहाय, मंत्री बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख, सुखदेव भगत, फुरकान अंसारी, केएन त्रिपाठी, ब्रजेन्द्र प्रसाद सिंह, भीम कुमार एवं संजय लाल पासवान शामिल थे।

एनटीपीसी भूमि अधिग्रहण मुआवजा घोटाला

इडी ने कहा प्रारंभिक जांच शुरू, हाइकोर्ट ने सीबीआई और सरकार से मांगा जवाब

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हजारीबाग में एनटीपीसी के लिए हुए भूमि अधिग्रहण के दौरान कथित रूप से हुए तीन हजार करोड़ केभूमि-मुआवजा घोटाला की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी मंटू सोनी के अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता और राहुल मिश्रा ने सीबीआई और राज्य सरकार द्वारा जवाब दाखिल नहीं किए जाने की बात कोर्ट के समक्ष रखी। वहीं ईडी की तरफ से अधिवक्ता अमित दास ने कोर्ट को बताया कि ईडी की तरफ से प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने सीबीआई और राज्य सरकार को दो सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई।

2016 में गठित हुई थी एसआईटी टीम : हजारीबाग में भूमि-मुआवजा से संबंधित गड़बड़ियां सामने आने के बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार की अनुसंशा पर राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की थी। एसआईटी की टीम ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट में 3000 करोड़ के भूमि मुआवजा घोटाले किए जाने और 300 करोड़ मुआवजा बांट दिए जाने की जानकारी दी थी। प्रार्थी के मुताबिक, राज्य सरकार द्वारा कार्रवाई के नाम पर अब तक सिर्फ एनटीपीसी के प्रबंध निदेशक और हजारीबाग उपायुक्त को पत्राचार किया गया है।

आदिवासी जीवन दर्शन के नाम पर सिर्फ हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन को दर्शाने का लगाया आरोप

भारत की समृद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक और धरोहरों में आदिवासियत भी समाहित : सुदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि यह दिन अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा को याद करते हुए मनाया जाता है। यह आदिवासी समाज कि उपलब्धियों और योगदानों को स्वीकार्य करने का दिन है। देश की समृद्ध सामाजिक, सांस्कृतिक और धरोहरों में आदिवासियत भी समाहित है। भारत का पारंपरिक ज्ञान संसार इनके योगदान का ऋणी है। वर्ष 2023 का आदिवासी दिवस 'युवा आदिवासियों' पर केंद्रित है। यह थीम आत्मनिर्णय के लिए परिवर्तन के प्रेरक के रूप में युवा शक्ति के कार्यों को सलाम करता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिवस के अवसर पर दो दिनों का महोत्सव मना रही है। यह महोत्सव समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन के तौर पर प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। इसके लिए प्रमुख मार्गों और स्थानों पर बड़े बड़े होर्डिंग लगाए गए हैं जिनके ऊपर करोड़ों रूपए खर्च किये गए हैं। ये होर्डिंग्स समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन के नाम पर केवल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन को दर्शाने का कार्य कर रहे हैं। यह प्रदर्शन झारखण्ड की अस्मिता के साथ खिलवाड़ है। हमारा राज्य आंदोलन और बलिदान की उपज है। यह भूमि भगवान बिरसा, सिदो-कान्हू, चाँद भैरव, तिलका मांझी, रघुनाथ महतो, फूलो झानो और ठाकुर विश्वनाथ सहदेव के बलिदान और साहस का गवाह है। होर्डिंग लगाकर सरकार का यह प्रदर्शन आदिवास दिवस की थीम और राज्य के बलिदानियों दोनों का उपहास उड़ाने वाला है।

उन्होंने कहा कि आज के दिन सरकार को धरती पुत्रों के और आदिवासी समाज के लिए किये गए कार्यों से राज्य की जनता को अवगत कराना चाहिए था। मुख्यमंत्री को राज्य में हो रहे विकास और आने वाले समय में झारखण्ड किस रूप में नजर आएगा इसकी तस्वीर पेश करनी चाहिए थी लेकिन सरकार केवल एक परिवार, एक व्यक्ति के बारे में बताने का कार्य कर रही है।

आज प्रदेश की वर्तमान स्थिति क्या है। आदिवासी समाज की किस स्थिति में खड़ा है। सरकार के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने का वादा क्या उस आखिरी व्यक्ति तक पहुँच भी पाया है क्या ? इस सवाल का जवाब राज्य की जनता को देना है। अनुसूचित क्षेत्रों में 5वीं अनुसूची के प्रावधानों को अबतक सरकार ठीक से लागू नहीं करवा सकी। झारखण्ड में जनजातीय समाज की सुरक्षा की गारंटी देने वाले कानून को बहस और विवाद में उलझाकर रख दिया गया।

कार्यक्रम के समापन पर मीडिया से बात करते हुए राज्य के पूर्व मंत्री सुदेश महतो ने आदिवासी समाज को प्रकृति का संरक्षक बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में युवा प्रतिभाओं का सम्मान कर उनके आगे आने के लिए प्रेरित किया गया है।

पत्थरबाजी के खिलाफ बने कड़े कानून : संजय

रांची। सांसद संजय सेठ ने बुधवार को लोकसभा में नियम 377 के तहत देशभर में बढ़ रही पत्थरबाजी की घटनाओं पर चिंता जताई और इसके विरुद्ध एक कड़ा राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की। सांसद श्री सेठ ने कहा कि पत्थरबाजी की घटना पूरे देश में सामान्य हो चुकी है। राष्ट्र विरोधी तत्वों के संरक्षण में असामाजिक तत्व अपने प्रदर्शन के दौरान पत्थरबाजी कर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं। पत्थरबाजी से प्रशासन और पुलिसकर्मियों को घायल करते हैं। उन्होंने कहा कि विगत एक साल में झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे देश में ऐसी लगभग 100 घटनाएं हुई, जहां सामूहिक रूप से पत्थरबाजी कर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने इस मामले की राष्ट्रीय स्तर पर समीक्षा करने, एक कठोर कानून बनाने की मांग की।

सुप्रभात
रांची, गुरुवार
10.08.2023
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net श्रावण (मलमास), कृष्ण पक्ष, नवमी/दशमी, संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 31 06 वन संपदा को किसी भी हाल में बचाना ही होगा

रंगारंग प्रस्तुति के साथ शुरू दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव में बोले हेमंत सोरेन

अस्तित्व बचाने को एकजुट हो आदिवासी समाज

मुख्य बातें

- एकजुट होंगे तो आगे बढ़ेंगे विशेष डाक टिकट जारी
- शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि सखुआ का पौधा और अंगवस्त्र देकर स्वागत
- महोत्सव के दौरान हुआ 35 पुस्तकों का लोकार्पण

खबर मन्त्र ब्यूरो

दीप प्रज्ज्वलित कर झारखंड आदिवासी महोत्सव का शुभारंभ करते दिशोम गुरु शिबू सोरेन और सीएम हेमंत सोरेन। साथ हैं मंत्री चंपई सोरेन, विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, माले विधायक विनोद सिंह व अन्य। (फोटो : समीर)

रांची। रंगारंग प्रस्तुति के साथ दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव का बुधवार को शुभारंभ हो गया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व सीएम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ किया। इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि देश का आदिवासी बिखरा हुआ है। हमारा लक्ष्य और हमारी समस्या एक जैसी है, तो लड़ाई भी एक होनी चाहिए। उन्होंने समस्त आदिवासियों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम एकजुट रहेंगे तो कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। तभी हमारा अस्तित्व बचा रहेगा। देश के लगभग 13 करोड़ आदिवासी समुदाय को एक होकर सोचना होगा। हम विभाजित और असंगठित हैं। यही वजह है कि एक राज्य से दूसरे राज्य के आदिवासी का विषय एक साथ नहीं मिल पा रहा है। जब लड़ाई अस्तित्व को हो, तो सामने आना ही पड़ता है। आदिवासी नाचने-गाने वाले हैं लेकिन जब गुस्सा होते हैं जो जबान नहीं तीर चलता है।

महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिबू सोरेन ने आदिवासी समाज को शिक्षा के प्रति सजग किया और कहा कि शिक्षा के बल पर ही आदिवासियों को सम्मान और अधिकार मिलेगा। मौके पर आये सभी अतिथियों को सखुआ का पौधा और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य के साथ अतिथियों को मुख्य मंच पहुंचाया। मंच पर पहुंचते ही अतिथियों ने बेदी पर पुष्प अर्पण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

सबने हमसे बेईमानी की : बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री सोरेन ने कहा कि इतिहासकारों ने भी आदिवासियों से बेईमानी की है। देश की आजादी के लिए आदिवासियों ने बलिदान दिया। इतिहासकारों ने हमारे पूर्वजों को जगह नहीं दी। देश में आदिवासियों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ रहा है। हमारी व्यवस्था इतनी निर्दयी है कि उन्होंने यह भी पता नहीं किया कि खदानों, उद्योगों के दौरान विस्थापित हुए लोग आज साइकिल से कोयला बेचने को मजबूर हैं। इसमें 80 प्रतिशत आदिवासी हैं। कल का किसान आज बंधुआ मजदूर बन गया है। लाखों एकड़ जमीन कोयला कंपनियों को दी गयी। कोयला कंपनियों और केंद्र सरकार को इसका जायजा लेना चाहिए, लेकिन कंपनी और केंद्र कान में तेल डालकर सो गयी है। किसकी संपत्ति खत्म हुई, किसकी जमीन गयी, जो विकसित हैं वो कौन हैं, किसी को कुछ पता नहीं।

हमारी जमीन छीनी जा रही है : सीएम कहा कि आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। देवी-देवताओं को दूसरे लोग हथिया रहे हैं। लोग अब तो नाम तक छीनने में लगे हुए हैं। कहा कि आदिवासी समाज की भूमिका की व्याख्या की जानी चाहिए। (शेष पेज 11 पर)

गुरुजी ने कहा- खूब पढ़ो, आगे बढ़ो

झारखंड आदिवासी महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिबू सोरेन ने समाज से आह्वान किया कि खूब पढ़ो, आगे बढ़ो। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही आदिवासियों को सम्मान और अधिकार मिलेगा। राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष शिबू सोरेन ने कहा कि देश-दुनिया में आदिवासियों की अपनी अलग पहचान है। पेट की खातिर मजदूरी करने के लिए उन्हें बाहर जाना पड़ता है। आदिवासी समुदाय की संस्कृति एक जैसी है। आदिवासियों से मेरा आग्रह है कि वे अपने बच्चे-बच्चियों को शिक्षित जरूर करें। जब बच्चे शिक्षित होंगे तभी आदिवासी समुदाय उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। यह महोत्सव आदिवासी समुदाय की एकजुटता और आपसी भाईचारा को दर्शाता है। आने वाली पीढ़ी भी इसी तरह अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी रहे, इसके लिए उन्हें प्रेरित करने की आवश्यकता है।

एक तीर, एक कमान, आदिवासी एक समान

राजधानी में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस पर अलग-अलग आदिवासी संगठनों में एकता देखने को मिली। हजारों की संख्या में आदिवासी महिला-पुरुषों ने शहर के कई इलाकों में पैदल मार्च किया। उनके हाथों में विश्व के आदिवासी एक हों, प्रकृति के रक्षक हो, आदिवासी जिंदाबाद के नारे लिखे तख्तियां थीं। इस दौरान महिलाएं लाल पाड़ साड़ी पहनकर मांदर की थाप पर नृत्य करते नजर आयीं। महिलाएं एवं पुरुष हाथ में हाथ डालकर थिरक रहे थे। सरना झंडा थामे और पारंपरिक लिबास पहने नौजवानों ने आदिवासियों के अधूरे हक की मांग की। एक तीर एक कमान, आदिवासी एक समान... के जमकर नारे लगाये गये। विभिन्न आदिवासी संगठनों ने इसे खुशी के रूप में नहीं मनाने की घोषणा की। मार्च में शामिल लोग यूसीसी कानून का विरोध करते दिखे।

आज होगा आदिवासी लोक नृत्य

दो दिवसीय विश्व आदिवासी महोत्सव के दूसरे दिन दस अगस्त को पाइका नृत्य, उरांव आदिवासी समुदाय का लोक नृत्य, गोंड आदिवासी समुदाय का किहो नृत्य, कर्नाटक का दमनी लोक नृत्य, लखन गुड़िया का मुंडारी गायन वादन, पद्मश्री मधु मंसूरी की गायन प्रस्तुति होगी। इसके अलावा रमेश्वर मिंज द्वारा बांसुरी वादन, अरुणाचल प्रदेश के निशि आदिवासी समुदाय द्वारा रेखम पड़ा नृत्य, असम के हाजोंग आदिवासी समुदाय द्वारा लेवा टाना नृत्य, दिओरी आदिवासी समुदाय का बिहू नृत्य, झारखंड का डोमकच नृत्य व गुजरात के अफ्रीकन आदिवासी समुदाय द्वारा सिद्धि धमाल नृत्य की प्रस्तुति होगी।

SURJABASHA

न्यूज डायरी

महामुकाबले में भारत ने पाक को 4-0 से रौंदा

चेन्नई। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया। पाकिस्तान इस पराजय के साथ ही प्रतियोगिता से बाहर हो गया। वहीं भारत अगले दौर में पहुंच गया। यह भारत की पाकिस्तान पर ओवरऑल 65वीं जीत है।

छवि रंजन ने हाईकोर्ट से मांगी डिफॉल्ट बेल

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन ने रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए डिफॉल्ट बेल की गुहार लगायी है। इससे पहले निलंबित आइएएस छवि रंजन ने निचली अदालत में 167 याचिका दाखिल की थी।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 55,800 रु./10 ग्राम
चांदी : 72,000 रु./प्रति किलो

कोर्ट ने साइबर फ्रॉड रोकने का मांगा प्लान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड से हो रहे साइबर फ्रॉड को लेकर हाईकोर्ट बेहद गंभीर है। कोर्ट ने राज्य सरकार एवं आरबीआइ को निर्देश दिया कि वह एक माह में कोर्ट के समक्ष झारखंड में साइबर फ्रॉड रोकने का प्रपोजल लेकर आयें। इसके बाद कोर्ट उचित आदेश पारित करेगी। कोर्ट में देवघर, जामताड़ा, साहिबगंज में साइबर क्राइम घटना की रोकथाम को लेकर मनोज राय की जनहित याचिका की बुधवार को सुनवाई हुई। मामले में प्रतिवादी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि वह राज्य सरकार को साइबर फ्रॉड रोकने को लेकर दिशा-निर्देश जारी नहीं कर सकती है।

20 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

आरबीआई का मोबाइल बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित नियम, रेगुलेशन एवं दिशा-निर्देश कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मौखिक कहा कि साइबर फ्रॉड की घटनाएं रुक नहीं पा रहे हैं, ऐसे में इसे लेकर एक ठोस कदम उठाने की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी। जनहित याचिका में कहा गया है कि देवघर, जामताड़ा और साहिबगंज में साइबर अपराधी सक्रिय हैं। इनके द्वारा बड़े पैमाने पर साइबर क्राइम की घटनाएं को अंजाम दिया जाता है। यहां के साइबर क्रिमिनल्स झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों के लोगों के भी बैंक अकाउंट से पैसे उड़ा रहे हैं। पुलिस का साइबर सेल है, लेकिन यह खास एक्टिव नहीं है। ऐसे में साइबर अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है।

भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को नमन कर बोले मोदी

भ्रष्टाचार, वंशवाद, तुष्टिकरण भारत छोड़ो

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने वाले लोगों को बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी द्वारा शुरू किये गये इस आंदोलन को याद करते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। मोदी ने विपक्ष पर परोक्ष रूप से ऐसे समय में निशाना साधा है जब भाजपा बुधवार को इसी तर्ज पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। बापू के नेतृत्व में देश में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत हुई और इस आंदोलन ने अंग्रेजों से आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभायी। आंदोलन शुरू होने के पांच वर्ष बाद 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ था। मोदी ने ट्वीट किया, 'भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में, इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने में एक प्रमुख भूमिका निभायी। उन्होंने कहा, 'आज भारत एक स्वर में कह रहा है- भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। वंशवाद भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो। मोदी ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का बार-बार आरोप लगाया है।

लोकसभा में प्रस्ताव पर बोले गृह मंत्री अमित शाह

अविश्वास आपको हो सकता है, जनता को नहीं है

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश में पीएम और इस सरकार को लेकर कोई अविश्वास नहीं है... यह अविश्वास प्रस्ताव सिर्फ भ्रम पैदा करने के लिए लाया गया है। अविश्वास नये गठबंधन में ही है। यह अविश्वास प्रस्ताव देश में विपक्ष का असली चरित्र दिखायेगा। देश को जब सरकार को लेकर कोई अविश्वास ही नहीं है, तो यह प्रस्ताव सिर्फ भ्रम पैदा करने के लिए लाया गया है। शाह ने विपक्षी गठबंधन पर हमला किया और कहा, विपक्षी गठबंधन का चरित्र अपनी सरकार बचाने के लिए भ्रष्टाचार करना है।

मणिपुर पर राजनीति शर्मनाक : मणिपुर हिंसा को लेकर श्री शाह ने कहा, यह घटना शर्मनाक है लेकिन इसपर राजनीति उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। (शेष पेज 11 पर)

मोदी ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया

बहस पर केंद्रीय गृह मंत्री ने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, आजादी के बाद पीएम मोदी की सरकार ही ऐसी है जिसने सबसे ज्यादा लोगों का भरोसा जीता है। मोदी दुनिया के एकमात्र नेता हैं, जिन्हें 14 देशों ने सम्मानित किया है। उन्होंने जी20 का कार्यक्रम 55 स्थानों पर आयोजित कर देश का नाम बढ़ाने का काम किया है। ऑपरेशन राहत, वंदे भारत मिशन, बजट में छह गुना वृद्धि, खाद्यान्न का उत्पादन में वृद्धि, किसानों के लिए बजट में वृद्धि, एमएसपी पर धान की सबसे ज्यादा खरीदी करने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है। पीएम मोदी सरकार ने कुछ ऐतिहासिक फैसले लिए और वंशवाद और भ्रष्टाचार को खत्म किया। यूपीए का चरित्र सत्ता की रक्षा करना है लेकिन एनडीए सिद्धांत की रक्षा के लिए लड़ता है।

रांची में बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीन कर बाइक सवार अपराधी फरार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सदर थाना क्षेत्र में स्नैचर्स का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को एक बार फिर स्नैचर्स ने एक बुजुर्ग महिला को अपना निशाना बनाते हुए सोने की चेन छीन कर फरार हो गए। एक सप्ताह के भीतर सदर थाना क्षेत्र में यह दूसरी चेन स्नैचिंग की वारदात है, जबकि एक महीने में इस इलाके से आधा दर्जन छिनतई की वारदातें हो चुकी हैं। राजधानी में पुलिस के सभी प्रयासों पर पानी फेरते हुए स्नैचर्स लगातार महिलाओं के लिए मुसीबत बने हुए हैं। ताजा मामला रांची के सदर थाना क्षेत्र के शिव शक्ति नगर का है। यहां बाइक सवार अपराधियों ने 52 वर्षीय महिला अनिमा चक्रवर्ती से दिनदहाड़े सोने की चेन छीन ली और फरार भी हो गए। बताया जाता है कि महिला अपने पति के साथ अपने घर से कुछ ही दूरी पर खड़ी थी। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधी पहुंचे और अचानक अनीमा के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। दोनों बुजुर्ग दंपति ने अपराधियों का कुछ दूर पीछा भी किया, लेकिन अपराधी फरार हो गए। बताया जाता है कि महिला के पति बीएसएनल में कार्यरत थे और कुछ माह पहले ही रिटायर हुए हैं।

जांच में जुटी पुलिस : वहीं छिनतई की घटना के बाद पीड़ित दंपती ने मामले की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलने पर सदर थाना पुलिस स्नैचर्स को पकड़ने की कोशिश में जुट गई है। हालांकि इसमें कोई विशेष सफलता हाथ नहीं लगी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को भी खंगाल रही है, ताकि कोई जानकारी हासिल हो सके।

स्नैचर्स बने पुलिस के लिए सिरदर्द : यूं तो राजधानी रांची के कई थाना क्षेत्र में महिलाओं के साथ छिनतई की वारदातें सामने आ रही हैं, लेकिन सदर इलाके में स्नैचर्स कुछ ज्यादा ही सक्रिय हैं। पांच दिन पहले ही सदर थाना क्षेत्र के खोरहा टोली में रहने वाली स्कूल टीचर मरियम तिग्गा से उनके घर के बाहर ही स्नैचर्स ने 55 हजार की चेन छीन ली थी। उस मामले में भी अब तक किसी अपराधी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

रांची में हर तरफ स्नैचर्स का आतंक : महिलाओं से सोने की चेन छिनतई करने वाला गिरोह पूरी रांची में सक्रिय है। रांची के लालपुर, बरियातू, सदर, कोतवाली, सुखदेवनगर, जगन्नाथपुर और अरगोड़ा जैसे इलाके में स्नैचर्स पुलिस के काबू से बाहर हैं। अपराध पर लगाम लगाने की पुलिस की सारी योजना स्नैचर्स के आगे फेल हो रही है।

जुलाई से लेकर अब तक एक दर्जन छिनतई

तीन दिन पहले लालपुर थाना क्षेत्र के सब्जी बाजार से एक पत्रकार की पत्नी सहित दो महिलाओं से बाइक सवार अपराधियों ने सोने की चेन की छिनतई कर ली थी। जुलाई महीने में गोंदा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला से छिनतई हुई थी, सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के बिड़ला मैदान के पास अपराधियों ने एक महिला के गले से भी सोने की चेन छीन ली थी। जुलाई महीने में ही कोतवाली थाना क्षेत्र के शहीद चौक के पास अपराधियों ने एक महिला के गले से चेन छीन ली थी, जुलाई में ही जगन्नाथपुर इलाके में भी दो महिलाओं से दिनदहाड़े छिनतई की वारदात हुई थी।

खूंटी पुलिस ने किया चमरा मुंडा हत्याकांड का खुलासा, एक अपराधी गिरफ्तार, दूसरा फरार

खबर मन्त्र संवाददाता

खूंटी। जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र के काड़ेतुबिद गांव निवासी युवा किसान चमरा मुंडा की 22 जुलाई की देर शाम उसके घर के समीप ही गोलियों से भूनकर हत्या कर देने के मामले में खूंटी पुलिस ने हत्या में शामिल एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी डहरू प्रधान सायको थाना क्षेत्र के बुरहू टोला स्थित उलीडीह का निवासी है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी के पास से एक देसी पिस्टल, दो जिंदा गोली, एक मैगजीन, घटना में प्रयुक्त बाइक और एक मोबाइल बरामद किया है।

रंगदारी नहीं देने पर की गयी थी चमरा मुंडा की हत्या

इस संबंध में डीएसपी अमित कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी ने पुलिस के समक्ष चमरा मुंडा हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। अपराधी ने बताया कि चमरा मुंडा पोस्ता का कारोबार करता था। इसलिए उससे रंगदारी के रूप में 50 हजार रुपए की मांग की गई थी, लेकिन चमरा मुंडा 10 हजार रुपए देने के लिए भी तैयार नहीं था। इस कारण उसकी हत्या की गई थी। हत्याकांड को अंजाम देने में चार अपराधकर्मी शामिल थे। इनमें से दो अपराधियों को बुंडू थाना की पुलिस ने बुंडू थाना क्षेत्र में 11 जुलाई को धान व्यापारी से पैसे लूटने और गोली चलाने के मामले में गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम में ये थे शामिल: पुलिस टीम में इंस्पेक्टर शाहिद रजा के अलावा मारंगहादा थाना प्रभारी अजय कुमार भगत, सायको थाना प्रभारी रितेश कुमार महतो, मारंगहादा थाना के एसआई हरि महतो, एएसआई कौशर खान सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मोबाइल चोरी करते पकड़ा गया नाबालिग

रांची। धुर्वा थाना की पुलिस ने मोबाइल चोरी करते हुए एक नाबालिग को पकड़कर मंगलवार को बाल सुधार गृह भेज दिया है। नाबालिग कटिहार का रहने वाला है। बताया जाता है कि नाबालिग मंगलवार की सुबह धुर्वा शालीमार बाजार के पास एक युवक के पॉकेट से मोबाइल निकाल रहा था। इसी दौरान युवक ने उसे पकड़ लिया और धुर्वा पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ में आरोपी नाबालिग ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

तीन अफीम तस्करों को दस-दस वर्ष कैद की सजा

रांची। एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत ने अफीम तस्करी मामले में दोषी तीन अभियुक्तों मंगल सिंह मुंडाए अनिल पूर्ति एवं अरुण डांगी को 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर तीनों को अतिरिक्त नौ महीने जेल काटनी होगी। रांची पुलिस ने एक सितंबर 2020 को अभियुक्त मंगल सिंह मुंडा की मारुति सेलेरियो कार की तलाशी लेने पर 7.5 किलो अफीम बरामद हुई। इसके खुलासे के बाद हजारीबाग से अरुण डांगी को गिरफ्तार किया गया। अफीम को वही प्राप्त करनेवाला था। एनडीपीएस टीम ने निशानदेही पर अनिल पूर्ति एवं देवेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। मामले के एक आरोपी देवेंद्र राम को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। मामले में सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक बशिष्ठ नारायण ने पांच गवाही दर्ज कराई थी।

खिड़की-दरवाजा लगाने के नाम पर तीन लाख की ठगी

रांची। सदर थाना क्षेत्र के कोकर चूना भट्ठा निवासी नवीन सिंह से दरवाजा-खिड़की लगाने के एवज में करीब तीन लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली गई है। पैसा वापस मांगने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। इस संबंध में नवीन ने सानू गाड़ोदिया नामक शख्स के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। नवीन ने पुलिस को बताया कि उनका कोकर में घर बन रहा था। मार्च 2022 को सानू उनके निमार्णाधीन मकान में आया और खिड़की-दरवाजा लगाने का ठेका देने की बात कही। कुल 5 लाख, 77 हजार रुपए में खिड़की-दरवाजा लगाने का रेट तय हुआ था। नवीन का कहना है कि कुल तय राशि में से आरोपी ने उनसे 2.80 लाख रुपए एडवांस के तौर पर मांग लिया। राशि लेने के बाद उसने न तो काम किया और न ही पैसे लौटाए।

पोलियो ग्रसित बच्चे को दिया व्हीलचेयर

रांची। इनरव्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रांची डिस्ट्रिक्ट 325 की ओर से चेशायर होम के एक पोलियो ग्रसित बच्चे को व्हीलचेयर दिया गया। संस्था की अध्यक्ष माला श्रीवास्तव और सचिव सोमा भादुड़ी के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट से मिले गोल ट्रेलब्लेजर के तहत चेशायर होम के पोलियो ग्रसित बच्चे को क्लब की पीपी एंड सीजीआर नीता नारायण द्वारा व्हीलचेयर दिया गया। मौके पर क्लब के सभी सदस्य मौजूद थे। यह जानकारी क्लब की एडिटर सुष्मा सिन्हा ने दी।

बुंडू के व्यापारी को गोली मारने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। बुंडू थाना क्षेत्र के बंजारा बाजार के पास व्यापारी रोशन लाल भगत को गोली मारने के आरोपी जोटो पाहन उर्फ सोमनाथ मुंडू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह खूंटी जिले के बरटोली का रहने वाला है। उसने अपने स्वीकारोक्ति बयान में इस घटना में खुद और अपने सहयोगियों की संलिप्तता स्वीकार की है। अन्य अपराधियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है. गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर बुंडू एसडीपीओ अजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है।

तीन अपराधियों ने घटना को दिया था अंजाम : पुलिस के मुताबिक रोशन लाल भगत धान, लाह और महुआ का व्यापारी हैं। बीते 11 जुलाई की सुबह 8.30 बजे वे अपने घर से बंजारा बाजार स्थित दुकान के लिए 2.50 लाख रुपये लेकर निकले थे। जब वे अपनी दुकान पर बैठे थे, इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी अचानक वहां आ धमके। उन्होंने व्यापारी से उक्त पैसा देने को कहा। अपराधियों ने इस दौरान गोली चलायी, जिससे व्यापारी रोशन लाल भगत बुरी तरह से जख्मी हो गये।

पुलिस ने चरस के साथ तीन तस्करों को किया गिरफ्तार, हथियार बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुलिस ने 200 ग्राम चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है। सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में पहाड़ी मंदिर के पीछे मैदान से इन अपराधियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार तस्करों में रातू रोड इंद्रपुरी रोड नंबर 1 का रहने वाला मदन कुमार उर्फ सोनु, आर्यपुरी का सिंटू जायसवाल और हरमू रोड के गाड़ीखाना निवासी सरताज शाह शामिल हैं। इनके पास से चरस के अलावा दो पिस्टल बरामद हुई है। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी किशोर कौशल ने यह जानकारी दी।

चरस लाने फ्लाइट से जाते थे दिल्ली : पूछताछ के दौरान पकड़े गये दोनों तस्कर ने बताया कि वे चरस लाने के लिए फ्लाइट से जाते हैं। वापसी में राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से आते हैं।

इसके बाद रांची के विभिन्न क्षेत्रों में चरस की बिक्री करते हैं। दोनों तीन माह पूर्व पार्षद ओम प्रकाश मंडल पर मारपीट और फायरिंग के मामले में शामिल थे। कोर्ट में आत्मसर्मपण के बाद दोनों जेल चले गये थे। जून में जमानत पर जेल से बाहर निकले थे। उस घटना में प्रयुक्त पिस्टल अभी भी उनके पास है।

पूर्व पार्षद ओम प्रकाश मंडल के घर फायरिंग मामले में शामिल थे

सोनू व सरताज के घर से पिस्टल बरामद

पूछताछ के बाद मदन कुमार उर्फ सोनू के घर से एक पिस्टल बरामद हुई। सिंटू जायसवाल के घर से एक जिंदा गोली मिली। अपराधियों ने बताया कि इस घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल सरताज के पास है। पुलिस की टीम ने सरताज के घर पर छापामारी कर उसके घर से एक पिस्टल बरामद किया। सरताज को भी हिरासत में लिया गया। तीनों ने पूछताछ में बताया कि पार्षद ओम प्रकाश मंडल के घर पर फायरिंग के बाद उन्होंने ये हथियार अपने घर में छिपा लिया था।

धुर्वा डैम में दो युवकों ने कूदकर दी जान एनडीआरएफ की टीम शव निकालने में जुटी

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित धुर्वा डैम में कूदकर दो युवकों ने आत्महत्या कर ली। युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। धुर्वा पुलिस ने युवकों को खोजने लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया है। देर रात तक शव की तलाश जारी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डैम के पास मौजूद कुछ लोगों ने दोनों युवकों को डैम में डूबते हुए देखा। उनका कहना है दोनों युवकों ने आत्महत्या के लिए डैम में छलांग में लगाई। डैम के आसपास इलाके के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मौके से दोनों युवकों के चप्पल और कुछ सामान पुलिस ने बरामद किया है।

गैंगरेप के दोषियों को 20-20 साल कैद की सजा

रांची। पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने बुधवार को नाबालिग से दुष्कर्म के जुर्म में दोषी सोनाहातू के कुदियामू गांव निवासी कपिलदेव पातर मुंडा एवं मोहन महतो को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, दोनों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर अतिरिक्त छह महीने जेल काटनी होगी। गौरतलब है कि अदालत ने दो अगस्त को दोषी ठहराया था। इसी मामले में ट्रायल फेस कर रहा एक युवक बुरू महतो को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है। घटना को लेकर पीड़िता की मां ने सोनाहातू थाना में चार दिसंबर 2019 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया है कि पीड़िता घर से रात में बाहर शौच के लिये निकली थी। उसी समय अभियुक्त कपिलदेव मुंडा ने अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसमें उसका सहयोग उसके दोस्त ने दिया था। मामले में सुनवाई के दौरान एपीपी परमानंद यादव ने पांच गवाहों को प्रस्तुत किया था। जिसके आधार पर मामले के दो अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया।

सीयूजे के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकन को 12 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) में नामांकन के लिए एनटीए द्वारा आयोजित कामन यूनिवर्सिटिस एंट्रेस टेस्ट (सीयूटीएई) पीजी- 2023 के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों मे प्रवेश के लिए-ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीयूजे में स्नातककोत्तर पाठ्यक्रमों में 851 सीट पर नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त 2023 है।

स्नातकोत्तर में उपलब्ध पाठ्यक्रम : स्नातकोत्तर के उपलब्ध पाठयक्रमों में एमटेक- एनर्जी इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर सांइस, नैनोटेक्नोलॉजी, जलसंसाधन इंजीनीयरिंग, परिवहन इंजीनीयरिंग? एमएससी- जीवन विज्ञान, गणित, भौतिकी, पर्यावरण विज्ञान, भूसूचना विज्ञान, सांख्यिकी, एम. हिन्दी, अंग्रेजी, वोकल म्यूजिक, थियेटर, आर्टस, सोशल वर्क, तिब्बती भाषा एंव संस्कृति, एंथ्रोपोलॉजी, मास कम्यूनिकेशन, भुगोल, एमकाम, एमबीए और बीएड शामिल है।

सुखदेवनगर इलाके में नाबालिग पर जानलेवा हमला

रांची। रांची के सुखदेवनगर में मंगलवार की रात नाबालिग युवकों पर रॉड से तीन चार युवकों ने जानलेवा हमला किया। इस संबंध में नाबालिग के पिता दीपेश कुमार चौधरी ने सुखदेवनगर थाने में एक नामजद समेत चार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दीपेश कुमार चौधरी ने पुलिस को बताया है कि उनका नाबालिग बेटा लेखांश अर्पित रात आठ बजे के करीब अखिल मेमोरियल स्कूल गली में स्थित दुकान आ रहा था। उसी क्रम में पुराने रिलायंस फ्रेश के समीप चार युवकों ने उसे रोक लिया और जमकर पिटाई कर दी। पिटाई से लेखांश अर्पित का सिर फट गया। बाद में छानबीन करने में उनमें एक आरोपी के नाम पता चला। पुलिस ने वहां रात में छापेमारी की, लेकिन आरोपी घर से फरार था। इस बाबत सुखदेवनगर थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस की छापेमारी जारी है।

आदिवासीयत से पूरा विश्व प्रेरणा ले रहा है : डॉ उरांव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। टीआरएल संकाय के समन्वयक डॉ हरि उरांव ने कहा कि पूरे विश्व में पर्यावरण की रक्षा अगर कोई करता है, तो वह आदिवासी समाज है। डॉ उरांव बुधवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज जीने का सलीका सिखाया है। आज आदिवासीयत की जीवन शैली से पूरा विश्व प्रेरणा ले रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति व पर्यावरण की चिंता आदिवासी समाज सदियों से ही करते आ रहे हैं। आदिवासी समाज प्रकृति व पर्यावरण का पूजन, संरक्षण और संवर्द्धन सदियों से करते आ रहे हैं। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में इनकी भूमिका अग्रणी रही है। इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कहा कि आदिवासी दिवस सही मायने में आदिवासियों के उत्थान और उनके अस्तित्व की रक्षा के लिये मनाया जाता है। प्राध्यापक डॉ रीझू नायक ने कहा कि पूरी दुनिया बची है, हमारी प्रकृति बची है, हमारी संस्कृति बची है, तो इसमें आदिवासियों-मूलवासियों का बहुत बड़ा योगदान है। प्राध्यापक डॉ मनय एवं शकुंतला बेसरा मुण्डा ने भी विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ बीरेन्द्र कुमार सोय ने किया। मौके पर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय सहायक प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्र छात्रायें मौजूद थे।

अवैध शराब के खिलाफ चला छापेमारी अभियान

रांची। अवैध शराब अड्डों के खिलाफ रांची जिला के कोतवाली, जगन्नाथपुर और धुर्वा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में छापेमारी की गई। जिला आबकारी टीम ने उपायुक्त, राहुल कुमार सिन्हा एवं सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर कोतवाली थाना क्षेत्र के चडरी, जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के मौसीबाड़ी और धुर्वा थाना क्षेत्र के थेथरकोचा और जगरनाथपुर बस्ती में कार्रवाई की। इस मामले में उत्पाद विभाग ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जब पांच आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उत्पाद विभाग ने 450 किलोग्राम जावा महुआ और 320 लीटर अवैध शराब जब्त किया है।

आदिवासियों के पास डिजास्टर, डिफेंस और डेवलपमेंट का अदभुत ज्ञान है : डॉ शांडिल्य

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) के टीआरएल विभाग की ओर से बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विवि सभागार में व्याख्यान सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस विभिन्न आदिवासी समुदायों के सम्मान और उनके सांस्कृतिक धरोहर को याद करने का एक विशेष अवसर है। यह अवसर विश्व भर के लोगों को एक साथ मिलकर आदिवासी समुदायों के संघर्षों और उनकी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सम्मान दिखाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के पास डिजास्टर, डिफेंस और डेवलपमेंट का अदभुत ज्ञान है। मौके पर अभय सागर मिंज, डॉ जिंदर सिंह मुंडा, डॉ विनोद कुमार और डॉ पीपी महतो ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विभाग के शिक्षक डॉ योगेश महतो और डुमिनी माई मुर्मू ने नागपुरी और संताली गीत प्रस्तुत किया।

सीएमपीडीआई के सीएमडी कर्मियों को दिलायी प्रतिज्ञा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएमपीडीआई सीएमडी मनोज कुमार ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के हिस्से के रूप में संस्थान के मुख्यालय, रांची में अपने कर्मियों को पंच प्राण शपथ दिलायी। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) आरएन झा, निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) एसके गोमास्ता, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, मुख्यालय-रांची और क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस मौके पर सीएमडी मनोज कुमार ने कर्मियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता और प्रगति की यात्रा की याद में मेरी माटी मेरा देश, भारत की मिट्टी और वीरता के एकीकृत उत्सव की कल्पना करता है। अपनी भूमि से जुड़कर और अपने नायकों का सम्मान करके, मेरी माटी मेरा देश राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा करेगा और भावी पीढ़ियों को भारत की पोषित विरासत की रक्षा करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि मेरी माटी मेरा देश पंचायत/ग्राम ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर समारोह आयोजित करके देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों का श्रद्धांजलि देने का एक अवसर है।

कांग्रेस नेताओं ने अगस्त क्रांति दिवस पर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शहीद दिवस को अगस्त क्रांति दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर व कांग्रेसजनों ने शहीदों के तस्वीर में श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दिया तथा उनके योगदान की चर्चा कर उनसे प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने 9 अगस्त के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंग्रेजों भारत छोड़ो, करो या मरो के नारा के साथ महात्मा गांधी द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन का नारा नहीं दिया गया होता तो भारत को आजादी मिलने में और विलम्ब हो सकता था। उन्होंने शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आजादी अक्षुण बनाये रखने की जिम्मेवारी हम सब की है। जिस तरह से महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चन्द्र बोस आदि के नेतृत्व में सारा देश एकजूट होकर धर्म, जाति के बंधन से उपर उठकर देश के लिए बलिदान दिया। हॅसते-हॅसते अपने प्राणों की आहूति दे दी। माताओं ने अपने गोद सूने किये। इसी त्याग, बलिदान और उत्सर्ग का परिणाम है कि अंग्रेज भारत छोड़कर चले गये और आज हमारा देश आजाद है। इस अवसर पर पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, अमुल्य नीरज खलखो, विनय सिन्हा दीपू, डॉ एम तौसीफ, आभा सिन्हा, सहित सैकड़ो कांग्रेसजन शामिल थे।

सीएमपीडीआइ में एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएमपीडीआई के कोयल हॉल में बुधवार को माइंड फुलनेस, रेजिलिएंस एंड हेल्थ केयर के माध्यम से कार्य-जीवन संतुलन विषय पर संस्थान के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय संस्थान-3 की महिला कर्मियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच नाजुक संतुलन स्थापित करना था। उद्घाट्न सत्र में सीएमपीडीआई के सीएमडी मनोज कुमार ने इस पहल की सराहना की और कहा कि कामकाजी महिलाओं की समस्या के प्रति समाज में संवेदनशीलता बढ़ने से कार्य-जीवन में संतुलन हासिल करने में मदद मिलती है। कार्यस्थल का वातावरण, प्रबंधन, समाज और परिवार कार्य-जीवन संतुलन हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) एसके गोमास्ता ने समकालीन समाज में कामकाजी महिलाओं की चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीके के बारे में प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में लाइफ कोच और टेडेक्स वक्ता सुश्री रश्मी साहा ने विभिन्न अभ्यासों और उदाहरणों के माध्यम से पेशेवर और व्यक्तिगत मोर्चों पर एक स्वस्थ संतुलन स्थापित करने पर जोर डाला। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ सुनीता झा ने महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में भी बताया ताकि वे अपने स्वास्थ्य के बारे में जानकारीपूर्ण निर्णय ले सकें और कार्यस्थल पर कुशलतापूर्वक अपने कार्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यशाला में लगभग 50 महिला कर्मचारियों ने भाग लिया। इससे पहले सीएमपीडीआई के उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) सुमन रस्तोगी ने आगत अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

बिरसा मुंडा स्मृति पार्क में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 का आयोजन

आदिवासी जीवन दर्शन की दिखी झलक, उमड़ी भीड़

सभी तस्वीरें समीर की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव में समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन की झलकियां दिखी। आदिवासी रीति-रिवाज, संस्कृति, खान-पान, गीत-संगीत का ताना-बाना दिखा। महोत्सव में आदिवासी परिधान, आदिवासी व्यंजन के अलावे राष्ट्रीय आदिवासी चित्रकला शिविर में गोंड पेंटिग, वारली पेंटिंग, सउरा पेंटिंग से लेकर झारखंड की समकालीन पेंटिंग की पूरी श्रृंखला है। आदिवासियों के संघर्ष से लेकर उनके उत्थान तक की तकरीबन तीन दर्जन किताबें प्रदर्शनी में रखी गयी है। आदिवासी परिधान महोत्सव की भव्यता को चार चांद लगा दिया।

पारंपरिक आदिवासी लजीज व्यंजन को चटखारे ले खाते रहे लोग

रांची। महोत्सव में आदिवासी संस्कृति, कला, खानपान को दर्शाने के लिए ढेरों स्टॉल लगे हैं। लोग इन स्टॉल के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, कला, खानपान के बारे में जानने के साथ आदिवासी लजीज व्यंजन का स्वाद ले रहे हैं। आदिवासी व्यंजन के लिए कार्यक्रम में कुल 14 स्टॉल लगाए गए हैं।

आदिवासी व्यंजन के 'पलाश आजीविका दीदी कैफे' पर मोटा आनाज से तैयार अलग-अलग प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन लोगों को आकर्षित कर रहा है। झार-आहार के नाम से सभी स्टॉल सजे हैं। इसपर मडुआ के आटा से तैयार मीठी पीठा, अरसा और मोमो व इसके साथ रूगड़ा का सूप, उरद दाल की रस बरा और डुबकी, रूगड़ा की सब्जी, साग-माड़ और चावल व चकु साग, धुसका, आलू बरी, आरू का छिलका रोटी, चावल के आटा से तैयार कोना रोटी, खपरा रोटी, छिलका रोटी, धुसका का व्यंजन लोग जमकर लुत्फ उठा रहे हैं। सिल्ली ब्लॉक परिसर में आदिवासी व्यंजन तैयार कर बिक्री करनेवाली शीला देवी बताती हैं कि उन्हें यह सब स्वयं तैयार कर लोगों को खिलाने में बहुत ही अच्छा लगता है। पौष्टिकता से भरपूर आदिवासी व्यंजन है। वहीं मांडर के कंदरी मोड़ पर स्टॉल लगाकर यही व्यंजन बेचनेवाली सेफाली गुप्ता अपने काम से संतुष्ट बताती हैं और इससे अच्छी आमदनी कर लेती हैं। जिससे उनकी आजीविका ठीक-ठाक चल जाता है।

रीझ-रंग रसिका रैली में 32 जनजातीय समुदाय की दिखी नृत्य झलकियां

रांची। रीझ रंग रसिका रैली निकालकर झारखंड आदिवासी महोत्सव का शानदार आगाज किया गया। रैली रांची के करमटोली चौक से बिरसा मुंडा संग्रहालय तक गयी। इस दौरान महिलाएं लाल पाड़ साड़ी पहनकर मांदर की थाप पर थिरकती नजर आयीं। रीझ रंग रसिक रैली में झारखंड के 32 जनजातीय समुदायों का नृत्य समूह बनाया गया था। जिसमें ढोल-मांदर, गाजा-बाजा के साथ सभी जनजातीय समुदायों की नृत्य की झलकियां देखने को मिलीं। रैली में हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय की महिलाएं-पुरुष एवं युवा शामिल हुए।

आदिवासी महोत्सव की झलकियां

केन्द्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति ने बांटे 10000 पौधे

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर केंद्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति के द्वारा बबलू मुंडा की अगुवाई में अल्बर्ट एक्का चौक में 10 हजार फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि वह विश्व आदिवासी दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी तभी बचेंगे जब पेड़-पौधे और प्रकृति रहेगा। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को अपनी धर्म संस्कृति रीति रिवाज रूढ़िवादी व्यवस्था एवं परंपरा को बताने की जरूरत है तभी आदिवासी संस्कृति बच पाएगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप विधायक सीपी सिंह, पूर्व महापौर आशा लकड़ा, मुख्य पहान जगलाल पहान, सुरेंद्र लिंडा, सबलू मुंडा, कृष्णकांत टोप्पो, जितेंद्र सिंह, सुनील टोप्पो,कुमोद कुमार वर्मा, राहुल मुंडा, रामा मुंडा, प्रकाश मुंडा, सबलू खान,भोला केसरी, परवेज भाई, नवशाद भाई, राज मुंडा, संजू खलखो, नीरज चौधरी, काली उरांव, विक्की सोनी, मनीष वर्मा, विशाल मंडा, मुन्ना हेंब्रम थे।

आदिवासियों की सांस्कृतिक विरासत बचायें : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि यह आदिवासी समुदाय के महत्व एवं संस्कृति को समझने का दिवस है। आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपरा हमारी समृद्ध विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की 32 जनजातियां यहां की विविधता एवं समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में आदिवारियों की जीवनशैली, विशेषतायें और ज्ञान लुप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय के जीवन शैली एवं जरूरतों को समझना होगा।

पारंपरिक कला संस्कृति के 22 स्टॉल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क में आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव में बुधवार को आदिवासी कला संस्कृति और परंपरा से जुड़ी वस्तुओं की झलक दिखी। इससे जुड़े 22 से अधिक स्टॉल लगाये गये हैं। स्टॉलों में आदिवासी परंपरा से जुड़ी ढेरों वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी है।

झारक्राफ्ट के स्टॉल में भारी भीड़

झारक्राफ्ट के स्टॉल में आदिवासी वेशभूषा और पारंपरिक तरीके से बुने कपड़े लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। यहां लोग हैंडमेड पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा और विभिन्न डिजाइन के कपड़े खरीद रहे हैं। स्टॉल में 9 पारंपरिक जनजाति के करीब 100 से ऊपर डिजाइन के कपड़े उपलब्ध हैं। आदिवासी परंपरा से जुड़ी पेंटिंग्स, आदिवासी सेनानियों की मूर्तियां, सूप, दउरा , वाद्ययंत्र जैसी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगायी गयी है।

बढ़िया प्लेटफार्म मिला : निशा

आदिवासी पेंटिंग स्टॉल पर मौजूद अजादून निशा ने बताया कि यह एक बढ़िया प्लेटफार्म है। इस तरह के आयोजन में हमें अपनी कला संस्कृति लोगों के सामने प्रस्तुत करने का मौका मिलता है।

आदिवासी समुदाय को मिटाने नहीं देंगे के जयकारे के साथ निकाला विशाल जुलूस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को जय आदिवासी केंद्रीय समिति के तत्वावधान में नगड़ा टोली, सरना भवन में विधि पूर्वक पूजा अर्चना करके आदिवासियों की अस्मिता व अस्तित्व की रक्षा एवं जल, जंगल जमीन बचाने के आह्वान के साथ विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में चीरा झंडा, मुंडा झंडा, गौड समाज आदि परंपरागत वेशभूषा एवं पारंपरिक हथियार तीर -धनुष के साथ झूमते गाते शामिल हुए। जय आदिवासी केंद्रीय समिति की अध्यक्ष निरंजना हेरेंज टोप्पो ने कहा कि आदिवासियों के कारण आज देश-दुनिया में जल, जंगल, जमीन एवं संपूर्ण जीव जगत का अस्तित्व है। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी समुदाय के ऊपर चौतरफा हमला होना पूंजीवादी शक्तियों को स्थापित करना है। आदिवासी समुदाय इसका घोर विरोध करती है। राजी पड़हा केंद्रीय समिति के अध्यक्ष रंजीत उरांव ने कहा कि देश और दुनिया में आदिवासी परंपरा एवं संस्कृति से ही बचाकर ही विकास की अवधारणाओं को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

मौके पर समिति के संयोजक आनंद तांबा, पाहन संघ के अध्यक्ष जगदीश पाहन, बिक्की पाहन, मोती कच्छप कुलभूषण डुंगडुंग, राजकुमार कुंजान बसंत पाहन, अरविंद कच्छप गीता लकड़ा उर्मिला भगत माला कुजूर अजय टोप्पो संजू बाबा मुन्नी पाहन चंदन हलधर पाहन सघन उरांव अरुण तिग्गा, संतु लोहरा, शशि प्रधान सहित अन्य हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग परंपरागत वेशभूषा में उपस्थित थे।

मोनिका मुंडू के गीतों पर झूमने लगे लोग

रांची। झारखंड की स्वर कोकिला कही जाने वाली मोनिका मुंडू की जादुई आवाज ने झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 को खास बना दिया। महोत्सव के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद मोनिका मुंडू ने जैसे ही अपनी प्रस्तुति दी, श्रोता झुमने लगे। मोनिका मुंडू के गीतों का आनंद उठाने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गुरुजी शिबू सोरेन सहित कई गणमान्य अतिथि बैठे रहे। इस दौरान मोनिका मुंडू ने झारखंड की पारंपरिक गीत अपना छोटानागपुर जैसे ही गाना शुरू किया, पूरा परिसर श्रोताओं की तालियों से गूंज उठा।

आदिवासी महोत्सव की झलकियां

कांग्रेस की आदिवासी गौरव महासभा: नेताओं ने आदिवासियों पर बढ़ रहे अत्याचार के लिए भाजपा को ठहराया जिम्मेदार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस के निर्देश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने जतरा मैदान, बनहोरा में आदिवासी गौरव महासभा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बादल पत्रलेख और मंत्री बन्ना गुप्ता सहित झारखंड कांग्रेस के सभी बड़े नेता मौजूद रहे। मानसून की रिमझिम फुहारों के बीच आदिवासी गौरव महासभा में भाग लेने के लिए अलग-अलग इलाकों से पारंपरिक लिबास में पहुंचें जनजातीय समाज के लोग छतरी लगाकर कार्यकम्र में डटे रहे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने बनहोरा जतरा मैदान में सरना धमार्नुसार जतरा पूजा कर आदिवासी गौरव महोत्सव की शुरूआत की।

इस मौके पर अविनाश पांडेय ने कहा कि आदिवासियों के अधिकार और संस्कृति की रक्षा करने में हर समय अग्रसर रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासी प्रकृति के प्रहरी होते हैं। उन्होंने मणिपुर और मध्यप्रदेश की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक पार्टी विशेष के कारण कैसे आदिवासियों पर अत्याचार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण कानून को बदल कर केंद्र की सरकार ने जंगल को पूंजीपतियों के हवाले करने का रास्ता साफ कर दिया है। आदिवासी को अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए आगे बढ़ना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि वर्तमान समय में देश के अंदर आविासियों पर जिस तरह से अत्याचार हो रहा है उस जख्म पर मरहम लगाने का काम कांग्रेस द्वारा आयोजित आदिवासी गौरव महासभा करेगा। कहा कि कांग्रेस ने जो अधिकार आदिवासियों, वनवासियों को दिया था उसे भाजपा सरकार समाप्त करने पर लगी है।

कार्यक्रम में बंधु तिर्की ने कहा कि देश में आदिवासियों के साथ जो अत्याचार हो रहा है उस जख्म परों मरहम लगाने का काम कांग्रेस पार्टी करेगा।

आदिवासी महिला और पुरुषों ने परंपरागत नृत्य कर बांधा समां : विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनजातीय महिला पुरुषों ने परंपरागत तरीके से नृत्य कर समां बांधा। विश्व आदिवासी दिवस पर अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में आदिवासी महिलाएं और पुरुषों ने प्रभातफेरी की शक्ल के जुलूस भी निकाला। सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की।

खबर एक नजर में

सीएम से मिले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बधवार को झारखंड कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री आलमगीर आलम और बादल पत्रलेख तथा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनावों के सिलसिले में मुख्यमंत्री के साथ विस्तार से मंत्रणा किया। वहीं, राज्य के विकास और जनहित से जुड़े कई विषयों को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

अविनाश पांडे से मिले गो सेवा आयोग के अध्यक्ष

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव अविनाश पांडे के झारखंड आगमन पर बुधवार को गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने उनसे मुलाकात की। अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया तथा उन्हें गो सेवा आयोग का प्रतीक चिन्ह भेंट की। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने गो सेवा आयोग के अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन ने आपको महती जिम्मेदारी दी है। पूरी तन्मयता से गौ सेवा कार्य में लगें, जिससे राज्य की पहचान एक गौ रक्षक एवं गौ संवर्धक राज्य के रूप में हो। राजीव रंजन प्रसाद ने गो सेवा आयोग के क्रियाकलापों के संबंध में उन्हें विस्तार से बताया। इस मौके पर कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी मौजूद थे।

जेएन कॉलेज में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर जेएन कॉलेज धुर्वा में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ अबरार अहमद ने कॉलेज परिसर में गुलमोहर के पौधे लगाए। उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासियों की जीवन शैली एवं आदिवासी दर्शन से विद्यार्थियों को अवगत कराया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार ने अर्जुन का पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि हमें आदिवासियों से पर्यावरण संरक्षण के तरीके सीखने चाहिए, जो प्रकृति के मुख्य संरक्षण एवं उपासक हैं। ईडब्ल्यूएस प्रोग्राम के समन्वयक एसएन उरांव ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की मुख्य आयोजनकर्ता डॉ टेरेसा टुडू ने एनएसएस यूनिट एक के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। मौके पर डॉ हर्षमति सिंह, डॉ बिन्हा, डॉ जगदीश लोहरा, डॉ समीर, डॉ नायक तथा स्वयंसेवकों में दिव्यता, अमन, प्रभाकर, संजीव, मीनू, नेहा और प्रतिमा आदि मौजूद थीं।

बरियातू में मिट्टी में दबने से मजदूर की मौत

रांची। राजधानी के बरियातू में मिस्री में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। उसे किसी तरह मिट्टी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मजदूर की शिनाख्त आकाश भुंइया के रूप में हुई है। वह पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य के सात हजार स्कूलों में एमडीएम और एसएसए की करायी जायेगी सोशल ऑडिट

रांची। राज्य से सात हजार स्कूलों में एमडीएम और एसएसए का सोशल ऑडिट होगा। इस क्रम में शिक्षकों से संबंधित सवाल भी पूछे जाएंगे। इसके लिए डेट लाइन तय कर दिया गया है। इस बारे में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने आदेश जारी कर दिया है। इसकी जानकारी सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी दे दी गयी है। आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 7 हजार विद्यालयों में एमडीएम और एसएसए का सोशल ऑडिट करना है। सोशल ऑडिट संयुक्त रूप से 10 अगस्त से किया जाना है। इसके आलोक में अगस्त से विद्यालयों में ऑडिट की प्रकिया का आरम्भ करने के लिए ऑडिट कैलेंडर भेजा गया है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी शुरू, मोरहाबादी मैदान में पुलिसकर्मियों ने किया रिहर्सल

रांची। स्वतंत्रता दिवस को लेकर मोरहाबादी मैदान में बुधवार को पुलिसकर्मियों ने रिहर्सल शुरू किया। इस बार यूपी पुलिस भी परेड में हिस्सा लेगी। स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी मैदान में मंच सहित दर्शकों के बैठने के लिए दीर्घा का निर्माण भी किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर झारखंड पुलिस के अलग-अलग विंग्स के अलावा यूपी पुलिस, आइटीबीपी और सीआरपीएफ की बटालियन भी परेड में हिस्सा लेगी। परेड को शानदार बनाने के लिए मोरहाबादी मैदान में परेड का रिहर्सल जारी है। जिसमें यूपी पुलिस, झारखंड आर्म्ड फोर्स वन और दस, झारखंड जगुआर, रांची पुलिस की महिला और पुरुष बटालियन, होमगार्ड जवानों के साथ-साथ आइटीबीपी और सीआरपीएफ के जवान हिस्सा ले रहे हैं।

खबर मन्त्र

रांची. गुरुवार .10 अगस्त 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

समलैंगिकता बैन

इराक की सरकार ने देश में समलैंगिकता के इस्तेमाल पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। इराक के आधिकारिक मीडिया रेगुलेटर ने सभी मीडिया और सोशल मीडिया कंपनियों को समलैंगिकता शब्द का उपयोग नहीं करने का निर्देश दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अरब देश ने समलैंगिकता शब्द के इस्तेमाल पर बैन लगाते हुए इसे यौन विचलन से बदलने के लिए कहा है।जेंडर शब्द के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इराक की संचार और मीडिया आयोग (सीएमसी) ने कहा कि जेंडर शब्द के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। संचार और मीडिया आयोग ने बयान में कहा, रेगुलेटर मीडिया संगठनों को निर्देश देता है कि समलैंगिकता शब्द का उपयोग न करें और इसकी जगह सही शब्द यौन विचलन का इस्तेमाल करें। इस मामले को लेकर एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर जुमार्ना अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन इसमें जुमार्ना भी शामिल हो सकता है।इराक स्पष्ट रूप से समलैंगिक यौन संबंध को अपराध नहीं मानता है। हालांकि ईराक ने अपने दंड संहिता में नैतिकता खंड का उपयोग एलजीबीटी समुदाय के सदस्यों को लक्षित करने के लिए किया गया है। इराक की मुख्य पार्टियों ने पिछले दो महीनों में समलैंगिक लोगों के अधिकारों की आलोचना तेज कर दी है। इससे पहले स्वीडन और डेनमार्क में कुरान जलाने के विरोध में शिया मुस्लिम गुटों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान समलैंगिका को दर्शाने वाले रेनबो झंडों को भी फूंक दिया था। हाल ही में कुवैत ने एक ट्रांसजेंडर अभिनेता की हॉरर फिल्म पर भी प्रतिबंध लगा दिया। टॉक टू मी नाम की यह फिल्म यूएई और सऊदी अरब के सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है लेकिन इसके किसी भी दृश्य में समलैंगिकता का कोई स्पष्ट संदर्भ नहीं है।

आप का बचाव?

अध्यादेश पर आम आम आदमी पार्टी का साथ देना विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए पर भारी पड़ा। संसद में उसे असहज स्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि चर्चा के दौरान आबकारी घोटाला, अरविंद केजरीवाल के शीशमहल निर्माण घोटाला, इससे सम्बन्धी फाइलों को गायब करने के प्रयास आदि भी चर्चा में आ गये। यह भी पता चला कि दिल्ली विधानसभा और केजरीवाल मंत्रिमंडल की बैठकें भी संवैधानिक भावना के अनुरूप नहीं होती थी। इसमें केजरीवाल की मनमानी व्यवस्था लागू रहती थी। इन तथ्यों के सामने आने पर अध्यादेश का विरोध करने वालों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। संदेश यह गया कि विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए आप सरकार के कथित घोटालों और अलोकतांत्रिक तौर-तरीकों का समर्थन कर रहा है, उसका बचाव कर रहा है। विपक्षी आईएनडीआईए पर नरेन्द्र मोदी ने जो आरोप लगाए थे, वह इनकी अपनी हरकतों से प्रमाणित हो गए। मोदी ने कहा कि ये पार्टियां घोटालों से एक-दूसरे को बचाने के लिए एकजुट हुई हैं। जब से संसद का मानसून सत्र प्रारंभ हुआ, तब से विपक्ष मणिपुर को लेकर हंगामा कर रहा है लेकिन आम आदमी पार्टी के समर्थन में हंगामा छोड़ कर संसद की कार्यवाही में शामिल हो गये। कांग्रेस के नेता जानते थे कि उन्होंने दिल्ली के लिए जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, अध्यादेश उसी के अनुरूप था। केजरीवाल भी दिल्ली की संवैधानिक व्यवस्था को समझते थे। इसे समझते हुए ही उन्होंने बेशुमार चुनावी वादे किए थे। उन्होंने कभी नहीं कहा कि दिल्ली पूर्ण राज्य होगा तभी वह सब वादे पूरे करेंगे। वह पूर्ण राज्य क्यों चाहते थे, यह भी कुछ घण्टों में पता चल गया। फाइलों को गायब करने और जांच को प्रभावित करने के काम किए गए। इसके चलते ही केंद्र सरकार को अध्यादेश लाना पड़ा।

वन संपदा को हर हाल में बचाना ही होगा

वानिकी, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों का एक अंग है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में चार खंड शामिल हैं-फसलें, पशुधन, मात्स्यकी और वानिकी। इन चार खंडों में से पहले तीन खंड हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और नीली क्रांति आदि जैसी क्रांतियों के गवाह रहे हैं। इन क्रांतियों के कारण पिछले 50 वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों के उत्पादन में 3.05 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि हुई। जबकि वानिकी के उत्पादन में प्रति वर्ष महज 0.54 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई। वानिकी क्षेत्र की यह वृद्धि जनसंख्या में होने वाली वृद्धि दर का एक तिहाई भी नहीं है। आर्थिक और इकोलॉजी की दृष्टि से इसके बेहद गंभीर नतीजे हुए। देश में उत्पादित लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पादों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में भारी गिरावट आई और भारत को लकड़ी व लकड़ी के उत्पादों की घरेलू मांग के बड़े हिस्से को आयात के माध्यम से पूरा करना पड़ा। वानिकी में मामूली वृद्धि का सीधा अर्थ पर्यावरण और इकोलॉजी के अनुकूल उत्पादन में कम वृद्धि भी है। कार्बन प्रच्छादन, जल संतुलन और प्राकृतिक इकोसिस्टम के सेहत की दृष्टि से इसके दूरगामी प्रभाव हैं।

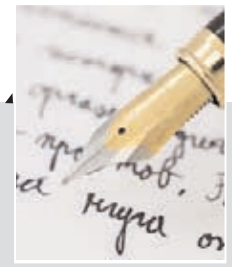

- शिवशंकर उरांव

कुछ वर्ष पहले तक वन क्षेत्र से बाहर भूमि पर उगने वाले पेड़ों की कटाई पर सख्त प्रतिबंध था। एक राज्य से दूसरे राज्य में उन्हें ले जाने के लिए ट्रांजिट परमिट की आवश्यकता होती थी। इससे निजी भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ों का अस्तित्व जोखिम में पड़ गया, क्योंकि भूमि के मालिकों को ऐसे पेड़ों को बेचने की अनुमति प्राप्त करने के लिए बोझिल और जटिल प्रक्रियाओं का अनुसरण करना पड़ता था।

वानिकी का उत्पादन तीन स्रोतों पर निर्भर है। ये स्रोत हैं- सार्वजनिक वन, निजी स्वामित्व वाली भूमि और केंद्र एवं राज्यों, पंचायतों, समुदायों आदि के स्वामित्व वाली अन्य प्रकार की भूमि। विभिन्न कारणों से लकड़ी एवं लकड़ी आधारित उत्पादों के निष्कर्षण और लकड़ी आधारित उद्योग की स्थापना की प्रक्रिया वन संरक्षण अधिनियमों तथा विभिन्न विनियमों द्वारा कड़ाई से विनियमित की जाती है। भारत में वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि 23.4 मिलियन हेक्टेयर है। इन क्षेत्रों में वनोपज, विशेषकर लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के व्यावसायिक निष्कर्षण पर प्रतिबंध या रोक लगाने के पीछे कुछ तर्क हैं। हालांकि आर्थिक विकास, पर्यावरण, इकोलॉजी और स्थिरता से संबंधित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इस वन क्षेत्र के बाहर वानिकी और पेड़ उगाने को प्रोत्साहित करने की काफी संभावनाएं हैं। सबसे बड़ी संभावना कृषि भूमि पर है, जहां कृषि वानिकी को अपनाकर इस दिशा में बढ़ा जा सकता है। कुल कृषि योग्य भूमि में से 26 मिलियन हेक्टेयर भूमि परती पड़ी रहती है। यह देश में वनक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कुल भूमि से अधिक है। भारत में 12 मिलियन हेक्टेयर कृषि योग्य बंजर भूमि भी उपलब्ध है। परती भूमि, कृषि योग्य बंजर भूमि और खेत की सीमाओं पर पेड़ उगाने की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में, वानिकी वृक्षारोपण के तहत निजी गैर-वन भूमि के बहुत छोटे से हिस्से को कवर किया जाता है और वहां पेड़ों की अधिकांश प्रजातियां नैसर्गिक रूप से ही उगती हैं। वे लकड़ी की घरेलू मांग को पूरा करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत बड़ी मात्रा में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात कर रहा है। इस आयात में 2018-19 तक वृद्धि का रुझान दिखाई देता रहा है। वर्ष 2018-19 के दौरान लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों का आयात 6126 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 42841 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वृक्षारोपण और कृषि-वानिकी में बहुत कम रुचि होने के पीछे के कारणों के गहन परीक्षण की आवश्यकता है। देश में लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों की मांग में कोई कमी नहीं आई है। इनकी मांग बढ़ने से कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही हैं और इनका आयात भी बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पहले तक वन क्षेत्र से बाहर निजी भूमि पर उगने वाले पेड़ों की कटाई पर सख्त प्रतिबंध था। एक राज्य से दूसरे राज्य में उन्हें ले जाने के लिए ट्रांजिट परमिट की आवश्यकता होती थी। इससे निजी भूमि पर प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ों का अस्तित्व जोखिम में पड़ गया, क्योंकि भूमि के मालिकों को ऐसे पेड़ों को बेचने की अनुमति प्राप्त करने के लिए बोझिल और जटिल प्रक्रियाओं का अनुसरण करना पड़ता था। इस बीच देश में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय वन नीति 1988 और राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति 2014 लागू की गई। इन बातों को ध्यान में रखते हुए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 18 नवंबर, 2014 को राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को वन क्षेत्र से बाहर निजी भूमि पर उगाई जाने वाली वृक्ष प्रजातियों के लिए कटाई और पारगमन नियमन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। इन दिशानिदेर्शों में पेड़ों की कटाई के लिए किसी भी प्रतिबंध से मुक्त प्रजातियों की सूची और निजी भूमि पर उगने वाले वृक्षों की प्रजातियों के लिए उदार पारगमन नियम का स्पष्ट उल्लेख किया गया। इसके बाद, इस मामले को नीति आयोग द्वारा कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित सुधारों के एक भाग के रूप में राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के समक्ष उठाया गया। कुछ राज्यों ने केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने के लिए अपनी ओर से अधिसूचनाएं जारी कीं। निजी भूमि पर उगाए गए पेड़ों की कटाई और पारगमन पर प्रतिबंधों को सीमित तौर पर उदार बनाए जाने से वानिकी के उत्पादन में वृद्धि होने के साथ-साथ लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के आयात में काफी कमी हुई। निजी भूमि पर उगाई जाने वाली वृक्ष प्रजातियों की कटाई पर प्रतिबंध में छूट की अधिसूचना के एक साल बाद, वन क्षेत्र का उत्पादन लगातार तीन वर्षों के लिए 5 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दशार्ता है। 1950-51 से ऐसा कभी नहीं हुआ। इसी तरह, 2014-15 के बाद दो वर्षों के दौरान लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आई और उसके बाद की अवधि में आयात में वृद्धि होने के बजाय उतार-चढ़ाव होता रहा। स्थानीय रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि देश में कुछ इलाकों में चिनार जैसी कृषि वानिकी प्रजातियों के रकबे में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध हटाने की जानकारी देश के बड़े हिस्से में नहीं पहुंच पाई है। इस जानकारी को गांव के स्तर तक पहुंचाने की जरूरत है। भारत में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए देश में पेड़ों की कटाई और पेड़ों के उत्पादों की आवाजाही को प्रतिबंध से पूरी तरह मुक्त बनाने की भी आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी के वर्तमान समय में, उत्पाद की आपूर्ति के स्रोतों, यानी- भूमि या निजी भूमि - का पता लगाने के उपाय उपलब्ध हैं। **(लेखक भाजपा जनजाति मोर्चा झारखंड प्रांत के अध्यक्ष हैं।)**

खास बात

अमित शाह के गंभीर आरोप

दिल्ली सरकार संशोधन विधेयक से पारित हो गया। यह निर्णय संविधान के अनुरूप था। गृहमंत्री अमित शाह ने केजरीवाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि आप के निशाने पर सतर्कता विभाग था। जिससे घोटालों की जांच को प्रभावित किया जाए। उसके पास आबकारी घोटाले की फाइल, मुख्यमंत्री के नये बने आवास को अवैध रूप से बनाये जाने से संबंधित फाइल, बीएसईएस से संबंधित फाइल, एक कंपनी पर इक्कीस हजार करोड़ रुपये के बकाया होने के बावजूद उसे फिर फंड देने से संबंधित फाइल जांच के लिए पड़ी हैं।

केजरीवाल सरकार देश की ऐसी सरकार है, जिसके कार्यकाल में विधानसभा का सत्रावसान ही नहीं होता। जब राजनीतिक भाषण देना होता है तो विधानसभा का आधे दिन का सत्र बुला लिया जाता है। 2021 से 2023 के बीच अब तक हर साल केवल एक-एक सत्र बुलाए गये हैं। वह भी बजट के लिए। इसी तरह केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2022 में कैबिनेट की मात्र छह बैठकें बुलायीं, वर्ष 2023 में केवल दो ही बैठकें बुलायीं। यह बैठकें भी मुख्यतः बजट को लेकर थीं। पिछले दो वर्षों से विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की एक भी रिपोर्ट सदन के पटल पर नहीं रखी। अगर विपक्ष को मणिपुर या देश के किसानों और अन्य हितों की चर्चा होती तो वे इसी सत्र में पारित नौ विधेयकों की चर्चा में जरूर भाग लेते क्योंकि वे विधेयक भी महत्वपूर्ण थे। विपक्ष को केवल अपना गठबंधन टूटने का डर था और वे इस विधेयक पर चर्चा में केवल अपना गठबंधन बचाने के लिए आये हैं।

आम आदमी पार्टी का जन्म नई राजनीति के दावे के साथ हुआ था। जिसमें ईमानदारी और वीआईपी कल्चर की समाप्ति का वादा किया गया था। इसके लिए अरविंद केजरीवाल ने एक प्रकार का मोहक तिलिस्म भी बनाया था। कभी अपनी चर्चित नीली वैगन आर कार की सवारी, ऑटोरिक्शा की सवारी, मेट्रो की सवारी, ये सब उनके इसी तिलिस्म के हिस्से थे।

अनुपम सौभाग्य

विचार-प्रवाह

श्रीराम शर्मा आचार्य

मानव जीवन भगवान की दी हुई सर्वोत्तम विभूति है। इससे बड़ा वरदान और कुछ हो ही नहीं सकता। सृष्टि के समस्त प्राणियों को जैसे शरीर मिले हैं, जैसे सुविधा साधन प्राप्त हैं, उनकी तुलना में मनुष्य की स्थिति असंख्य गुनी श्रेष्ठ है। दूसरे जीवों का सारा समय और श्रम केवल शरीर रक्षा में ही लग जाता है। फिर भी वे ठीक तरह उस समस्या को हल नहीं कर पाते। इसके विपरीत मनुष्य को ऐसा अद्भुत शरीर मिला है जिसकी प्रत्येक इन्द्रिय आनंद और उल्लास से भरी पूरी है। उसे ऐसा मन मिला है जो पग-पग पर हर्षोल्लास का लाभ ले सकता है। उसे ऐसी बुद्धि मिली है जो साधारण पदार्थों से अपनी सुख-सुविधा के साधन विनिर्मित कर सकती है। मानव प्राणी को जैसा परिवार, समाज, साहित्य तथा सुख-सुविधाओं से भरा-पूरा वातावरण मिला है, वैसा और किसी जीव को प्राप्त नहीं है।

इतना बड़ा सौभाग्य उसे अकारण ही नहीं मिला है। भगवान की इच्छा है कि मनुष्य उसकी इस सृष्टि को अधिक सुंदर, अधिक सुखी, अधिक समृद्ध और समुन्नत बनाने में उसका हाथ बंटाये। अपनी बुद्धि, क्षमता और विशेषता से अन्य पिछड़े हुए जीवों की सुविधा का सृजन करे और परस्पर इस तरह का सद्व्यवहार बरतें, जिससे इस संसार में सर्वत्र स्वर्गीय वातावरण दृष्टिगोचर होने लगे।

इनर इंजीनियरिंग, योग के प्राचीन विज्ञान में जड़, शांति, आनंद और स्वास्थ्य को अपने प्राकृतिक स्थिति के रूप में स्थापित करने के उपकरण प्रदान करता है।

- जग्गी बासुदेव

आपके ट्वीट

भाजपा ने आज पूरे देश पर केरोसिन फेंक दिया है।मणिपुर पर फेंका, वहां आग लगा दी,हरियाणा पर छिड़का, वो भी जल रहा है।पूरे देश को जलाने में लगे हैं! ये भारत मां के रखवाले नहीं, भारत मां के हत्यारे हैं!

- राहुल गांधी, सांसद कांग्रेस

सशक्त, समर्थ, आत्मनिर्भर भारत बनाना है, इसीलिए मोदी जी को फिर से लाना है।

-अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

अंधाधुंध शहरीकरण से उपजी समस्याओं का निदान जरूरी

दीपक कुमार त्यागी

सामयिक

भारत में पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण क्षेत्रों से तेजी के साथ शहरों की तरफ बड़ी आबादी का पलायन हुआ है, जिसके चलते देश में जगह-जगह अंधाधुंध अव्यवस्थित शहरीकरण हुआ है। हालांकि किसी क्षेत्र को शहरी क्षेत्र माने जाने के लिए कुछ आवश्यक मानदंड हैं, जिनके अनुसार उस क्षेत्र में 5000 या इससे अधिक व्यक्तियों की आबादी का निवास करना जरूरी है, वहां की 75 फीसदी आबादी गैर-कृषि व्यवसाय करती हो, वहीं इस क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व भी 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर होना चाहिए। शहरी क्षेत्र के लिए कुछ अन्य विशेषताएँ भी होती हैं, जिसमें उस क्षेत्र में उद्योग-धंधे, व्यवस्थित आवासीय क्षेत्र, सुनियोजित ढंग से बिजली-पानी, सीवरेज की व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था होती है, ऐसे आबादी वाले क्षेत्र को ही शहर के अंतर्गत मानते हैं।

इन सुविधाओं से आकर्षित होकर व ग्रामीण क्षेत्रों की कठिन जीवनशैली के चलते देश में पिछले कुछ दशकों में लोगों ने रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में बड़े पैमाने पर गांव से शहरों की तरफ पलायन किया है, जिसके चलते आज आलम यह है कि पुराने शहरों के अव्यवस्थित विस्तार के साथ कुकुरमुत्ते की तरह जगह-जगह अंधाधुंध वैध व अवैध शहरी क्षेत्र बन गये हैं, जिन क्षेत्रों के सभी निवासियों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारे सिस्टम के सामने बड़ी चुनौती बन गयी है। वैसे, शहरीकरण से संबंधित अगर कुछ आँकड़े देखें तो साफ नजर आता है कि कभी गांवों का देश माने जाने वाला भारत अब तेजी से शहरों में बदल रहा है। इन आँकड़ों के अनुसार देश में वर्ष 2001 तक हमारी आबादी का 27.81 फीसदी हिस्सा शहरों में रहता था। जबकि वर्ष 2011 के आँकड़ों के अनुसार यह स्थिति बदल कर 31.16 फीसदी तक पहुंच गई और वर्ष 2018 में तेजी के साथ बदलते हुए शहरीकरण का यह आँकड़ा बढ़ कर 33.6 फीसदी तक पहुंच गया। देश में शहरी आबादी में तेजी से हुई यह बढ़ोत्तरी बेहद आश्चर्यजनक है। वहीं देश में वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार शहर-कस्बों की कुल संख्या 5,161 थी, जो कि वर्ष 2011 की जनगणना में तेजी से बढ़ कर 7,936 हो गई, वहीं अब नयी जनगणना में इस स्थिति में फिर से वृद्धि देखने को नजर आयेगी।

देखें तो संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में विश्व की करीब आधी आबादी शहरों में निवास करने लगी है, वहीं जिस तेजी के साथ भारत में गांवों से रोजी-रोटी व सुविधाओं की तलाश में पलायन अनवरत चल रहा है, उसको देखकर लगता है कि वर्ष 2050 तक हमारे देश की भी आधी आबादी शहरों-कस्बों के क्षेत्र में आकर के निवास करने लगेगी। जो यह दशार्ती है कि भारत में शहरीकरण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। देश में तेजी के साथ होते इस शहरीकरण का सबसे दुखद पहलू यह है कि हम लोग नित-नयी समस्याओं से जूझने के चलते औसत स्तर का जीवन जीने से भी वंचित होते जा रहे हैं। आज देश में शहरी क्षेत्रों में आलम यह है गया है कि शहरी आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा लगभग 17.4 फीसदी लोग तो सुविधाओं के भारी अभाव के साथ ही झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं। अधिकांश शहर अव्यवस्थित शहरीकरण के गंभीर रूप से शिकार होकर के समस्याओं के अंबार से बुरी तरह से घिर गये हैं। शहरों के मूलभूत सुविधाओं के ढांचे पर तेजी से बढ़ती शहरी आबादी का बोझ इतना अधिक बढ़ गया है, उस बोझ को उठाने में अब हमारे शहरों का सिस्टम जवाब देने लगा है।

कार्टून वर्ल्ड

साभार : कार्टून मूवमेंट

लेटर टू एडिटर

विसंगतियों की शिक्षा

आर्थिक मंदी के चलते मध्य वर्गीय परिवार के लिए मोबाइल-कंप्यूटर खरीद पाना बस की बात नहीं है। शिक्षा नीति योजना के संभावित परिणामों पर विचार किये बिना ही लागू कर दी गयी। घर बैठे ऑनलाइन शिक्षा ने लाभ की अपेक्षा अधिकतर विद्यार्थियों को शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक रूप से कमजोर अवश्य कर दिया है। यह बड़ी चिंता का विषय है।

- अनिल कौशिक, रांची

शासन की जवाबदेही

पुलिस और आबकारी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और मिलीभगत के बिना अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री सम्भव नहीं। अनेक मामलों में उच्च स्तर पर सरकारी संरक्षण उजागर हुआ है। बिहार में नशाबंदी लागू कर नीतीश सरकार ने कमाल किया है। आबकारी कर से धन अर्जित करने वाली सरकार का दायित्व है कि उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण शराब उपलब्ध कराये।

- सुखबीर, जमशेदपुर

टीकाकरण और अवेयरनेस से जीवनरेखा में उल्लेखनीय सुधार

डॉ राजेंद्र प्रसाद शर्मा

स्वास्थ्य

दुनिया के देशों में जीवन रेखा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के समग्र प्रयासों का परिणाम है कि अपने समय की जानलेवा बीमारियां टीबी, मलेरिया, टाइफाइड, पोलियो, पीलिया, डायरिया आदि पर काफी हद तक कंट्रोल कर लिया गया है। दुनिया के देशों में बाल मृत्यु दर लगभग आधी रह गई है तो प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु दर भी करीब एक तिहाई रह गई है। संस्थागत प्रसव ने हालात में तेजी से सुधार किया है। दुनिया के अधिकांश देशों में संक्रामक रोगों का असर भी कम हुआ है तो डेंगू, स्वाइन फ्लू व इसी तरह की कुछ जानलेवा बीमारियां सामने आने लगी हैं।

पिछले कुछ दशकों से हमारे देश ही नहीं दुनिया के लगभग अधिकांश देशों में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके लिए वैक्सिनेशन अभियान और सरकारों द्वारा अनवरत रूप से चलाए जाने वाले अवेयरनेस और नियंत्रण अभियानों से हालात में तेजी से सुधार हुआ है। लोगों की जीवन प्रत्याषा में बढ़ोतरी हुई है। कोरोना के अपवाद को अलग कर दिया जाए तो जहां 2000 में औसत आयु 67 साल होती थी वह 2019 तक बढ़ कर 73 साल हो गई है। यानी 19 सालों में छह साल अधिक जीने लगे हैं आम नागरिक। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धी है सरकारों और स्वास्थ्य सेवाओं की।

यदि हमारे देश की ही बात करें तो जच्चा-बच्चा सुरक्षा अभियान के तहत महिला के प्रेगनेंट होने के साथ से ही नियमित जांच, दवा और टीकों का अभियान चलने के साथ ही प्रसव के बाद बच्चों की सुरक्षा और भविष्य में बीमारी ना हो इसके लिए नवजात बच्चों को मासिक, त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक के साथ ही पांच-सात साल की उम्र होने तक जिस तरह से अलग-अलग बीमारियों से सुरक्षा के लिए टीके लगाये जा रहे हैं और सरकारी डिस्पेंसरियों में वार विशेष को टीका लगाने की व्यवस्था होने से लोगों में अवेयरनेस आई है और इसका सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगा है। टीकाकरण और समय-समय पर एनिमिया, दस्त निरोधक, कृमि नाशक दवाएं अभियान चलाकर उपलब्ध कराने से सेहत के क्षेत्र में लगातार सुधार आया है। यह वास्तव में चिकित्सा जगत की बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए और इसके लिए सरकारों व स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों को श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्हीं के प्रयासों से यह संभव हो पाया है।

तस्वीर का धुंधला पहलू यह भी सामने आना लगा है कि जो चीजें हमें प्रकृति से आसानी से मिल जाती है जिन तक सहज पहुंच है उन्हीं की डेफिसिएंसी ज्यादा होने लगी है। यह सब हमारे रहन-सहन, खान-पान और दौड़ती भागती जिंदगी का परिणाम है। आज लोगों में विटामिन डी या सी की कमी आम होती जा रही है। जबकि हम जानते हैं कि चंद मिनटों यानी पांच-सात मिनट प्रतिदिन धूप सेवन ये विटामिन डी की डेफिसिएंसी को दूर किया जा सकता है पर हालात यह हो गए कि हम केमिकल से तैयार दवा लेने को तैयार है पर पांच मिनट धूप सेवन के लिए हमारे पास समय की कमी है। हालांकि मेट्रो सिटीज में गगनचुंबी अट्टालिकाओं के कारण सूर्य भगवान से साक्षात्कार करना लगभग मुश्किल भरा हो जाता है। इसी तरह से काम धंधे की भागदौड़ में धूप सेवन जैसी प्रकृति से सीधे साक्षात्कार का अवसर लाभ नहीं ले पाते हैं। और तो और रंग काला हो जायेगा इसी के चलते धूप से परहेज किया जाने लगा है। इसी तरह से बच्चों का मिट्टी में खेलने तो अब सपना रह गया है। परंपरागत खेल जो शारीरिक व मानसिक व्याधियों से बचाने में सहायक होते थे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*

फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

पीवीयूएन ने दिव्यांग को दिया कृत्रिम अंग

बासल (रामगढ़)। पीवीयूएन लिमिटेड के सीएसआर/ आरएंडआर समूह अपने सामाजिक दायित्वों को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए जरूरतमंदों के सहयोग के लिए हमेशा आगे रहती है। इसी क्रम में सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में पीवीयूएन लिमिटेड के सीएसआर/आरएंडआर समूह ने स्वर्णरेखा महिला समिति के साथ बुधवार को मनोज महादानी को कृत्रिम अंग के रूप में जीवन बदलने वाला उपहार दिया। स्वर्णरेखा महिला समिति के सदस्यों के साथ पीवीयूएन के कर्मचारी मनोज महादानी के आवास पहुंचे व उन्हें प्रोत्साहित किया। श्री महादानी ने कृत्रिम पैर के उपयोग और रख-रखाव में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण लिया। जो नए अंग को अपने दैनिक जीवन में निर्बाध रूप से एकीत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का एक मुख्य उद्देश्य मनोज महादानी को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित कर स्वावलंबी बनाना भी है। महादानी ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस उदार कार्य ने मुझे उद्देश्य और आशा की एक नई भावना प्रदान की है।

सर्वोदय में मना आदिवासी दिवस

कुजू। सर्वोदय निकेतन सीनियर सेकंडरी विद्यालय में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने अलग-अलग कार्यक्रमों का मंचन किया। आदिवासी इतिहास और संस्कृति से संबंधित प्रतियोगिता हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ छात्रा संजना कुमारी ने किया। छात्र लोकेश महतो ने संथाली भाषा में भाषण दिया। छात्र छात्राओं ने आदिवासी संस्कृति का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया। छात्रों ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में ढोल मांदर की थाप पर आदिवासी नृत्य किया। प्राचार्य सूर्यनाथ यादव ने कहा कि किसी भी देश की संस्कृति के मूलनिवासी आदिवासी ही होते हैं। परंतु जीवन की आपाधापी में समाज के अन्य वर्गों के समान उनका विकास नहीं हो पाया। मौके पर सत्य प्रकाश वर्मा, मनीष कुमार प्रसाद, ब्रह्मदेव महतो, अनिल कुमार गुप्ता, रोहित कुमार, सोमा बनर्जी, सिंधु गुप्ता, दीपा कुमारी, रजनी कुमारी, ज्योति कुमारी, पूजा सिंह, संगीता साहू, सूरज कुमार, जगदीश महतो आदि शिक्षक शिक्षिकाओं सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

प्रदेश वैश्य मोर्चा की बैठक कल

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का 11 अगस्त को तुलसी भवन रामगढ़ में वैश्य क्रांति सम्मेलन सह केंद्रीय समिति की बैठक होगी। इसमें आगे की रणनीति एवं कार्यक्रमों की घोषणा भी की जायेगी। उक्त जानकारी देते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा वैश्यों को मान-सम्मान, अधिकार, नौकरियों तथा विकास योजनाओं में आरक्षण के साथ समुचित भागीदारी, व्यवसाय में संरक्षण और सहयोग के साथ-साथ राजनीति में हिस्सेदारी दिलाने की लड़ाई लड़ रही है। और आगे भी इस लड़ाई को जारी रखना है। इन्हीं मुद्दों को लेकर 11 अगस्त को रामगढ़ की पवित्र एवं क्रांतिकारी धरती पर आयोजित इस कार्यक्रम में वैश्य मोर्चा के सभी केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों, जिलाध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ संगठन के पदाधिकारियों को केवल शामिल ही नहीं होना है। इस बैठक में आगे की रणनीति एवं कार्यक्रमों की घोषणा भी की जायेगी।

उरेज में मना आदिवासी दिवस

उरीमारी (रामगढ़)। उरीमारी के उरेज में बुधवार को धूमधाम के साथ विश्व आदिवासी दिवस मना। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा, प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शाहिद नीलांबर पीतांबर के तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान आदिवासी समाज के दर्जनों लोगों ने शहीदों के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर झारखंड के धरोहर जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम मेंखरवार गुप्ता समाज विकास संघ के केंद्रीय कोषाध्यक्ष कालेश्वर गंझु, बड़कागांव प्रखंड के संगठन मंत्री महावीर जागेश्वर गंझु, खेतवा गंझु, छोटा मुंडा, गोवर्धन गंझु, नागेश्वर गंझु, कामेश्वर, रुदल गंझु, रविंद्र गंझु, रितु गंझु, अजय कुमार गंझु, दिलीप गंझु मुख्य रूप से मौजूद थे।

चरही में आदिवासी दिवस पर लगा पौधरोपण

चरही। बुधवार को चरही में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर करमाली समाज चरही की ओर से पेड़ लगाया गया।इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि के रूप में करमाली समाज के केंद्रीय महासचिव सह जिप सदस्य बासुदेव करमाली थे।कार्यक्रम कि अध्यक्षता अर्जुन करमाली ने किया।मौके पर जितन करमाली,मेघनाथ करमाली,बिरजू करमाली,गोपाल करमाली,विक्रम करमाली,उमेश करमाली,सीटन करमाली, दिनेश करमाली,प्रदीप करमाली,सुनिल करमाली,रमन करमाली,जंगल करमाली,राजकुमार करमाली, बिनोद करमाली,घनश्याम करमाली,जवाहीर करमाली,शुकर ठाकुर,इंदर करमाली,रवि करमाली, मिर्ची करमाली,राजेन्द्र करमाली, पंकज करमाली,सुरज करमाली, शशि करमाली,सचिन करमाली सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सात सूत्री मांग जल्द लागू होगा

चरही। सीसीएल तापिन साउथ परियोजना कार्यालय में प्रबंधन और विस्थापित-प्रभावित संघर्ष मोर्चा की संयुक्त बैठक हुई।यह बैठक विस्थापित-प्रभावित संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिवलाल महतो के नेतृत्व में किया गया। परियोजना पदाधिकारी और विस्थापित-प्रभावित संघर्ष मोर्चा ने लोकल सेल संबंधित वार्ता किया।इसके अलावे सात सूत्री मांगों पर भी चर्चा की गई।प्रबंधन और सीसीएल पदाधिकारियों के बीच सहमति बनी। कहा गया कि सात सूत्री मांगों को लागू किया जाएगा।इसके लिए अगली बैठक रखी जाएगी। बैठक में बहेरा पंचायत के मुखिया देवकी महतो, विधायक प्रतिनिधि चौलेश्वर महतो,आरिफ अंसारी,पंसस शक्ति देवी,रोशनी देवी,नईम अंसारी,संतोष राय,मुमताज अंसारी,महादेव रविदास, आवेश असरफ ,लतीफ अंसारी, ओम प्रकाश गिरी,गुलजार अंसारी,प्रमोद सिंह, सुरेन्द्र सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

सरप्लस के नाम पर शिक्षकों से बेइमानी!

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने खोली विभाग की पोल, कहा- मनमानी पर आतुर हैं डीएसइ

खबर मंत्र संवाददाता

हजारीबाग। जिले के शिक्षा विभाग की गजब कहानी में एक और नया आयाम उस समय जुड़ गया जब टीचर ट्रांसफर पोर्टल में सरप्लस शिक्षकों की सूची जारी की गई। इसके साथ ही शिक्षकों ने इसके विरुद्ध आवाज उठाना शुरू कर दिया।

इसी कड़ी में झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने बुधवार को श्री कृष्ण आरक्षी उच्च विद्यालय में प्रेस वार्त्ता में सरप्लस शिक्षकों के चयन पर सवाल उठाया है। संघ ने कहा कि डीएसई और उनका कार्यालय मनमानी पर आतुर है। संघ ने डीएसई व उनके कार्यालय की पोल खोलते हुए बताया कि जिस तरह से विद्यालयों से सरप्लस शिक्षकों का चयन किया गया है उसमें काफी विसंगतियां हैं।

बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश को दरकिनार करते हुए जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में से विद्यालयवार चिन्हित सरप्लस शिक्षकों की जो सूची व रिक्तियां राज्य को भेजी गई, उस डाटा की ना तो जांच-परख की गई और ना ही सरप्लस चिन्हित शिक्षकों से आपत्ति की मांग की गई। संघ ने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों में से विद्यालयवार जारी सरप्लस शिक्षकों की सूची के पूर्व जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय से भी विद्यालयवार सरप्लस शिक्षकों को चिन्हित करते हुए सूची जारी की गई थी।दोनों सूचियों में जमीन-आसमान का अंतर है। कार्यालय द्वारा जारी सूची में राजकीय मध्य विद्यालय करियातपुर इचाक में एक भी शिक्षक सरप्लस चिन्हित नहीं थे। जबकि पीएफईएल टीम रांची द्वारा इसी विद्यालय के लिए कुल छह सरकारी शिक्षकों में से पांच शिक्षकों को सरप्लस चिन्हित कर दिया गया। प्रतिनियोजन के दौरान जो शिक्षक प्लस टू को पढ़ाने में सक्षम थे अब उन्हें वर्ग एक से पांच तक का शिक्षक कह कर अपमानित करते हुए सरप्लस शिक्षक के रूप में चयनित किया गया। उदाहरण देते हुए संघ ने कहा कि वैसे शिक्षकों को भी सरप्लस चिन्हित किया गया जिनकी नियुक्ति विषयवार हुई है। कहा कि कई विद्यालयों में मात्र एक

प्रेस कान्फ्रेंस करते शिक्षक संघ के सदस्य।

▸▸ जो शिक्षक असाध्य रोग से पीड़ित हैं, उन्हें भी बताया गया है सरप्लस : संघ

सरकारी शिक्षक कार्यरत हैं, ऐसे शिक्षकों को भी सरप्लस शिक्षक के रूप में चिन्हित कर दिया गया है। यदि इन शिक्षकों का स्थानांतरण होता है तो ऐसी स्थिति में 90 से अधिक विद्यालय सरकारी शिक्षकविहीन हो जाएंगे। वहीं सूची में बहुत सारे ऐसे शिक्षकों के नाम चिन्हित है जिनकी सेवा दो वर्षों से कम बची है। जो शिक्षक असाध्य रोग से पीड़ित हैं, उन्हें भी सरप्लस बताया गया है। दिव्यांग शिक्षकों को सरप्लस बताया गया है। सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी सरप्लस में शामिल किया गया है। विद्यालय में कुल कार्यरत शिक्षकों की गणना में सहायक अध्यापकों को भी शामिल किया गया है, जबकि सरप्लस चिन्हित करने में उन्हें छोड़ दिया गया। मौके पर संघ के संरक्षक सुनील सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज कुमार, जिलाध्यक्ष अतिकुज्मा, कोषाध्यक्ष राजेश्वर राम, संयुक्त सचिव विष्णु कुमार, कार्यालय सचिव सुनील कुमार, उपाध्यक्ष नवीन कुमार, प्रवक्ता नरेश कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

प्रकृति और आदिवासी एक दूसरे के पूरक : उपायुक्त

मानव सभ्यता के विकास में आदिवासी समाज के योगदान का अहम : डीसी

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। विश्व आदिवासी दिवस पर बुधवार को छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपायुक्त चंदन कुमार,वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो सहित अन्य अतिथियों का पौधा व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया ।

डीसी ने कहा कि आदिवासी समाज हमारे समाज की जड़ की तरह है। मानव सभ्यता के विकास में आदिवासी समाज के योगदान का अहम है। आदिवासी और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। आदिवासी समाज का रीति रिवाज, पर्व त्योहार सहित धार्मिक मान्यताएं भी प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी हैं। वर्तमान समय में आदिवासी युवाओं पर आदिवासी समाज का विकास सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। डीडीसी रोबिन टोप्पो ने आदिवासी संस्कृति, जीवन पद्धति तथा देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों यथा भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो कान्हो, चांद भैरव आदि को स्मरण कर उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की। छात्र-छात्राओं और कलाकारों ने स्वागत गान, नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

देश का नाम रोशन कर रहे आदिवासी : विजयंत

भदानीनगर (रामगढ़)। ए ला एंग्लाइज सीनियर सेकंडरी विद्यालय बिरसा चौक स्थित भुरकुंडा में अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस पर बुधवार को सांस्तिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य विजयंत कुमार ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। प्राचार्य ने कहा कि दुनिया के हर एक कोने में आज आदिवासीयत के प्रति लोगों में जागरूकता आई है। उन्होंने कहा कि आदिवासी विभिन्न देशों के सांस्तिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास में योगदान देते हुए राष्ट्र का नाम रोशन कर रहे हैं। मौके पर धर्मेश सोनी, जय किशोर महतो, विश्वक सेन, वैभव कुमार, सूरज देव सिंह, गौरव कुमार साहू, कंचन दास समेत कई लोग मौजूद थे।

जयंत सिन्हा ने संसद में उठाया झारखंड में जलापूर्ति का मामला

हजारीबाग। सांसद जयंत सिन्हा ने लोकसभा में नियम 377 के तहत झारखंड में जलापूर्ति की समस्या के गंभीर मामले पर सदन का ध्यान आकृष्ट करवाया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस सरकार जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के तहत ग्रामीण आबादी को नल का पानी उपलब्ध करवाने में खराब प्रदर्शन कर रही है। जल राज्य का विषय है और इसलिए घरों में नल का पानी उपलब्ध करवाने के लिए जल सम्बन्धी योजनाओं को लागू करवाने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की है। जुलाई, 2023 तक झारखंड में केवल 39.02 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने नल कनेक्शन की सूचना दी है। इसे परिप्रेक्ष्य में रखें तो झारखण्ड में 37 लाख से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल के स्वच्छ पानी का कनेक्शन नहीं है। इसकी तुलना में गुजरात और हरियाणा जैसे राज्यों में जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत नल कनेक्शन हैं। सांसद ने कहा कि ऐसे समय में जब हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और विश्व गुरु बनने के लिए तैयार है, वहां झारखण्ड राज्य अपनी ग्रामीण आबादी को घरों में नल का पानी उपलब्ध करवाने में भी असमर्थ है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वे 'जल जीवन मिशन' हर घर जल योजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार को सख्त निर्देश दे।

अदाणी फॉउंडेशन की मदद से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

बड़कागांव में सेल्फ हेल्प ग्रुप का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव। गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अदाणी फॉउंडेशन की ओर से बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय स्थित जीडीएम चौक के निकट बुधवार को गंगा एसएचजी (सेल्फ हेल्प ग्रुप) का उद्घाटन किया। यह ग्रुप खनन प्रभावित क्षेत्र गोंदलपुरा और रूदी गांव के ग्यारह महिलाओं का एक समूह है, जिसने अदाणी फॉउंडेशन के सहयोग से स्वरोजगार शुरू किया है। अदाणी फाउंडेशन ने लगभग दस लाख रुपए की लागत से गंगा एसएचजी नामक इस मिल की स्थापना की गयी है, जहां शुद्ध सरसों, तिल, नारियल और सूरजमुखी तेल उपलब्ध है। इसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के शुद्ध तेल मुहैया कराने का भी है। यहां के सरसों तेल की कीमत फिलहाल एक सौ पचास रुपए और नारियल तेल की कीमत 350 रुपए प्रति लीटर तय की गयी है। पहले दिन ही गंगा एसएचजी ने एक सौ लीटर से अधिक शुद्ध सरसों और नारियल तेल की बिक्री की है। अदाणी फॉउंडेशन के अधिकारियों ने बताया कि खनन परियोजना प्रभावित क्षेत्र की महिलाएं और पुरुष को स्वरोजगार के लिए अदाणी फॉउंडेशन सहायता करेगा। मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर अनिल कुमार,थाना प्रभारी विनोद तिर्की, गोन्दलपुरा खनन परियोजना प्रमुख धर्मेंद्र दूबे, सेवानिवृत डीएसपी सूर्य कुमार सिंह, सीएसआर प्रबंधक मोहित गुप्ता और शरद मिश्रा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं मौजूद थीं।

गरीबों के हक के लिए संघर्ष करता रहेगा झामुमो : बेदिया

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी की ओर से संजीव बेदिया को पुनः झामुमो का केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। झामुमो के प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, संजय वर्मा, मुकेश राउत व हरिलाल बेदिया ने बताया कि पदाधिकारी नियुक्ति की घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन ने किया है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को झामुमो के प्रधान कार्यालय भुरकुंडा में स्वागत सह सम्मान समारोह कार्यक्रम हुआ, जिसमें पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया को बुके देकर स्वागत किया गया। बेदिया ने कहा कि पार्टी ने हमें सबकुछ दिया है, जिसका कर्ज मैं नहीं चुका सकता। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन एवं हेमंत सोरेन ने मुझे पार्टी का केंद्रीय सचिव एवं झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य और हजारीबाग जिला का संयोजक बनाया है जो पूरे झामुमो परिवार का सम्मान है। श्री बेदिया ने कहा कि झामुमो हमेशा गरीब, वंचित, असहायों के हक-अधिकार के लिए संघर्ष करती रही है जो आगे भी जारी रहेगा। बेदिया ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार सभी क्षेत्रों में कई विकास के कार्य की है जो इतिहास है। हमलोगों को आने वाले चुनाव में भाजपा एवं आजसू गठबंधन को धूल चटाते हुए केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकना है।

संजीव बेदिया के झामुमो के पुनः केंद्रीय सचिव बनने पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जिसकी तैयारी में कार्यकर्ता अभी से ही जुट जाएं। सम्मान समारोह में पार्षद जयराम बेदिया, प्रखंड प्रमुख कौशल्या देवी, प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, संजय वर्मा, हरिलाल बेदिया, रोहन बेदिया, बीरेन्द्र यादव, मुकेश राउत, उदय मालाकार, चरेंद्र बेदिया, शौकत अंसारी, मो.इसलाम, सीताराम बेदिया, गुदरिया बेदिया, टिंकु बेदिया, किशोर प्रजापति, सत्यनारायण यादव, चरकू गंझु, शशिकांत प्रसाद, कामेश्वर करमाली, बिहारी बड़ाईक, मुकेश पासवान, तुला खान, बासदेव उरांव सहित झामुमो के दर्जनो लोग मौजूद थे।

एक नजर में

निर्मल महतो के बताए रास्ते पर चलें : आजसू

बिष्णुगढ़। ब्लॉक रोड स्थित शिव प्रसाद के आवास में मंगलवार को शहीद निर्मल महतो का 36 वां शहादत दिवस मनाया गया। आजसू के प्रखंड अध्यक्ष अजय मंडल व संचालन हरीश पटेल के नेतृत्व मे सभी लोगों ने मिलकर शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष ने कहा कि निर्मल महतो हमेशा अलग झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी। झारखंड के लिए उन्होंने अपना बलिदान दिया। इसलिए सभी लोगों को उनके बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है। हरीश पटेल ने कहा की सूदखोरों के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले निर्मल दा ने झारखंड अलग राज्य के लिए चलाये गये आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। शिबू सोरेन इनके आक्रामक छवि से काफी प्रभावित थे। मौके पर आजसू पार्टी के जिला सचिव महादेव देहाती, रंजीत गुप्ता,दीपू अकेला, दामोदर महतो,हेमंत आर्या,बाबू खान,राजेश साव, सुधीर कुमार, कपिल राम, रवि कुमार देवेंद्र कुमार सतीश कुमार, शिव प्रसाद महतो राज कुमार सिंह के अलावे काफी संख्या में कई लोग मौजूद रहे।

आईफ्लू से सावधानी बरतें : डॉ मेहता

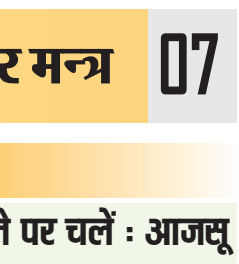

हजारीबाग। बरसात में हवा में नमी होने के कारण कंजेक्टिवाइटिस आई फ्लू की समस्या इपिडेमिक रूप से मौसमी आईफ्लू फैल रहा है आमतौर आई फ्लू या आंख आना एक वायरश/बैक्टीरिया जनीत संक्रमक रोग है जो ज्यादातर एक संक्रमित रोगी के संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को होता है। कंजेक्टिवाइटिस से बचाव हेतु संक्रमित व्यक्ति के संपर्क वाले सामानों से दूरी बनाएं। स्वच्छता पर ध्यान रखें आंखों को साफ सुथरा रखें, अपनी आंखों को अपने हाथ से बिना हाथ धोवे न छुए। जब भी जरूरी हो हाथ धोकर आंख छुएं। यह बातें मेहता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ आरसी प्रसाद ने मेहता हॉस्पिटल के कार्यालय में कही। उन्होंने आम जनता को सुझाव देते हुए कहा की आईफ्लू का इंफेक्शन होने से बचाव बेहतर है। सुझावों का पालन करते हुए बचाव हेतु आइटोन नाम की दवा सभी प्रतिष्ठित दवाखाना में मिलती है दोनों आंख में एक-एक बूंद से बचाव हेतु लगाएं।

जीएम इंटर कॉलेज में आदिवासी दिवस पर सेमिनार

इचाक। जीएम इंटर महाविद्यालय ईचाक मे विश्व आदिवासी दिवस पर हुआ सेमिनार। सेमिनार में आदिवासी समाज के इतिहास, जनसंख्या ,आर्थिक एवम सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला गया। यह समाज इतिहास पर और संस्कृति की एकांगी धारा के विपरीत, उपेक्षित और विस्मृत धारा का स्मरण करता है, जिसमे मनुष्य और सभ्यता के उच्च गुण मौजूद है।यह बताता है कि मनुष्यता का सूचक भिन्न भाषा ,संस्कृति,जीवन शैली,ज्ञान परंपरा और विश्व दृष्टि को स्वीकार करना है। यह आदिवासी समुदायों के लिए गर्व करने का दिन है। छात्र प्रीति कुमारी ने कहा कि यह एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है जो दुनिया भर में आदिवासी लोगो और उनके योगदान का जश्न मनाते है। अंत में सभी ने एक स्वर में सभी ने स्वीकार किया की आदिवासी लोगो की परंपरा , संस्कृति, ज्ञान,भाषा , दर्शन और आध्यात्मिक प्रथाओं को संरक्षित करना आवाश्यक है। इनका भारतीय समाज की परंपरा में अमूल्य योगदान है। कार्यक्रम में शिक्षक रतनेश राणा, अजीत हंसदा, रेयाज अहमद, दीपक प्रसाद, आशीष पांडे,संगम कुमारी, प्रणत कुमार, संजीत यादव, राजकुमार ,विनोद मेहता, कृष्ण कुमार, राजकुमार सिन्हा, प्रिया कुमारी और संजय प्रजापति उपस्थित थे।

रोजगार मेले में छात्रों को निःशुल्क रजिस्ट्रेशन

बरही। प्रखंड के 20 पंचायत में बेरोजगार युवक युवतियों के लिए रोजगार मेला 10 अगस्त को धनवार पंचायत भवन में लगेगा। धनवार पंचायत के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम में धनवार, दूलमहा, करियातपुर, बरसोत और रानीचुवा पंचायत शामिल है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों का नामांकन निशुल्क किया जायेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन के तहत विनायक फंडामेंटल रिसर्च एजुकेशन सोसायटी, आईटीआई कॉलेज बोंगा इचाक हजारीबाग के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में 18 से लेकर 35 वर्ष के युवक-युवतियों के लिए भविष्य निर्माण करने का सुनहरा मौका है।

खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ायें : अरुण साहू

बरही। तिलेश्वर साहू सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अरूण साहू ने चौपारण प्रखंड के चोरदाहा पंचायत अध्यक्ष शशि सिंह व बरही प्रखंड उपाध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा के नेतृत्व में बरही प्रखंड के गौरियाकरमा पंचायत के खिलाड़ियों को नई जर्सी दिया। श्री साहू ने कहा कि अच्छे प्रदर्शन के माध्यम से खिलाड़ियों को अपने खेल कौशल को बढ़ाने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही, खेल के प्रचार-प्रसार को भी बढ़ावा मिलेगा और फुटबॉल के प्रशंसकों को खेल से और अधिक जुड़ने का अवसर मिलेगा। मौके पर चोरदाहा पंचायत मीडिया प्रभारी चिरंजीवी गुप्ता, बरही के सक्रिय युवा कार्यकर्ता धीरज वर्मा, अक्षय कुमार, सतीश कुमार, पप्पू कुमार, पवन कुमार, किशोर वर्मा, राज कुमार, नीतीश कुमार, नीतीश वर्मा, सागर कुमार, संतोष कुमार, मोहन वर्मा, अशोक कुमार, सुधीर कुमार, पंकज कुमार, वीरेंद्र ठाकुर, बादल वर्मा, राकेश कुमार, पवन शर्मा, बीरबल कुमार, अनिल शर्मा, नीतीश कुमार सहित अन्य कई खिलाड़ी मौजूद थे।

आदिवासी समाज का इतिहास प्रेरणा का स्रोत : शैलेश

बरही। आईलेक्स पब्लिक स्कूल में आदिवासी दिवस पर विशेष कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को आदिवासी वेश भूषा धारण करवा कर आदिवासी परंपरा से सभी को अवगत कराया। इस दौरान बच्चों को बताया कि भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम हिस्सों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं, जिनका रहन-सहन, खानपान, रीति-रिवाज वगैरह आम लोगों से अलग है। समाज की मुख्यधारा से कटे होने के कारण ये पिछड़ गए हैं। इस कारण भारत समेत तमाम देशों में इनके उत्थान के लिए, इन्हें बढ़ावा देने और इनके अधिकारों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसी कड़ी में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार 1994 को अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी वर्ष घोषित किया था। इसके बाद से हर साल ये दिन 9 अगस्त को मनाया जाता है। दुनिया के तमाम देशों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं।इनकी भाषाएं, संस्कृति, त्योहार, रीति-रिवाज और पहनावा सबकुछ अलग है। विद्यालय निदेशक शैलेश कुमार ने बच्चों को भारत में विभिन्न जगहों पर पाये जानेवाले आदिवासी समुदाय की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय में बच्चों के बीच आदिवासी समुदाय के पहनावे को लेकर एक एक्टिविटी कराई गई जिसमें कई बच्चों ने हिस्सा लिया। कक्षा 8 आर्यन, अमलेश और जिज्ञासु की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। साथ ही बच्चों के प्रयास की भी सराहनीय रहा।

स्पीड न्यूज

भूखंड पर माफिया की नजर ग्रामीणों ने डीसी को दी अर्जी

रातू। विश्व आदिवासी दिवस पर कांके अंचल के मौजा चेंडी की खाता संख्या 166 में करीब 9 एकड़ पहनई जमीन की रक्षा का संकल्प लिया गया। उक्त भूखंड पर माफिया की नजर है। वह पाहन को बहला फुसला कर इसे बेचने की फिराक में हैं। 2010 से लगातार जिले के डीसी व सीओ समेत संबंधित पदाधिकारियों को ग्रामीणों की ओर से अर्जी देकर इसकी खरीद-बिक्री पर पाबंदी लगाने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद जमीन दलालों की सक्रियता से लोगों का गुस्सा उबाल पर है। यहां खूनी संघर्ष की आशंका है। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान फागु उरांव, बिरसा खलखो, बिरसा उरांव, बीरबल उरांव, विरेन्द्र उरांव, चरका उरांव, राजू उरांव, अनिल, महतो, सुरेश महतो, विवेक महतो, विरसा मुंडा, दशरथ मुंडा, ठानो मुंडा व भोलानाथ महतो आदि मौजूद थे।

पत्नी व बेटी को पिटाई से बचाया तो छोटे भाई की पत्नी को भी पीटा

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के ईचादाग पंडरा टोली निवासी जयगोविंद मुंडा अपनी पत्नी व बेटी का पिटाई कर रहा था। बचाने वाली छोटे भाई की पत्नी की भी पिटाई कर दिया। जिससे बालकराम मुंडा की पत्नी मुनिया देवी घायल हो गई। जिसका उपचार सीएचसी ओरमांझी में कराया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि बालक राम मुंडा को खेत धान की रोपई करना था। पत्नी मुनिया देवी ने रोपाई में मदद करने के लिए अपने भैसुर की विवाहित बेटी सुनिता देवी को सुसुरला से बुलावाई। आठ अगस्त की रात को सुनिता देवी के पिता ने मां बारती देवी व बेटी की पिटाई करने लगा।

ट्रक पलटने से चालक और खलासी घायल

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के एनएच-20 रामगढ़ रांची पथ ओरमांझी में एक 709 ट्रक जेएच01एई-0776 पलट गई। जिससे थाना क्षेत्र के गुरगाई बुढीबागी निवासी चलक उमेष बेदिया 25 वर्ष व खलासी षिषुपाल 20 वर्ष घायल हो गया। मंगलवार रात एक बजे के करीब हुई दुर्घटना के संबंध में बताया गया कि ओरमांझी क्रेशर से चिप्स लेकर रांची की ओर जा रहे ट्रक ओरमांझी थाना पर कर जैस आगे बढा आवरब्रिज निर्माण के लिए सड़क किनारे बने उंची सड़क पर चढ़ते ही पलट गया। दो घायलों को उपचार के लिए रिम्स ले जाया गया। जहां चलक की स्थिति गंभीर बताई गई है। ओरमांझी थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त करी लिया गया है।

मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

राहे। प्रखंड के बालिका स्कूल डोमनडीह के परिसर में मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रखंड के के इंटर ओर मैट्रिक परीक्षा में उतीर्ण टॉपर ओर सभी श्रेणी उतीर्ण छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक सुदेश महतो ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नयी क्रांति का शुरूआत हो चुका है, क्षेत्र के युवा व बच्चे इसके सुत्रधार व सहभागी बने। उन्होंने कहा कि आपके संकल्प शक्ति से ही सफलता मिलेगी, अपने कमियों को पीछे छोड़कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बन। विधानसभा शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श स्थापित करेगा।

पिकअप वैन ने बाइक को रौंदा, एक की मौत

तमाड़। थाना क्षेत्र तमाड़-खूंटी पथ तमाड़ के समीप बुधवार की शाम 6 बजे पिकअप वाहन (जेएच05एटी 1887) और मोटरसाइकिल (जेएच01ईएक्स 0996) के बिच आमने-सामने भिड़ंत हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी की पिकअप वाहन के आगे मोटरसाइकिल फंस गयी। मोटरसाइकिल चालक रोशन मुंडा (23 वर्ष) की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। पीछे सवार सुकेश पातर (29) वर्ष गंभीर रूप सें घायल हो गए। मृतक और घायल दोनो तमाड़ नीचेटोली निवासी बताए जा रहे। घायल को प्रशासन द्वारा तत्काल तमाड़ पीएचसी भेजा। घायल को सिर और पैर में गंभीर चोटें आयी है। तमाड़ पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद घायल की नाजुक हालत को देखते हुए तत्काल रिम्स रेफर किया गया। शव को पुलिस ने कब्जे में लिया।

विश्व आदिवासी दिवस पर जुलूस, मणिपुर में आदिवासियों पर जुल्म के खिलाफ नारेबाजी

उत्साहित दिखे युवा, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड में विश्व आदिवासी दिवस की धूम रही। चारों ओर चहल-पहल रहा। समाज ने अपने पूर्वज और महान विभूतियों को याद किया। जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रमुख संगीता तिर्की व पूर्व जिप सदस्य और सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष अमर उरांव की अगुआई में सामाजिक और छात्र संगठनों ने पारंपरिक वेश-भूषा और प्रतीक चिन्ह सरना झंडा के साथ तिलत बगीचा से मोटर साइकिल जुलूस निकला। युवक-युवती बेहद उत्साहित दिखे। स्व कार्तिक उरांव, भगवान बिरसा मुंडा, स्व बीरेंद्र भगत व शहीद सुभाष मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। समुदाय के युवाओं ने मध्य प्रदेश पेशाब कांड और मणिपुर हिंसा पर तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ नुक्कड़ का मंचन कर जमकर नारेबाजी भी की गयी।

इन्होंने निभाई भूमिका : डॉ लक्ष्मण उरांव, पंचू उरांव, सुखदेव उरांव, रंजीत पाहन, फुलकुमारी देवी, सुमित उरांव, लीलावती देवी, चारे भगत, संगम उरांव, कुशल उरांव, शशि उरांव, सोमनाथ उरांव, शिवनाथ उरांव, मनीष मुंडा, कमल तिर्की, सुकरा उरांव, पुनई उरांव, हुसे उरांव, चंदर उरांव, महावीर विश्वकर्मा, रंजीत खलखो, लक्ष्मी भगत, सोनी उरांव, मकसुदन उरांव, शैलेंद्र मुंडा, मुकेश भगत, पंचम उरांव, बिक्रम उरांव, गोयंदा उरांव, अनिल तिर्की, बेलाल अंसारी, बिमल उरांव, विश्वनाथ उरांव, तुलसी उरांव, सीमा देवी, बुधराम उरांव, संजय उरांव, जयगोविंद मुंडा, आदित्य तिर्की, सुरेंद्र कच्छप, मनुवर अंसारी व पंचायत प्रतिनिधि आदि।

बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते और नुक्कड़ का मंचन करते युवा।

विश्व आदिवासी दिवस को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित

अनगड़ा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी संगठनों एव विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं एंव कार्यकताओं के द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। आजसू पार्टी के पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरॉव के नेतृत्व में मैराथन दौड एव फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। तथा मैराथन एवं फूटबॉल मैच मे सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप एनरॉयड मोबाईल साईकिल तथा शील्ड और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इधर प्रमुख दीपा उरॉव के नेतृत्व में मोटर साईकिल जूलुस निकाल कर आदिवासी दिवस मनाया गया। जोन्हा क्षेत्र में मूनगा डीह से टाटी स्कूल मैदान तक मैराथन दौड़ आयोजित किया गया। हेसातु पंचायत में सरना समिति की ओर से रौशन पहान के नेतृत्व मे आदिवासी दिवस मनाया गया प्रखंड के विभिन्न कार्यक्रमों में मुख्य रूप से जलनाथ चौधरी राजेन्द्रशाही मुन्डा जितेन्द्र सिंह प्रकाश लड़का अतीश महतो जगरनाथ महतो रब्बानी राज मुखिया सुमित्रा देवी भूनेश्वा बेदिया पंस दिलीप बेदिया सत्यनारायण मुन्डा इत्यादि शामिल थे।

सोनाहातू में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

सोनाहातू। आदिवासी विकास संघर्ष समिति के तत्वावधान में दुलमी गांव में विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक पाहनो द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि देकर किया गया। साथ ही क्षेत्र के ग्राम प्रधान, प्रमुख, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, पारंपरिक पाहन, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, आदि को साल, सगवान, महगुनी आदि पौंधा देकर सम्मानित किया गया। सभा को मुंडा कृष्ण कुमार सिंह, गोपाल सिंह मानकी, मंगल सिंह मुण्डा, भास्कर सिंह मुण्डा, फनिभूषण सिंह मुण्डा, मेघनाथ सिंह मुण्डा, बिक्टोरिया देवी, भोलेश्वर सिंह मुण्डा आदि ने संबोधित किया। संबोधन में सभी को विश्व आदिवासी दिवस के संदर्भ में जागरूकता फैलाने जरूरत है केन्द्र सरकार और राज्य सरकार से अपील है कि आदिवासीयों पर हो रहे शोषण, अत्याचार, जमीन लुट, अधिकारों का हनन आदि पर लगाम लगाये अन्यथा आदिवासी समाज उग्र आंदोलन पर मजबुर हो जायेगें। मौके पर युगल किशोर सिंह मुण्डा, ब्रजकिशोर सिंह मानकी, देवेन्द्र सिंह मुण्डा, धीरज सिंह मुण्डा, चिरंजीवी सिंह मुण्डा, बेनीमाधव सिंह मुण्डा, आदि उपस्थित हुए।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मना विश्व आदिवासी दिवस

रातू। विश्व आदिवासी दिवस पर कांके के मनातू स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में ट्राइबल स्टूडेंट्स कल्चरल एसोसिएशन की ओर से प्लांटेशन, सिमोब्लिक सांस्कृतिक मार्च एवं सांस्कृतिक समेत कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसकी शुरूवात भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण की गयी। इसके बाद विभूतियों को याद किया गया। ट्राइबलस नृत्य की प्रस्तुति पर विद्यार्थी झूम उठे। समारोह में बिनोवाभावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रवींद्र नाथ भगत बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने समाज की समस्या एवं निदान पर अपनी बात रखी।आदिवासियों केगौरवपूर्ण इतिहास की ओर ध्यान खींचा और शिक्षा पर खास जोर दिया। वीसी डॉ क्षितिभूषण दास ने आदिवासी युवाओं को समाज के लिये आगे आने की प्रेरणा दी।

विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते डॉ रबीन्द्र नाथ भगत व अन्य।

अध्यक्षता छात्र आदिम सुखदेव ने की, जबकि संचालन सुमित उरांव ने किया।

नृत्य गान नही आक्रोश व्यक्त करे आदिवासी समाज : रमेशचंद्र उरांव

ओरमांझी में विश्व आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड के विभिन्न आदिवासी समाज व संगठनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित विष्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में ढोल-मांदर के थाप पर झुमर नृत्य की गई। प्रमुख अनुपमा देवी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लोगों ने बाइक रैली निकाल कर पुंदाग स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आदिवासी सरना 22 पड़हा समिति द्वारा सदमा में भगवान बिरसा मुंडा माल्यार्पण कर स्कूली मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार दे सम्मानित किया गया। इसके अलावे आदिवासी सरना पड़ा समाज मुन्ना पतरा चकला ओरमांझी रांची झारखंड के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल लोग सरना झंडा लेकर फैदल मार्च निकाले। शास्त्री चौक से निकली रैली ओरमांझी काली मंदिर होते हुए अंचल मैदान पहुंची। इस दौरान मणिनुर में मारे गए आदिवासी समाज को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। प्रमुख ने विश्व आदिवासी दिवस पर लोगों को बधाई दी। जिप सदस्य कमिश्नर मुंडा ने बच्चों को स्मार्टफोन के दुष्प्रभाव से बचाने की अपील किया। वहीं पूर्व मुखिया रमेशचंद्र उरांव ने आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में समाज को सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित करने की अपील की। कार्यक्रम में शामिल समाज के वक्ताओं ने कहा सामाजिक कुरीतियों को दूर किए बिना आदिवासी समाज का उत्थान संभव नहीं है। नाच गान व उत्सव मनाने से बेहतर है आदिवासी समाज के खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ हम आक्रोश व्यक्त करें। कार्यक्रम में चंदरा मुखिया सीमा तिर्की, सदमा मुखिया सुनील उरांव, समिति के अध्यक्ष बाबुलाल महली, सहित आदिवासी समाज के साथ सुरेष प्रसाद साहू, षिवप्रसाद साहू, हरिमोहन महतो सहित काफी संख्या में समाज के लाग शामिल थें।

ओरमांझी की रैली में शामिल समाज लोग।

विश्व आदिवासी दिवस पर बेड़ो में निकली रैली

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली रैली।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस पर ग्रामीणों ने रैली निकाला। साथ ही आदिवासी समुदायों ने महादानी मैदान के समीप विवाह मंडप परिसर में एक सभा आयोजित कर आदिवासियों से एकजुट होकर अपने हक अधिकार की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। वहीं रैली महादानी मैदान से निकलकर प्रखंड मुख्यालय प्रांगण, महावीर चौक, थाना गेट, बाजारटांड़ व देवी मंडप होते हुए पुनः महादानी मैदान स्थित विवाह मंडप प्रांगण में पहुंचकर एक सभा में बदल गया।

सभा में वक्ताओं ने आदिवासी एकता, आदिवासी परंपरा व संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा शैक्षणिक स्तर पर सुधार करने करने की अपील किया। सभा में मणिपुर की घटना का जमकर विरोध करते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना किया गया।

एक नजर में

मणिपुर घटना की तीव्र निंदा की गई

पिपरवार। पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के मंडेर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम मे आदिवासियों को शिक्षा संस्कृति एवं आदिवासियों के उत्थान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान कल्याणपुर पंचायत सहित आस पास के गांव कारो और चौड़ा से जन जागरुकता रैली निकाली गई। रैली सभा स्थल मंडेर पहुंची। इस रैली के दौरान आदिवासी महिलाएं और युवक द्वारा परंपरागत नृत्य करते सभा स्थल तक गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अलका कुजूर और विशिष्ट अतिथि रोशन होरो द्वारा कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम को मुख्य रूप से चेतना भारती चतरा से राजा भारती डालो उरांव बालेश्वर उरांव, इलयास अंसारी, बीरेंद्र उरांव, सुशील उरांव, सिस्टर रीता बारला, जॉनी दीदी, अनिल कुमार महतो आदि ने सम्बोधित किया।सभी वक्ताओं ने आदिवासीयो पर हो रहे शोषण पर दुख प्रकट किया और मणिपुर की घटना की तीव्र निंदा करते हुए कई वक्ताओं ने अपनी अपनी बात रखी। मणिपुर दंगा पीड़ितों को लेकर सहयोग राशि एकत्रित कर पीड़ित परिवारों के बीच भेजे जाने का संकल्प लिया गया एवं आदिवासियो पर हो रहे शोषण आत्याचार जल जंगल जमीन के संरक्षण की बात कही गई।

आदिवासी दिवस पर मांदर बजाते लोग

जहरीले सांप ने डंसा, अस्पताल जाने से बची जान

पिपरवार। गरीबी और बरसात का दंश झेल रहे बहेरा पंचायत के दूरदराज गांव दोमोहन गांव निवासी प्रकाश उरांव को जहरीला सांप ने काटकर किया घायल। बड़ी मुश्किल से बचाई गई जान। जानकारी के अनुसार या घटना रविवार देर शाम की है प्रकाश उराव हर दिन की तरह दिहाड़ी मजदूर का कार्य करके अपने घर वापस लौटा। प्रकाश अपने घर के चौखट के पास लेटा हाथ फैलाने के दौरान उनके घर के चौखट के पीछे बहरा जोड़ा घात लगाकर उनके बाएं हाथ को डस लिया। सांप काटे जाने की घटना की सूचना पाकर आसपास के ग्रामीण झाड़-फूंक करवाने लगे। जिनके घर प्रकाश उरांव कार्य करता था उन्हें इस घटना की जानकारी मिली उन्होंने तुरंत ही भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा को सारे घटना की जानकारी दी उन्होंने तुरंत ही इस पर संज्ञान लेते हुए। झाड़-फूंक नहीं करवाने सलाह दी गई। विजन गांव निवासी महावीर राम एवं मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा के माध्यम से सर्पदंश से घायल प्रकाश उरांव को रांची के रिम्स अस्पताल ले जाया गया। मंडल अध्यक्ष ने घटना की जानकारी सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास को दी उन्होंने अपने रिम्स प्रतिनिधि को हॉस्पिटल भिजवा कर सबो की सहायता से प्रकाश उरांव का इलाज कराया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि वह खतरे से बाहर है। पूरे शरीर में फैले हुए जहर को निकाल जा रहा है। पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी जाएगी। मंडल अध्यक्ष को इस सराहनीय कार्य के लिए पूरे पिपरवार क्षेत्र में उनकी सराहना की जा रही है?। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा,महावीर राम, उदय शर्मा, सावन कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

विधायक ने किया पंचायत जनप्रतिनिधियों को सम्मानित

राहे। प्रखंड के कानकट्टा मैदान में बिरसा आदिवासी जनजाति मंच एवं पिरामल फाउंडेशन के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पिरामल फाउंडेशन के क्षेत्रीय पदाधिकारी देवाशीष सिन्हा विशाल कुमार, संगीता कुमारी एवं कृष्णा कुमार के द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।पंचायत के युवक ओर बच्चों के बीच खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 100एवं 200मीटर बालक बालिका दौड़,जिलेबी दौड़,सूई धागा दौड़ तथा फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विजेता टीम एवं उपविजेता टीम को विधायक सुदेश महतो के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस दौरान पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। मौके पर प्रमुख लीलमनी देवी, मुखिया पांडु मुंडा,पंसस तुसुमनी देवी,छोटन मुंडा,सहित राहे प्रखंड के मुखिया,पूर्व मुखिया को सम्मानित किया गया।

आक्रोश दिवस के रूप में मना विश्व आदिवासी दिवस

कांके। आदिवासी एकता मंच कांके के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सोनू मुंडा की अध्यक्षता में दर्जनों युवाओं ने काला बिल्ला लगाकर आक्रोश जताया। इस अवसर पर पारम्परिक आदिवासी परिधान में कांके चौक से न्यू मार्केट तक पोस्टर लेकर आदिवासी समुदाय के समर्थन में और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और शोषण के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। इसके बाद मोटरसाइकिल जुलूस निकालकर सीआईपी चौक ब्लॉक चौक होते हुए बिरसा कृषि विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे और यहां पर स्थित भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इसके बाद मणिपुर में आदिवासी महिला को निर्वस्त्र करने की घटना मध्यप्रदेश में आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब करने सहित आदिवासियों के साथ हो रहे शोषण व अत्याचार जैसी घटनाओं से आक्रोशित लोगों ने केंद सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

टाना भगतों ने मनाया अगस्त क्रान्ति दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को टाना भगतों ने अगस्त क्रान्ति दिवस मनाया। क्रान्ति दिवस के अवसर पर गुमला, घाघरा, पालकोट, बेड़ो व इटकी से आये टाना भगतों ने परिसर स्थित पन्द्रह स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से अंकित शिलालेख व स्मारक स्थल पर पूजा अर्चना, पुष्प व जल अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया। वहीं गुमला के जिला अध्यक्ष घुमा टाना भगत ने चरखा छाप वाले तिरंगे झंडे का ध्वजारोहण कर सामूहिक प्रार्थना किया। उन्होंने अंग्रेजों से लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। वहीं गुमला जिला प्रतिनिधि सुरेंद्र टाना भगत ने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई में हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर अपनी प्राणों की आहुति दे दी थी। हम उनके वंशज के लोग प्रत्येक वर्ष अपने शहीद पूर्वजों की स्मृति में नौ अगस्त को उन्हें पुष्प व जल अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हैं। वहीं मौके पर बिरसा टाना भगत, सुदर्शन टाना भगत, बुधनाथ टाना भगत, तेम्बा टाना भगत,मंगरा टाना भगत, तेतरा टाना भगत, बंधना टाना भगत,सुका टाना भगत, सुखदेव टाना भगत,प्रभु टाना भगत, सुभाष टाना भगत, लालू टाना भगत, अनिल टाना भगत,शाहदेव टाना भगत, बसंती टाना भगत व अंगनी टाना भगत समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

क्रान्ति दिवस पर स्मारक स्थल पर चरखा छाप वाला तिरंगा झंडा फहराते टाना भगत।

केंद्र सरकार के मजदूर, किसान एवं आम जन विरोधी नीतियों के खिलाफ

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का राज्यपाल भवन के समक्ष महापड़ाव आज

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। केंद्र सरकार के मजदूर, किसान एवं आम जन विरोधि निति के खिलाफ सीटू से संबद्ध युनियन ने बुधवार को चुरी कोलियरी में बैठक की। बाद में जुलुस निकला एवं सभा की। सभा को सम्बोधित करते हुए एन सी ओ ई ए के केंद्रीय कमिटी सदस्य शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार कोयला खदानो को एन एम पी के माध्यम से निजी मालिकों को सौपने जा रही है जो हमारे सरकारी उद्योग के लिए अच्छा नहीं है।आज कोयला उद्योग सरकारी क्षेत्र मे है इसलिए हमलोग अपनी एकता और ट्रेड यूनियनों के दबाव से एक अच्छा वेतन समझौता करवाने मे सफल हो पाये है नहीं तो इस मजदूर विरोधि सरकार से कोई उम्मीद नही था।वही सभा को सम्बोधित करते हुए सीटू के झारखण्ड राज्य सचिव शैलेश कुमार ने कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार के मजदूर किसान एवं आम जनबिरोधी नीतियों के खिलाफ देश के केंद्रीय श्रमसंगठनों सहित 10 श्रमसंगठन एवं राज्य स्तर के स्वतंत्र फेडरेशनो ने पूरे देश व्यापी आंदोलन का बिगुल फुका है।इसी क्रम मे 10 अगस्त को सभी राज्यों के राज्यपाल भवन के समक्ष एक दिवसीय महापड़ाव का आयोजन किया जा रहा है तथा जनजागरण के माध्यम से आम जनता तक यह संदेश पहुंचाया जा रहा कि सरकार के नीति से आम आदमी कैसे प्रभावित हो रहे है।10 अगस्त को रांची मे होने वाले महापड़ाव मे भाग लेने के लिए सभी से अपील की गई। इस कार्यक्रम मे मुख्य रूप से शैलेश कुमार,शैलेन्द्र कुमार सिंह, रामप्रवेश राम, शिव प्रसाद पासवान, उदय कुमार सिंह, मोहन साव, महंगू महतो,दिलीप प्रसाद, महावीर करकट्टा, रामप्रसाद वेदिया ,बबुआ दास, इस्लाम मियां सहित चुरी कोलियरी के बहुत मजदूर शामिल थे।

जीत और हार खेल का हिस्सा, खेल भावना जरूरी : टोप्पो

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के मदई मैदान में बुधवार को क्रान्ति क्लब मदइ द्वारा अयोजित छः दिवसीय फुटबॉल टुनार्मेंट के फाईनल मैच किंग फिशर फुटबॉल क्लब गणेशपुर बनाम फुटबॉल क्लब चुटयो के बीच खेला गया। जिसके मुख्य अतिथि भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो, विशिष्ट अतिथि चान्हो पुर्वी के जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी उपस्थित हुए। फाइनल मैच किंग फिशर गणेशपुर ने एफ सी चुटयो को पेनाल्टी शूटआउट मे 4-2 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। श्री टोप्पो ने कहा यहां के लोग जो खेल भावना दिखाया है वह काबिले तारीफ है, उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा खेल को खेल भावना से खेलें जीत और हार खेल का हिस्सा है इसे बनाकर रखें झारखंड के खिलाडी. बहुत प्रतिभावान होते हैं यही खिलाड़ी एक दिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल कर हम लोगों को गौरवान्वित करेंगे झारखंड के खिलाड़ी फुटबॉल के अलावा हॉकी, क्रिकेट के क्षेत्र का नाम रौशन किए हैं। जिप सदस्य ने कहा खेल के साथ-साथ मै आपके क्षेत्र मे जिला परिषद के फंड से एक करोड़ तैंतालिस लाख रुपए के लागत से स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निर्माण कर रहे हैं, हर घर जल नल योजना के तहत हर घर मे पानी पहुंचाने का कार्य युध्द स्तर पर कर रहे हैं और मांडर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुभाष मुंडा को 30 सेकेंड का मौन रखकर श्रध्दांजलि दिए।

मौके पर बेयासी पंचायत के मुखिया भोला उरांव, उप मुखिया धनंजय महतो, पुर्व आर्मी सुकरा उरांव, पुनइ उरांव, पुर्व आर्मी कर्मा उरांव, पारा शिक्षक बिरसा उरांव, प्रदीप उरांव, गंदरू उरांव, मोरहा उरांव, नवाज खान, अशेश्वर शाही, टुनार्मेंट के अध्यक्ष विरेन्द्र उरांव, उपाध्यक्ष चन्दा उरांव, सचिव सरजु उरांव, आरतिक उरांव, शशि उरांव, विरेन्द्र उरांव, सुरेश उरांव सहित अन्य खेल प्रेमी मौजूद थे।

आदिवासी विचारधारा से ही दुनिया में शांति संभव

गोपाल मैदान में एकता प्रदर्शित करते जसाई मार्डी, इंद्रो हेम्ब्रम एवं अन्य आदिवासी नेता।

गोपाल मैदान में जुटा आदिवासी समुदाय।

सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत करती युवतियां।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। विश्व आदिवासी दिवस पर गोपाल मैदान से लेकर बिरसानगर गुड़िया मैदान तक में समारोह का आयोजन किया गया। मानगो से साकची बिरसा चौक तक

विश्व आदिवासी दिवस पर गोपाल मैदान से गुड़िया मैदान तक में हुआ समारोह

शाम में आदिवासी समुदाय ने रैली निकाली। गोपाल मैदान में आदिवासी आक्रोश रैली निकाल कर आदिवासी महासभा एवं बिरसा सेवा दल ने आदिवासी हितों को संरक्षण नहीं मिलने की स्थिति में आंदोलन करने की चेतावनी दी। विश्व आदिवासी दिवस पर बुधवार को बिष्टुपुर के गोपाल मैदान में आदिवासियों का महा जुटान हुआ। हजारों आदिवासियों ने गोपाल मैदान में जुड़कर विश्व शांति का संदेश दिया।

इस अवसर पर आदिवासी नेताओं ने कहा कि अगर विश्व में शांति लानी है तो आदिवासी विचारधारा पर काम करना होगा और उसे अपनाना होगा। नेताओं ने कहा कि आदिवासी प्रकृति के साथ काफी जुड़े हुए हैं।

आदिवासी विचारधारा से ग्लोबल वार्मिंग कम होगी। ,इस कार्यक्रम में असम की बांसुरी उड़ीसा का मांदर, बंगाल का ढाक और झारखंड का नगाड़े की एक साथ आवाज गूंजी। कार्यक्रम के दौरान आदिवासियों की ज्वलंत समस्याओं पर भी चर्चा हुई यूनिफॉर्म सिविल कोड के विरोध का ऐलान हुआ और सरना धर्म कोड की मांग की गई। साथ ही नेताओं ने हो मुंडारी समेत अन्य आदिवासी भाषाओं को संविधान की आठवीं सूची में शामिल करने की मांग उठाई। इस अवसर पर लोक गीत एवं नृत्य तारों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधी।

बिरसानगर में निकाली आदिवासी आक्रोश रैली

जमशेदपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी महासभा एवं बरसा सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बिरसानगर स्थित गुड़िया मैदान में दोपहर 1 बजे से आदिवासी आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। यह रैली विगत तीन महीना से मणिपुर में लगातार हिंसा एवं आपसी संघर्ष तथा भारत के अन्य राज्यों में आदिवासियों के साथ अमानवीय एवं अनैतिक करवाई, आदिवासी महिलाओं के साथ अत्याचार एवं जल जंगल जमीन की लूट के खिलाफ निकाली गई। इस अवसर पर आदिवासी महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष विजय कुजूर एवं महासचिव कृष्णा हांसदा ने संयुक्त रुप से कहा कि केंद्र सरकार लोकुर कमेटी के सुझाव को मानते हुए आदिवासी होने का मापदंड बनाकर विभिन्न गैर आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने से मणिपुर की तरह अन्य राज्यों में भी जातीय हिंसा भड़क सकती है। इसलिए हमारी मांग है कि लोकर समिति की सिफारिश को संवैधानिक घोषित किया जाए एवं अनुसूचित जनजाति आदेश 1950 को ही आधार बनाकर सिर्फ उन्हें आदिवासियों को ही अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की कोशिश की जाए जो 1950 में संविधान लागू होने पर अनुसूचित जनजातियों की सूची में सूचीबद्ध होने से छूट गए थे।

स्पीड न्यूज

परसुडीह में गीत व कविताओं के माध्यम से कविगुरू को दी गयी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन टाटानगर शाखा द्वारा परसुडीह में गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर के महा प्रयाण दिवस पर उन्हीं के गीत एवं कविताओं द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव की तस्वीर पर को पुष्पांजलि देकर की गयी। शहर के जाने माने रवींद्र संगीत गायक एवं संस्था के सांस्कृतिक सचिव राजेन्द्र साह राज ने बहुत ही हृदय स्पर्शी रविन्द्र संगीत गाकर खुब तालियां बटोरी। कार्यक्रम में सचिव शंकर सुर, अनामिका सुर, मनातोष बासु, अनिता बासु, अंजना दी, लीला राय चौधरी, इंद्राणी मजूमदार, मीना दास गुप्ता, सोमा बोस, विदुषी नुपुर गोस्वामी ने भी अपनी शानदार प्रस्तुति दी। साथ ही कई सदस्यों ने गुरुदेव की कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जया मुखर्जी ने किया। तबला पर संगत नवेंदु पाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मनोतोष बसु ने किया।

संपूर्ण झारखंड पुस्तक का हुआ विमोचन

जमशेदपुर। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो द्वारा बोधी मैदान जमशेदपुर में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव प्रोफेसर रवि शंकर मौर्य एवं अजय भगारके द्वारा लिखित पुस्तक संपूर्ण झारखंड का विमोचन किया गया । मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो गोमिया के विधायक डॉ लंबोदर महतो पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिश,पूर्व मंत्री उमाकांत रजक, पूर्व विधायक कुशवाहा शिव पूजन मेहता, पदम छूटनी महतो एवं डॉ रामदयाल मुंडा के सुपुत्र एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गुंजन एकिर मुंडा ने संयुक्त रूप से अनावरण किया। इस मौके पर स्पर्धा प्रकाशन की निदेशक अजय भगरके ने अतिथियो स्वागत किया। पुस्तक विमोचन में आजसू सुप्रीमो ने कहा कि यह पुस्तक न केवल छात्र-छात्राओं के लिए उपयोगी है बल्कि यह पुस्तक झारखंड के तमाम जनमानस को पढ़ना चाहिए।

ब्रम्हर्षि समाज का रक्तदान शिविर 27 को

जमशेदपुर। अखिल भारतीय ब्रम्हर्षि

समाज के द्वारा आयोजित करने वाले रक्तदान शिविर की तैयारी के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष लाल बाबू सिंह की अध्यक्षता में आदित्यपुर दो के रोड नंबर चौदह राममंदिर सामुदायिक भवन में किया गया। रक्तदान शिविर अटल पार्क सामुदायिक भवन, आदित्यपुर में रखा गया है। बैठक में उपस्थित लोगों के द्वारा सुझाव दिया गया की आदित्यपुर एक, आदित्यपुर दो,गमहरिया एवं पुरे सरायकेला खरसावां जिला में प्रचार प्रसार कर शिविर में भाग लेने वाले लोगो को शामिल करने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जाए।

शपथ पत्र

मैं अभय कुमार पिता श्री संतोष प्रसाद निवासी बेलवाटिका वार्ड नंबर 21 गुरूद्वारा रोड पोस्ट थाना मेदिनीनगर जिला पलामू झारखंड शपथ पूर्वक बुक संख्या 11, सिरियल नंबर 5980, दिनांक 09-08-2023 एकरार करता हूं।
1. यह कि मैं उक्त नाम व पते का निवासी हूं।
2. यह कि मेरा मैट्रीक के मूल प्रमाण पत्र में नाम अभय गुप्ता दर्ज हो गया है जो कि गलत है।
3. यह कि मेरा सही नाम अभय कुमार है।
4. यह कि मेरा सभी कागजात पर मेरा नाम अभय कुमार है।
5. यह कि मेरा आधार संख्या 6191 7675 5765 हैं।
6. यह कि यह शपथ पत्र मैं सबंधित विभाग में देने के लिए कर रहा हूं।

शपथ कर्ता
अभय कुमार
बिरेंद्र प्रसाद सिंह
नोटरी डालटनगंज पलामू।

सरदार सरदूल सिंह नहीं रहे, अंतिम संस्कार आज

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी के चर्चित सिख उद्यमी एवं समाजसेवी सरदार सरदूल सिंह नहीं रहे। अपोलो कोलकाता में मंगलवार की रात 9 बजे इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। वे पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे। पहले दिल्ली फिर चेन्नई और उसके उपरांत कोलकाता अपोलो ले जाया गया था। स्व सरदूल सिंह का पार्थिव शरीर बुधवार की रात कोलकाता से जमशेदपुर लाया गया। शव उनके माधव बाग मानगो स्थित आवास पर रखा गया है। सरदूल सिंह के बड़े पुत्र एवं भाजपा कार्यकर्ता हरपाल सिंह हैप्पी ने बताया कि गुरुवार कि सुबह साढ़े दस बजे माधव बाग कॉलोनी स्थित उनके आवास से अंतिम यात्रा शुरू होगी और स्वर्णरेखा बर्निंग घाट

स्व. सरदूल सिंह।

भूइयांडीह में देह को अग्नि को समर्पित किया जाएगा। वह अपने पीछे तीन बेटे हरपाल सिंह हैप्पी, कृपाल सिंह, प्रितपाल सिंह एवं दो बेटियां और भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। सोमू के अनुसार सरदार सरदूल सिंह का जीवन अनुकरणीय है कि उन्होंने लघु उद्योग से शुरूआत की और अपनी मेहनत लगन से सरदूल इंडस्ट्री एवं सरदूल इंफ्रास्ट्रक्चर को व्यापक रूप देने में सफल रहे। उनके निधन पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, झारखंड के मंत्री बन्ना गुप्ता, विधायक सरयू राय, तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव इंदरजीत सिंह, झारखंड गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सरदार भगवान सिंह, संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, बारीडीह गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान कुलविंदर सिंह, मानगो गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान हरजिंदर सिंह, खालसा क्लब के ट्रस्टी संता सिंह, अध्यक्ष भगवंत सिंह रूबी, रामगढ़िया सभा के प्रधान केपीएस बंसल, ट्रस्टी जसबीर सिंह संधू, संत कुटिया गुरुद्वारा के कृपाल सिंह भारद्वाज, भाजपा युवा नेता सतबीर सिंह सोमू, कुलवंत सिंह बंटी पूर्व जिला अध्यक्ष रामबाबू तिवारी ने शोक जताया है।

शहर में पहली बार 12 अगस्त से लग रहा 3 दिवसीय चॉकलेट मेला

गोल्डेन आइरिस में 22 तरह के फ्लेवर वाले चॉकलेट खरीद सकेंगे लोग

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी के युवा उद्यमी प्रतीक कुमार के स्टार्ट अप फर्म कोकोआ लेन के तत्वावधान में आगामी 12 अगस्त से तीन दिवसीय चॉकलेट मेला का आयोजन साकची स्थित गोल्डन आइरिस बैंक्वेट परिसर में आयोजित किया जायेगा। यह चॉकलेट फेयर भारत का पहला चॉकलेट फेयर होगा जो जमशेदपुर में आयोजित किया जा रहा है। साकची में बुधवार को चॉकलेट के स्टार्टअप से जाने वाले प्रतिक्स कोकोआलेन के प्रतीक कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में उक्त जानकारी दी। इसमें उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी भारत की पहली कंपनी है जो 100 से ज्यादा प्रकार की नेचुरल हैंड क्राफ्ट चॉकलेट लेकर पैन इंडिया आ रही है, जिसका प्री लॉच भारत के सबसे पहले चॉकलेट फेयर के रूप में जमशेदपुर में होने जा रहा है। चॉकलेट फेयर 12 से 15 अगस्त तक गोलमुरी के गोल्डेन आयरिस बैंक्वेट में रहेगा, जहां लोग कई प्रकार की चॉकलेट का आनंद उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि अभिभावक बच्चों के साथ चॉकलेट का आनंद उठाने के लिए सुबह 11.30 बजे से शाम 7.30 बजे तक जा सकते है। इसके साथ ही इस फेयर में आपको हैंड क्राफ्ट हैम्पर भी मिलेंगे। प्रतीक ने बताया कि उनका स्टार्टअप है, जिसकी शुरूआत उन्होंने 10 साल पहले अपने शौक के रूप में की थी। इन 10 सालों में देश के अलग अलग राज्यों में उन्होंने अपने चॉकलेट के स्टाल लगाये। उन्होंने लोगों के राय और स्वाद के नजरीये के बाद ये सारे चॉकलेट के प्रकार तैयार किये। प्रतीक ने बताया कि 2023 में वे अपनी कंपनी कोकोआ चॉकलेट प्राइवेट लिमिटेड की शुरूआत कर रहे है, जिसकी प्री लॉचिंग 12 अगस्त से गोलमुरी में होगी। वहीं सभी को एक ही छत के नीचे हैंड मेड चॉकलेट के कई प्रकार और हैंड मेड क्राफ्ट लोगों को मिलेंगे।

धनबाद में लूट और डकैती कांड के दो अपराधी गिरफ्तार

धनबाद। धनबाद पुलिस के हत्थे चढ़े दो अपराधकर्मी मकबूल अंसारी और अकबूल अंसारी की गिरफ्तारी से पूर्व के लूट व डकैती के 7 अलग-अलग कांड का खुलासा पुलिस ने किया। बुधवार को एसएसपी संजीव कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में मीडिया को बताया कि पिछले दिनों 8 अगस्त को टुंडी थाना अंतर्गत मिडलेंड माइक्रो फिन लिमिटेड के सेंटर ऑफिसर के साथ लुटपाट का प्रयास अपराधियों के द्वारा किया गया था। गांव के लोगों और पुलिस की सक्रियता के कारण अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब नही हो सके।पुलिस गिरफ्त में आए अपराधियों से पूछताछ में पूर्व के 7 कांड जिनमे टुंडी थाना क्षेत्र में घटित तीन, बर्वाअड्डा थाना अंतर्गत एक, एमपीएल ओपी क्षेत्र अंतर्गत दो और राजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक आपराधिक घटना का उदभेदन किया गया। अपराधियों के पास से एक देसी पिस्टल, पांच गोली, एक मोबाईल और लुटकांड में प्रयुक्त बाईक बरामद की गयी।

आदिवासी समाज पर अत्याचार बंद करना चाहिए : कुड़मि समाज

जमशेदपुर। विश्व आदिबासि दिवस के अवसर पर आदिबासि कुड़मि समाज पूर्वी सिंहभूम जिला द्वारा हुडलुंग गांव में केंद्रीय संयुक्त सचिव रामबिलास महतो के आवासीय परिसर में एक परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से इस दिवस के इतिहास, उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय अध्यक्ष प्रसेनजीत महतो ने कहा कि आदिबासियों के ऊपर हो रहे अन्याय अत्याचार और शोषण बंद हो। हम आदिबासियों के जल जंगल जमीन के साथ भाषा संस्कृति धरम परंपरा का अतिक्रमण बंद हो। हम आदिबासि प्रकृति के संरक्षक के तौर पर विश्व में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए सरकार हमारे सम्मान हक अधिकार को विशेष संरक्षण प्रदान करे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव प्रकाश महतो ने किया। नगर अध्यक्ष धिरेंद्रनाथ महतो ने कुड़मालि झुमइर गित के माध्यम से आदिबासि दिवस का सुंदर वर्णन किया।

जब आदिवासियों मिलेगा हक तभी झारखंड गठन का उद्देश्य होगा पूरा : मिथिलेश ठाकुर

गढ़वा में झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा में झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया। शहर के नवादा मोड़ स्थित उत्सव गार्डेन में बुावार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गढ़वा विाायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने भगवान बिरसा मुंडा, स्वतंत्रता सेनानी जेठन सिंह खरवार व फेतल सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पूर्व आदिवासी समाज के लोग टाउन हल के मैदान से आदिवासी नृत्य के साथ जुलूस निकाल कर कार्यक्रम स्थल उत्सव गार्डेन पहुंचे। यहां मंत्री श्री ठाकुर का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मंत्री ने पलामू के प्रखंड सासंद जेठन सिंह खरवार व फेतल सिंह के वंषजों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने आदिवासी समुदाय को विष्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन ने आदिवासी एवं मूल वासियों के हित की रक्षा के लिए ही अपना सर्वस्व न्यौछावर कर झारखंड को अलग राज्य बनवाया। झारखंड निर्माण का उद्देष्य तभी पूरा होगा जब आदिवासियों को उनका पूरा हक व अधिकार मिलेगा। मंत्री ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासियों के हित में बेहतर कार्य कर रही है। आदिवासियों के बच्चों को विदेषों में निःषुल्क पढ़ाई, यूपीएससी, जेपीएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की निःषुल्क कोचिंग, षिक्षा ऋण आदि कई तरह की योजनाएं चला रही है।

बिष्टुपुर में सावन महोत्सव में खूब झूमी महिलाएं

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सावन के महीने में लौहनगरी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भरमार है जहां अनेक संस्थाएं सावन क्वीन के आयोजन में जुटी हैं.ऐसा ही एक आयोजन कलाकार पूजा सिंह ने बिष्टुपुर में आयोजित किया। फर्क यही रहा कि यहां कोई प्रथम, द्वितीय या तृतीय नहीं आया बल्कि सभी प्रतिभागियों को 'सावन क्वीन' से नवाजा गया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिभागियों के रैंप कैटवॉक से हुई। उसके बाद एक एक करके प्रतिभागियों ने डांस का प्रदर्शन किया जिसको देखकर लौग झूम उठे। कार्यक्रम में प्रिया सिंह, पूनम प्रसाद, सुमन सिंह, प्रिया श्रीवास्तव, गुडिया पांडेय,मधुमिता नंदी, प्रियंका उपाध्याय, सरिता शर्मा, सुमीरा, सनी,सपना शर्मा, जया दूबे समेत बीस से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें दो ट्रांस वुमेन भी शामिल हुईं। कार्यक्रम में आयोजिका पूजा सिंह ने भी अपने नृत्य का जलवा दिखाया। नृत्य के बाद कुछ फन गेम्स और पहेली बूझो खेल का आयोजन हुआ जिसमें भाग लेकर प्रतिभागियों ने काफी इंजॉय किया। अंत में अतिथियों ने सभी महिलाओं को 'सावन क्वीन' का अवार्ड दिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अन्नी अमृता, भोजपुरी एक्टर अनु ओझा, सुनीता जायसवाल और तेजिंदर कौर बतौर अतिथि सह जज मौजूद थीं।

सीजीपीसी की धार्मिक कमिटी ने पाठीयों का मानदेय बढ़ाया

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (सीजीपीसी) की धार्मिक कमिटी ने हितों के ख्याल रखते हुए श्री गुरु ग्रन्थ साहिब का पाठ करने वाले पाठीयों (पाठी सिंह) के मानदेय बढ़ाने के फैसला किया है। सीजीपीसी के महासचिव अमरजीत सिंह ने बताया की पिछले दिनों धार्मिक कमिटी की एक बैठक प्रधान भगवान सिंह की अध्यक्षता में रखी गयी थी जिसमे यह निर्णय लिया गया की विभिन गुरुद्वारों में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब का पाठ करने वाले पाठीयों मानदेय में बढ़ोतरी की जाएगी। इस पर सरदार भगवान सिंह का कहना है कि मंहगाई के इस दौर में पाठी सिंहो के मानदेय को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक हो गया था। बैठक में मुख्य रूप से सुखदेव सिंह खालसा, रविंदर सिंह, भाई गुरप्रताप सिंह, भूपिंदर सिंह, रविंदरपाल सिंह, जसवंत सिंह जस्सू, त्रिलोचन सिंह, दलजीत सिंह, बलजीत सिंह, अमरीक सिंह, रणजीत सिंह एवं अमृतपाल सिंह ने बैठक में पाठीयों के मानदेय बढ़ोतरी करने पर एकस्वर में हामी भरी।

बांस की बनी कंघी भेंट कर अपनी प्रेमिका प्रपोज करते हैं जुआंग आदिवासी युवा

टाटा स्टील माइनिंग ने जनजातीय संस्कृति को प्रदर्शित करने वाली जीवंत प्रदर्शनी का आयोजन किया
विश्व के मूलनिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

खबर मन्त्र ब्यूरो

प्रदर्शनी का अवलोकन करते ओडिसा सरकार के मंत्री प्रीति रंजन घराईव टाटा स्टील माइनिंग लि. के एमडी पंकज सतीजा व अन्य अतिथि।

भुवनेश्वर/जमशेदपुर। क्या आपने कभी सोचा है कि आदिवासी समुदाय के लड़के अपनी प्रेमिका को कैसे प्रपोज करते हैं? हवा में प्यार, आंखों में रोमांस, होठों पर मुस्कान और गुलाब नहीं बल्कि एक कंघी, हाथ में बांस से बनी एक जटिल डिजाइन वाली कंघी जिसे वे प्रपोज करते समय लड़की को गिफ्ट करते हैं। हम बात कर रहे हैं ओडिशा की जुआंग जनजाति की। कहानी काफी दिलचस्प है। जुआंग लड़का इसे अपनी पसंद की लड़की को उपहार देता है और अगर लड़की इसे स्वीकार कर लेती है और इसे अपने बालों में लगा लेती है, तो जोड़ी बन जाती है। और बहुत खूब, वे एक दूसरे से शादी करने के लिए तैयार है। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह की इस कम ज्ञात दिलचस्प परंपरा ने बुधवार को टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से टाटा स्टील माइनिंग द्वारा अपनी सुकिंदा क्रोमाइट माइन में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के जश्न में कई दिलों को चुरा लिया। कंपनी ने, पारंपरिक जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के उत्सव में, आदिवासी कलाकृतियों, आदिवासी रसोई के बर्तनों, संगीत वाद्ययंत्रों, कृषि उपकरणों, पोशाकों और आभूषणों पर प्रकाश डालते हुए एक मनोरम प्रदर्शनी का आयोजन किया था।

इस कार्यक्रम में हो, संथाल, मुंडा, भूमिज जैसे आदिवासी समुदायों और जुआंग और मैनकिडिया जैसे पीवीटीजी ने भाग लिया और आगंतुकों को आकर्षक कहानियों से मंत्रमुग्ध कर दिया, जो विभिन्न आदिवासी समूहों के अद्वितीय रीति-रिवाजों और परम्पराओं के बारे में बताती हैं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए, प्रीतिरंजन घराई, माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा, ओडिशा सरकार ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इस विशेष अवसर पर यहां आना मेरे लिए खुशी की बात है और मैं जनजातीय विरासत के विभिन्न पहलुओं का जश्न मनाने के लिए इतना सुंदर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए टीम के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के राज्य समन्वयक परमानंद पटेल ने एससी एवं एसटी समुदायों के अधिकारों पर प्रकाश डाला और समुदायों के लिए सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

खबर एक नजर में

विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली बाइक रैली

जमशेदपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर खेरवार ऐभेन गवंता एवं आदिवासी एकता मंच के संयुक्त तत्वाधान में पाँच सौ मोटरसाइकिल का रैली एन एच 18 के श्रीघुटू गांव के फूलों झानो चौक से प्रारंभ की गई। बाबा तिलका मांझी चौक तथा तिलका स्टेडियम बालीगुमा, डिमना पहुंचकर वीर शहीद बाबा तिलका मांझी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। मोटरसाइकिल रैली के बाबा तिलका माझी डिमना चौक से साकची तक पदयात्रा किया गया। इस अवसर पर मानगो चौक में शहीद खुदीराम बोस, पुराना कोर्ट मे डॉ भीमराव अंबेडकर, साकची गोल चक्कर में धरती आबा बिरसा मुंडा, कोका करमाली बारीडीह, बिरसानगर मे सिदो कान्हू, बड़ा बाँकी मे गंगा नारायण सिंह,नरगा मे प्रो दिगम्बर हांसदा चौक तथा मोस जोभी मे सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। अंत में बढ़हाडी फुटबॉल मैदान में सभा में तब्दील होकर समाप्त किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता और यूनाइटेड फोरम फॉर चीफ एंड जस्टिस के डेमका सोय, मदन मोहन सोरेन, कुलविंदर सिंह आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर खेरवार ऐभेन गवंता के चेयरमेन दीपक मुर्मू, अर्जुन सोरेन, दुर्लभ बेसरा, गालूराम टुडू, रवींद्रनाथ मार्डी, बंगाल सोरेन, राकेश मुर्मू, मंगल टुडू, दुखीराम मुर्मू, अमित टोप्पो, प्रभात किस्कु श्याम चरण हांसदा करिया हंसदा तथा आदिवासी एकता मंच के दीनबंधु भुमिज, छोटू सोरेन,बिजय सोय, रखाल सोरेन, हरीपदो भुमिज, राजाराम मुर्मू, जैकब किस्कू, सतीश सिंह, गुरूपदो हेंम्ब्रम, मंगल टुडू, सुनील हेंम्ब्रम, पन्नालाल सोरेन, मलिन मुर्मू, आदि उपस्थित थे।

गणीनाथ सेवा संस्थान दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह

जमशेदपुर। गणिनाथ सेवा संस्थान गोलमुरी अपने 50 वर्ष पूरे होने पर आगामी 8 और 9 सितंबर को स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन करने जा रहा है। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष सुंदर गुप्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में दी। इस अवसर पर मुख्य उप संरक्षक सूरज प्रसाद कार्यकारी अध्यक्ष जय हिंद गुप्ता महासचिव संजय प्रसाद उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार संगठन प्रभारी विनय कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष व प्रवक्ता शैलेश गुप्ता युवा मंच के अध्यक्ष राज गुप्ता युवा मंच के महामंत्री सुजीत कुमार गुप्ता उपाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद युवा मंच के उपाध्यक्ष राजेश प्रसाद और सह सचिव रितेश गुप्ता भी उपस्थित थे। अध्यक्ष सुंदर गुप्ता ने बताया कि स्वर्ण जयंती के अवसर पर संस्थान की ओर से एक स्मारिका का प्रकाशन किया गया है जिसका आज विमोचन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वर्ण जयंती समारोह मुख्य रूप से 8-9 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। 8 सितंबर को साकची आम बागान मैदान से बाबा गणिनाथ मंदिर गोलमुरी तक सुबह 7:30 बजे से एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में गणिनाथ संस्थान के डेढ़ हजार से अधिक स्त्री, पुरुष और बच्चे शामिल होंगे। इसी दिन शाम 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक संस्थान परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जबकि अगले दिन 9 सितंबर को संत शिरोमणि बाबा गणिनाथ जी का पूजन सुबह 6:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस अवसर पर सुबह 9:00 बजे झंडोत्तोलन कार्यक्रम प्रस्तावित है जबकि जयंती समारोह सा अतिथि सम्मान समारोह दिन के 10:00 बजे से शाम 7:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शाम 7:00 बजे महा आरती का आयोजन किया जाएगा। स्वर्ण जयंती समारोह के दिन 9 सितंबर की शाम समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समाज के वैसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने इस वर्ष सीबीएसई आईसीएसई एवं जैक बोर्ड में 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किया हो उन्हें सम्मानित किया जाएगा इसी तरह नीट, आइआइटी,एनआइटी,जेपीएससी व यूपीएससी आदि प्रति योग्यताओं में सफल छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

ओल्ड एज होम में आयोजित किया भजन संध्या

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट डिस्ट्रिक्ट 325 के द्वारा बाराद्वारी स्थित आशीर्वाद ओल्ड एज होम में भजन संध्या का आयोजन किया। इस सेवा के माध्यम से होम के बुजुर्गों का न केवल मनोरंजन किया गया बल्कि उन्हें आध्यात्मिकता का माहौल भी प्रदान किया गया। संयोजक पी श्रीधर ने टीम के साथ अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत किए और उपस्थित चेहरों पर मुस्कान ला दी। धन्यवाद के प्रतीक के रूप में धूप कोन वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष इरा बंधोपाध्याय ने किया।

वीरों की भूमि झारखंड के कई सपूतों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया : आशुतोष

सिंदरी। 90 देशों में 476 मिलियन आदिवासी समाज को जागरूक करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में विश्व आदिवासी दिवस बुधवार को आयोजित किया गया। इसके मुख्य अतिथि झामुमो केन्द्रीय सदस्य सुखलाल मरांडी ने कहा कि विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस विश्व आदिवासी दिवस उनके अधिकारों के रक्षा के लिए मनाया जाता है। प्राचार्य आशुतोष कुमार ने कहा कि झारखंड वीरों की भूमि है और भारत की आजादी की लड़ाई में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस राज्य में धरती आबा बिरसा मुण्डा, वीर बुधु भगत, सिद्धो-कान्हू चाँद भैरव, फूलो-झानो, जतरा भगत, दिवा किशुन समेत अनेक महान विभूति हुए हैं। इन्होंने देश एवं समाज के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। इनका जन्म जनजाति कुल में ही हुआ। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर इन महान सपूतों के साथ अन्य सभी विभूतियों को नमन करता हूँ। हमारे देश की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जनजातियों का है। सभी जानते हैं कि अति प्राचीन काल से ही आदिवासी समुदाय भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के अभिन्न अंग रहे हैं। इस समुदाय का इतिहास काफी समृद्ध रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आठ सूत्री मांगों को लेकर जीएम को सौपा ज्ञापन

पुटकी। नशा उन्मूलन महिला समिति के जिलाध्यक्ष सुंदरी देवी ने ग्रामीणों के आठ सूत्री मांगों को लेकर पी0बी0 एरिया महाप्रबंधक अरुण कुमार को अपने दर्जनों ग्रामीणों के साथ पहुंचकर ज्ञापन सौंप । वही सुन्दरी देवी ने बताया कि हमारे पुटकी बलिहारी क्षेत्रीय मे ईगल इन्फ्रा आउटसोर्सिंग कंपनी यहां कोयला उत्पादन का कार्य करने जा रही है .इस कंपनी में आस पास के ग्रामीणों ओर रैयतों को 75 प्रतिशत योग्यता के अनुसार कार्य देकर काम करे।

चंदवा में झारखंड मुक्ति मोर्चा का मेगा सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हेमंत सरकार के कार्यकाल से राज्य वासियों में जगा है विश्वास : विधायक

- झामुमो पार्टी की नीति सिद्धांत से प्रभावित होकर दर्जनों युवाओं ने थामा झामुमो का दामन
- आगामी लोकसभा चुनाव में चतरा लोकसभा क्षेत्र से झामुमो करेगी दावेदारी: लाल मोतीनाथ शाहदेव

सदस्यता ग्रहण कराते विधायक व जिला अध्यक्ष।

खबर मन्त्र संवादाता

चंदवा। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमेटी के द्वारा बुधवार को चंदवा प्रखंड के पथ निर्माण विश्रामागार परिसर में मेगा सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में मो. नौशाद आलम की अगुवाई में प्रखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों से दर्जनों की संख्या में युवाओं ने झामुमो पार्टी का दामन थामा। बतौर मुख्य अतिथि झामुमो के लातेहार विधायक वैद्यनाथ राम, जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, जिला सचिव समसुल होदा, जिला उपाध्यक्ष सीतमोहन मुंडा, झामुयूमो जिला अध्यक्ष रंजीत उरांव व अन्य अतिथियों ने संयुक्त रुप से पार्टी में शामिल हुए कार्यकताओं को विधिवत सदस्यता ग्रहण कराया व झामुमो का पट्टा और माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक वैद्यनाथ राम ने कहा कि झारखंड सरकार पूरी मजबूती के विकास कार्यो को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। चाहे स्थानीय युवकों को नियुक्ति की बात हो, बालिकाओं व महिलाओं को सशक्त करने की बात हो या फिर वृद्धो को पेंशन देने की बात सभी विषयों पर हेमंत सोरेन सरकार मजबूती से कार्य कर रही है। हेमंत सरकार के कार्यों से राज्य वासियों में सरकार के प्रति विश्वास जागा है। आगे कहा कि गैर भाजपा शासित राज्यों में केंद्र सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। गैर भाजपाई राज्य सरकारों को नैतिक रुप से कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर राज्य सरकार को कमजोर करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। जिसे राज्य की जनता भली-भांति समझ रही है।

आगामी लोकसभा चुनाव में चतरा लोकसभा क्षेत्र से झामुमो करेगी दावेदारी: लाल मोतीनाथ शाहदेव

वहीं जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि साजिश के तहत युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है जो किसी से छिपा नहीं है। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए झारखंड के विकास की गति को नया आयाम दिया है। श्री शाहदेव ने आगे कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में चतरा संसदीय क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा उम्मीदवारी पेश करेगी। आगामी लोकसभा चुनाव चतरा संसदीय क्षेत्र के साथ पूरे राज्य से भाजपा का सूपड़ा साफ किया जाएगा। इसके अलावे जिला उपाध्यक्ष सीतमोहन मुंडा, केंद्रीय सदस्य दीपू सिन्हा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनोज चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा माटी की पार्टी है, जो सर्व समाज को साथ चल लेकर चलने में विश्वास रखती है। वहीं पार्टी की सदस्य ग्रहण करने वाले मो. नौशाद आलम व अन्य युवाओं ने कहा कि हेमंत सोरेन के कार्यो से प्राभवित होकर वे पार्टी में शामिल हुए हैं। पार्टी के नीति व सिद्धांतों के साथ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीस सूत्री सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुरेश गंझू व संचालन प्रखंड सचिव मो इजहार ने किया। मौके पर वरीय नेता सुदामा प्रसाद, हाजी फिरोज अहमद, मो. अब्दाल, बेलाल अहमद, बबलू राही, जतरु मुंडा, ब्रह्मदेव प्रजापति, डब्लू प्रजापति, अभ्यास शाहदेव, मो. रशीद समेत काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रकृति को सुरक्षित रखने में आदिवासी का बड़ा योगदान : वैद्यनाथ राम

- चंदवा में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस, पौधा रोपण कर लिया गया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प
- आदिवासी समाज के साथ हो रहे अत्याचार व मणिपुर घटना पर किया गया चिंतन

कार्यक्रम में शामिल होते विधायक बैद्यनाथ राम।

मंचासिन अतिथि।

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। चंदवा प्रखंड में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर खीस्त राजा विद्यालत प्रांगण में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक वैद्यनाथ राम, विशिष्ट अतिथि झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, बीडीओ सह सीओ विजय कुमार, इंस्पेक्टर बबलू कुमार, सहायक अभियंता सुरेश उरांव, पड़हा राजा धनेश्वर उरांव समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रीति रिवाज में मॉदर की थाप के साथ किया गया। सर्वप्रथम अतिथियों ने खीस्त राजा विद्यालय प्रांगण में पौधरोपन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके उपरांत आयोजन समिति के द्वारा कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों को बुके प्रदान कर स्वागत किया गया। इस मौके पर विधायक वैद्यनाथ राम ने कहा कि आदिवासी समाज विश्व की पुरातन सभ्यता व संस्कृति में से एक है। जिसका सीधा संबंध प्रकृति से है। जब तक आदिवासी समाज है, तब तक प्रकृति भी सुरक्षित है और जब तक प्रकृति सुरक्षित है हम सभी सुरक्षित हैं। इन्होंने आगे कहा की राज्य के आदिवासियों और मूल निवासियों के विकास को लेकर हेमंत सोरेन सरकार गंभीर है। जल्द ही चंदवा में एक सामुदायिक भवन का निर्माण कराने का भी भरोसा विधायक ने दिया। वही कार्यक्रम में आदिवासी समाज के प्रबुद्ध जनों ने आदिवासी समाज के साथ हो रहे अत्याचार व मणिपुर की घटना पर चिंता व्यक्त किये। हो रही हिंसा खिलाफ संगठित होकर लड़ाई लड़ने और समाज को सशक्त बनाने की बात कही। कहा कि आदिवासी समाज के साथ हो रहा अत्याचार सभ्य समाज के लिए बदनुमा दाग है।आदिवासियों के साथ हो रही हिंसा को सरकार को गंभीरता से लेनी चाहिए व हिंसा और अपराध पर तत्काल रोक लगे इसको लेकर सख्त कदम उठानी चाहिए। वही कार्यक्रम के दौरान खीस्त राजा विद्यालय समेत गांव से आए मंडलियों के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोजन समिति के अध्यक्ष सुमन सुनील सोरेंग ने किया। कार्यक्रम के मौके पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा, मुखिया रंजीत उरांव, दुर्गावती देवी, जतरु मुंडा, अनूप बड़ाइक, फादर अल्फोंस, कुलदीप लकड़ा, विनेश्वर उरांव, प्रमोद कुजूर, बीरबल भगत समेत सैकड़ो की संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी आक्रोश रैली के साथ मनाया

रैली में शामिल लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ के जोगियाडीह मैदान में विश्व आदिवासी दिवस ऐश्वर्य उरांव की अध्यक्षता में मनाया गया। जिसमें सैकड़ो की संख्या में आदिवासी वेश भूषा में हाथों में हसुआ, तीर धनुष तथा तख्ती लिए बालूमाथ आरके प्लस हाई स्कूल के मैदान में जमा होकर आक्रोश महा रैली निकाली गई जो छठ तालाब, थाना चौक, मुरपा मोड़ ब्लॉक होते हुवे जोगियाडीह मैदान पहुँच कर एक सभा मे तब्दील हो गया। जहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे पड़हा राजा प्रभुदयाल उरांव ने कहा कि आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार को केंद्र सरकार तुरंत रोक लगाए नहीं तो चरणव्बद्ध तरीके से आदिवासी समाज आंदोलन करेगा। कोल कंपनी आदिवासी का जमीन लेकर शोषण करने आया है। इन कंपनियों से सचेत रहने की जरूरत है। वहीं प्रेम भोक्ता ने कहा कि सरकार और संगठनों द्वारा आदिवासियों के उत्थान के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। वहीं ऐश्वर्य उरांव ने कहा कि आदिवासी महिलाओं पर आये दिन जिस तरह से शोषण बढ़ता जा रहा है आदिवासी महिलाओं को झांसी की रानी बनकर आगे आना है ताकि आने वाले भविष्य में उन पर कोई आंख उठाकर ना देख सके। वहीं प्रदीप गंझू ने कहा कि हम आदिवासियों को एक होकर अपना हक और अधिकार के लिए लड़ना होगा तब मणिपुर जैसे घटना का पूर्णविर्ती नहीं होगा। रैली में शामिल महिला पुरुषों ने हाथों में तख्ती लिए आदिवासी पर शोषण करना बंद करो, यूसीसी आदिवासी विरोधी कानून नहीं चलेगा,एक तीर एक कमान आदिवासी एक समान, संविधान से छेड़छाड़ करना बंद करो, अनुसूचित क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण विस्थापन करना बंद करो, आदिवासी महिलाओं को निवस्त्र घुमाने वाले दोषियों को फांसी दो जैसे कई नारे लगा रहे थे। इस मौके पर नरेश उरांव, नागदेव भगत, नरेश लोहरा, प्रितलाल यादव, शन्तु उरांव, रामलाल भगत, रमेश उरांव, दिलीप उरांव, रूपों उरांव, शांति उरांव, तेतरा उरांव, अनुज उरांव, सुरेन्द्र उरांव, राजेन्द्र गंझू, चर्न्देव उरांव, राकेश लोहरा, रामवृक्ष गंझू, राजेन्द्र गंझू, प्रेम भोग्ता, विजय उरांव, बलराम भगत, मो. इमरान, प्रमेशवर गंझू, सभ्भू गंझू, भगवती उरांव, उर्मिला उरांव,रोहनी मुंडा, संध्या उरांव प्रकाश भोगता, माधो सिंह, प्रभात मिंज, सुरेन्द्र गंझू, उदय उरांव, रामकेवल उरांव समेत कई लोग मौजूद रहे। वहीं सभा का संचालन जगदीस उरांव ने किया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

- फूट ओवरब्रिज और अंडर पास नहीं बना तो रेल का चक्का होगा जाम : प्रेम सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। डालटनगंज-बरवाडीह रेलखंड अंतर्गत मंगरा रेलवे स्टेशन के डाउन मेन लाईन पर मालगाड़ी ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध मोहन परहिया 61 की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त उसके शव के पास से मिले आधार कार्ड से हुई। मृतक पलामू जिला के रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बांसडीह खुर्द के पिण्डरहे ग्राम का रहने वाला था। जो मंगरा पंचायत के चंद्रदाहा ग्राम में अपनी बेटी के यहां आया था और बुधवार की सुबह चार बजे के करीब पैदल वापस अपने घर पिण्डरहे जाने के लिए निकला था। इसी दौरान वह ट्रेक पार करने में मालगाड़ी की चपेट में आ गया। उसका शव क्षत-विक्षत अवस्था में रेलवे ट्रेक पर इधर-उधर बिखरा हुआ था। इधर घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी सह सांसद प्रतिनिधि विवेक सिंह, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह और मुखिया बिपिन बिहारी सिंह ने मंगरा स्टेशन पहुंच पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उधर बरवाडीह आरपीएफ और डालटनगंज जीआरपी ने शव के सभी हिस्से को एकत्रित कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद शव को मृतक के परिजनों को सौंप दिया गया। विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह ने बताया कि मंगरा स्टेशन में फूट ओवरब्रिज या अंडर पास नहीं होने के कारण अक्सर इस तरह की बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती है। इस घटना के बाद लोगों का आक्रोश चरम पर देखा जा रहा है। अगर जल्द ही यहां फूट ओवरब्रिज या अंडर पास का निर्माण नहीं होता है तो मंगरा पंचायत की जनता रेल का चक्का जाम करने को विवश होगी। जिसकी सारी जवाबदेही रेल प्रशासन की होगी।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर किया पौधा रोपण

कार्यक्रम में शामिल लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत आदिवासी पहड़ा भवन परिसर मे पौधा रोपण कर शांतिपूर्ण ढंग से विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा प्रखंड महासचिव सह हिंदी दैनिक संवाददाता रामप्रीत लोहरा ने विश्व आदिवासी दिवस के संबंध में बताया कि विश्व में आदिवासी आबादी को बढ़ावा देना, उनकी रक्षा और दुनिया को बेहतर जगह बनाने मे उनकी योगदान एवं उपलब्धियां को स्वीकार करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा (युएनजीए) ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने की घोषणा की। शिक्षक सुरेश उरांव ने आदिवासी समुदाय को शिक्षा के महत्व से संबंधित विस्तृत चर्चा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना हम विकास नहीं कर सकते, शिक्षा के माध्यम से ही अपने अधिकार को पा सकते हैं। जिला अध्यक्ष अशोक उरांव ने कहा कि प्रकृति मानव जीवन के साथ जन जीवन के लिए धरोहर है। प्रक्रृति में पेड़ पौधे के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जल जंगल जमीन से हम आदिवासियों का अटूट संबंध है। इस लिए हमे पेड़ पौधे के रक्षा एवं प्रर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक सजग एवं कटिबद्ध रहना चाहिए। प्रर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु पेड़ पौधे का रोपन एवं उसका संरक्षण करना जरूरी है। इस सभा में देश मे आदिवासीयों के दशा-दिशा पर चर्चा की गई। मणिपुर में हुई घटना क्रम को भी घोर निंदा करते हुए उपस्थित आदिवासी समुदाय द्वारा आक्रोश व्यक्त किया। राजदेव उरांव ने कहा कि जब तक हम एकजुट नहीं होगें, शिक्षित नहीं होगें। तब तक हमें प्रताड़ित किया जाता रहेगा, हमारा अधिकार छिनता रहेगा, और मणिपुर और मध्य प्रदेश जैसा घटना जारी रहेगा। हम सभी को शोषण होते रहेगा। रामप्रीत सहित अन्य अतिथियों ने पौधा रोपण किया। मौके पर सुरेश उरांव, राजकुमार उरांव, उमेश उरांव सचु उरांव, रिक्शोना उरांव, मुनिया उरांव,सुमन उरांव, मालती उरांव सहित भारी संख्या में आदिवासी महिला पुरुष उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय में विश्व आदिवासी दिवस दिन बुधवार को ग्राम स्वराज मजदूर संघ के बैनर तले धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर हाई स्कूल से एक विशाल सांस्कृतिक रैली निकाली गई। रैली के दौरान लोग कई गगनभेदी नारे लगाते हुए प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचे जहां रैली जनसभा में तब्दील हो गई। वहीं कार्यक्रम का प्रारंभ प्रसिद्ध बौलीवुड टाईटल गायिका मेघा श्रीराम डाल्टन के सुमधुर आदिवासी गानों से किया गया। उन्होंने अपने गीतों के जरिये बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू,नीलांबर-पीतांबर के संघर्षों को जीवंत रखने का आह्वान किया साथ ही कथित सभ्य समाज से आदिवासी जीवन दर्शन को आत्मसात करने की अपील की।

एक नजर में

रक्तदान शिविर में 24 युवाओं ने किया रक्तदान

रक्तदान करते लोग।

चंदवा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्टूडेंट फॉर सेवा के तत्वाधान में बुधवार को चंदवा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में दर्जनों युवाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया व रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के नेतृत्वकर्ता कुमार नवनीत ने कहा की रक्तदान महादान होता है, रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है जिससे हम कई इंसानों में जिंदा रह सकते हैं। शिविर में राजकुमार साहू, रोहित अग्रवाल उर्फ जॉनी, मंटू केसरी, कुमार नवनीत, नीतीश सिन्हा, रवि महतो, मोहनीश कुमार विक्की, महफूज अंसारी, आशीष कुमार महतो, कैसर अंसारी, शुशील प्रसाद गुड्डू, विकास कुमार वर्मा, दीपक कुमार, अजय कुमार, दीपक कुमार साव, आशीष कुमार, निशांत कुमार, अभिषेक कुमार सिंह, नीरज कुमार सोनी, उज्वल बाला, आदर्श रविराज, अनूप कुमार, संजीव आजाद, रुपेश ठाकुर सहित कुल 24 लोगों ने रक्तदान किया। सभी रक्तविरों को उपहार स्वरूप एक एक दीवाल घड़ी भेंट की गई। इस मौके पर एलटी चंदन कुमार सिंह, एलटी हरिशंकर मिश्र, रक्तदान वाहन चालक मो गालिब समेत कई लोग मौजूद थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासी दिवस मनाते लोग।

सरयू। नवनिर्मित सरयू प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर आदिवासी परिवार के सैकड़ों सदस्यों ने ढोल नगाड़ों के साथ तेतर टोला से लेकर सरयू नीलांबर पितांबर चौक पर नीलांबर-पितांबर के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये प्रखंड कार्यालय तक शोभा यात्रा किया गया। साथ ही प्रखण्ड कार्यालय के प्रांगण में लोगों को संबोधित करते हुवे जिप सदस्य बुधेश्वर उरांव ने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारे पुर्वज देश के आजादी के लड़ाई के साथ साथ जल जंगल एवं जमीन के रक्षा के लिए अहम भुमिका निभाया है। जिसको लेकर आज के दिन विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज कई एसे आदिवासी परिवार हैं जो इस बात से अनभिज्ञ है। हमें जरूरत है अपने आने वाले पीढ़ी को इसके बारे में बताने की। प्रमुख अमिता देवी ने कहा कि बहत ही हर्ष की बात है कि आज सरयू प्रखण्ड में विश्व आदिवासी दिवस का शुभारंभ किया गया है। इस वर्ष की भांति हरेक वर्ष इस क्षेत्र में धुम धाम के साथ विश्व आदिवासी दिवस मनाया जायेगा। मुखिया अंकिता देवी ने कहा कि जिस प्रकार से हमारे पुर्वजों ने जल जंगल एवं जमीन के रक्षा के लिए लड़े है। आज हमारा भी कर्तव्य बनता है कि उनके द्वारा प्रारंभ किया गया इस लड़ाई को जारी रखें। इस मौके पर ओपी प्रभारी घनश्याम उरांव, उप प्रमुख सुनील उरांव, मुखिया राजेश सिंह, करम सिंह, पंसस मंजु देवी, सुले बैगा, उल्फन सिंह, अनिल उरांव, कार्तिक उरांव, धनेश्वर सिंह, मनोज उरांव, धिरज कुमार, शम्भु उरांव, बब्लू उरांव, नरेंद्र उरांव, समेत अन्य आदिवासी परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बालूमाथ। बालूमाथ थाना पुलिस ने लाल वारेंट अभियुक्त को गिरफ्तार के जेल भेज दिया। इस संबंध में बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने जानकारी देते हुवे बताया लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के निर्देश पर बालूमाथ थाना में चलाये जा रहे फरार अभियुक्तों की धर पकड़ के कर्म में करीब 25 वर्षो से फरार चल रहे। अभियुक्त राकेश सिंह पिता रावण सिंह, ग्राम बालू, थाना बालूमाथ को गिरफ्तार कर लातेहार जेल भेज दिया गया। उक्त अभियुक्त के खिलाफ बालूमाथ थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

ट्रेन के ठहराव से लोगों को मिलेगी सहूलियत : प्रकाश राम

- सांसद सुनील कुमार सिंह के प्रयास के बाद बनारस रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस का हुआ लातेहार में ठहराव
- पूर्व विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, कोरोना काल से स्टॉपेज किया गया था बंद

मौके पर मौजूद लोग।

लातेहार। मंगलवार को लातेहार जिला के तीन प्रमुख स्टेशनों के लिए खुशखबरी का दिन रहा। लातेहार, छिपादोहर और बरवाडीह जंक्शन जहां पिछले तीन वर्षो से कोविड़ प्रकोप के कारण बनारस-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव बंद था। सांसद सुनील कुमार सिंह के अथक प्रयास के बाद जिले के तीनों स्टेशनों में उक्त ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित हुआ। मंगलवार की देर रात लातेहार स्टेशन में पूर्व विधायक प्रकाश राम ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इससे पूर्व ट्रेन के पायलट और सह पायलट को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। प्रकाश राम ने कहा कि इंटरसिटी के ठहराव से स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। बनारस और रांची जैसे बड़े शहर जाने में सहूलियत होगी। सांसद इसके लिए बधाई के पात्र है। वही सांसद जिला प्रतिनिधि विनीत मधुकर ने छिपादोहर में तो हरेकृष्ण सिंह ने बरवाडीह में उक्त ट्रेन के पायलट और गार्ड का स्वागत करते हुए हरी झड़ी दिखाकर रवाना किया। मौके पर सुशील अग्रवाल, राजकुमार पाठक,शैलेश सिंह, संजीव सिन्हा, राकेश दुबे,अमित गुप्ता, आदर्श रवि राज, सुनील पांडेय, महताब आलम, लव सिंह समेत कई भाजपाई मौजद थे।

महुआडांड़ में धुमधाम से मनाया गया युवा कांग्रेस का 63वां स्थापना दिवस

महुआडांड़। महुआडांड प्रखंड मुख्यालय स्थित जिला परिषद (डाक बंगला) के परिसर में युवा कांग्रेस का 63वां स्थापना दिवस बुधवार को पुरे धुमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमीर सोहेल ने किया वहीं कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता अजीत पाल कुजूर ने किया। कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मो. इफ्तेखार अहमद वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रिडोल्फ खलखो प्रखंड प्रमुख कंचन कुजूर, प्रखंड 20सूत्री अध्यक्ष सह प्रखंड उपप्रमुख अभय मिंज, 20सूत्री सदस्य रामनरेश ठाकुर, मुखिया सुषमा कुजूर, उषा खलखो, प्रमिला मिंज, रेणु तिग्गा, रोशनी कुजूर, कमला किण्डो, रीता कुजूर, रानू खान, तनवीर अहमद उर्फ रिंकु, नुरूल अंसारी, शकील अहमद (पपू), नितिन टोप्पो आदि समेत काफी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी समाज द्वारा सांस्कृतिक सह मिलन सामारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हम सभी संकल्प ले की आदिवासी संस्कृति को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें: बैद्यनाथ राम

संबोधित करते विधायक बैद्यनाथ राम।

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वासाओड़ा लातेहार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक लातेहार बैद्यनाथ राम ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुवे कहा कि आदिवासियों के प्रकृति आधारित विशिष्ट जीवन शैली एवं संस्कृति के संरक्षण एवं आदिवासी समुदाय के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज श्रमजीवी एवं प्रकृति के सामंजस्य स्थापित कर जीवनयापन करने वाला समाज है। आदिवासी समाज में कई अच्छाईयां है जिसे विश्व के अन्य समाज के लोग भी अपना रहे हैं। जिस पर हमें गर्व करना चाहिए। इसके साथ ही जिन कारणों से हम पिछड़ रहे हैं उसे चिन्हित करते हुवे आपस में विमर्श कर उसका समाधान ढूंढने का प्रयास करने की आवश्यकता है। विधायक मनिका रामचंद्र सिंह ने कहा हमें अपनी सभ्यता संस्कृति से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुवे कहा अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा अवश्य दिलायें। अपने हक-अधिकार के प्रति जागरूक रहें। उपायुक्त लातेहार हिमांशु मोहन ने कहा कि आदिवासी पहचान के लिए विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। आज आदिवासी समाज को अपने संस्कृति, विरासत की रक्षा एवं अपनी प्रगति के लिए आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने कहा आदिवासी समाज प्रकृति की पूजा करने वाला तथा प्रकृति की रक्षा करने वाला है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाये रखना है। उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप ने कहा आदिवासी समुदाय के लोग अपने संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों को जानें और अपने हक अधिकार की रक्षा के लिए प्रयासरत रहें। कार्यक्रम में लातेहार झा.मु.मो जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, लातेहार कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष निशा भगत, ज़िला परिषद अध्यक्षा पूनम देवी, उप विकास आयुक्त आलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार, बीडीओ मेघनाथ उरांव, जिप सदस्य विनोद उरांव, सेलेस्टिन कुजूर, पूर्व जिप सदस्य रामदेव सिंह, रिंकू कच्छप, लोहरा समाज के जिला अध्यक्ष मोहन लोहरा, विशाल कुमार, विवेक गुप्ता, चन्दन कुमार, डॉ. चद्रमनी बाखला, सुरेंद्र उरांव, समेत हजारों आदिवासी भाई-बहन मुख्य रूप से कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे।

सबसे आगे होंगे हिंदुस्तानी... भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से धोया

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को 4-0 से रौंदकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए लीग चरण का अंत किया। पड़ोसी मुल्क पर भारत की इस एकतरफा जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह (15वां, 23वां मिनट) ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह (36वां मिनट) और आकाशदीप सिंह (55वां मिनट) की हॉकी से एक-एक गोल निकला। यह पाकिस्तान के खिलाफ पिछले 15 मुकाबलों में भारत की 13वीं जीत है, जबकि अन्य दो मैच ड्रॉ रहे हैं। पाकिस्तानी टीम इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गयी, जबकि जापान को गोल अंतर के आधार पर सेमीफाइनल में जगह मिली। भारत, मलेशिया और कोरिया पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके थे।

सेमीफाइनल में भारत का सामना शुक्रवार को जापान से होगा, जबकि पहले सेमीफाइनल में मलेशिया और कोरिया आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान पांचवें स्थान के लिये चीन से मुकाबला करेगा। हरमनप्रीत बुधवार रात मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर उतरने से पहले पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल जमाने में संघर्ष कर रहे थे, लेकिन चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ कप्तान की ड्रैगफ्लिक कारगर साबित हुई। शुरूआती मिनटों में कुछेक मौके बनाने के बाद भारत को पहले क्वार्टर के अंतिम क्षणों में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के कप्तान उमर भुट्टा को इस पर आपत्ति जताने के लिये ग्रीन कार्ड दिखाया गया, जबकि भारतीय कप्तान हरमनप्रीत की दनदनाती ड्रैगफ्लिक ने मेजबान टीम का खाता खोल दिया। पाकिस्तान ने पहले क्वार्टर की तरह ही दूसरे क्वार्टर में गेंद पर ज्यादा कब्जा रखा, लेकिन भारतीय गोलकीपर को चिंतित करने लायक मौके नहीं बना सका। अब्दुल हन्नान ने 16वें मिनट में भारतीय सर्किल में आकर कट लगाना चाहा लेकिन नीलकांत शर्मा ने गेंद को रोककर खतरा टाला। अगले ही मिनट में ज़िकरिया हयात ने भारतीय रक्षण को भेदना चाहा लेकिन अमित रोहिदास ने आसानी के साथ गेंद उनसे छीन ली। भारत ने जल्द ही जवाबी कार्रवाई की और 23वें मिनट में विवेक सागर का शॉट गोल के करीब खड़े पाकिस्तानी डिफेंडर के पांव से लगने के कारण मेजबान टीम को पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। यह मैच का दूसरा ही पेनल्टी कॉर्नर था और हरमनप्रीत ने इसे गोल में बदलकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये पाकिस्तान एक से अधिक गोल के अंतर से नहीं हार सकता था। इससे पहले की हाफ टाइम के बाद मेहमान टीम वापसी का प्रयास करती, जुगराज सिंह ने 36वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर भारत के पक्ष में 3-0 कर दिया। मजबूत बढ़त मिलने के बाद भारतीय टीम ने गेंद अपने कब्जे में रखते हुए खेल की रफ्तार थोड़ी धीमी की। पाकिस्तान ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने से पहले एक मौका बनाया भी लेकिन अरशद लियाकत का शॉट गोलकीपर कृष्ण पाठक ने आसानी से रोक लिया।

चौथे क्वार्टर में भारत विपक्षी टीम पर पूरी तरह हावी रहा और 53वें मिनट में उमर भट्ट के अलावा कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी गोल करने के करीब नहीं आ सका। हरमनप्रीत ने धैर्य के साथ उमर के प्रयास को रोककर तीन पाकिस्तानी खिलाड़ियों को छकाते हुए गेंद को भारत के गोलपोस्ट से दूर किया। दो मिनट बाद नीलकांत ने मिडफील्ड से गेंद मनदीप के पास पहुंचाई, जबकि मनदीप की मदद से आकाशदीप ने भारत का चौथा गोल दाग दिया। सेल्वम कार्ति के पास 59वें मिनट में भारत का पांचवां गोल करने का मौका था लेकिन इस बार सर्किल के अंदर अब्दुल्लाह खान ने गेंद को नेट तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी। इस सराहनीय प्रयास के बावजूद अब्दुल्लाह की टीम चार गोल के अंतर से मुकाबला हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

मलेशिया से हारकर भी सेमीफाइनल में कोरिया

चेन्नई। मलेशिया ने अजराई अबुल कमाल के गोल की बदौलत एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में बुधवार को कोरिया पर 1-0 से जीत दर्ज की। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर खेले गये दिन के दूसरे मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन 22वें मिनट में अबुल कमाल का गोल मलेशिया की जीत के लिये निर्णायक साबित हुआ।

जापान ने दर्ज की पहली जीत

चेन्नई। जापान ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 में बुधवार को अपने आखिरी लीग चरण मुकाबले में चीन को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट की पहली जीत दर्ज की। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शोता यमाडा (आठवां मिनट) और केंतारो फुकुडा (54वां मिनट) ने जापान के गोल किये। चीन का एकमात्र गोल सुओझू आओ ने 57वें मिनट में किया जबकि टीम ने पांच मैचों में एक ड्रॉ और चार हार के साथ अपना सफर समाप्त किया।

हॉकी टीम को सपोर्ट करने पहुंचे अश्विन

चाहे कोई भी खेल हो, पाकिस्तान के साथ भारत की टक्कर होती है तो पूरे देश की नजर इसपर होती है। इस मैच को लेकर भी ऐसा ही है। भारतीय हॉकी टीम को सपोर्ट करने के लिए क्रिकेट टीम के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन स्टेडियम पहुंचे हैं। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन जब मैदान पर खिलाड़ियों से मिल रहे थे तो अश्विन भी उनके साथ थे। उन्होंने सीएम के साथ खड़े होकर राष्ट्रगान भी गया।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागे। वे टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं।

विश्व कप 2023 के शैड्यूल में 9 बदलाव
भारत-पाकिस्तान मुकाबले की डेट बदली

एजेंसी

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होने वाले बहुप्रतीक्षित एकदिवसीय विश्व कप मुकाबले की तारीख 15 से बदलकर 14 अक्टूबर कर दी गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बुधवार को यह पुष्टि की। आयोजकों ने पिछले महीने जारी किए गए विश्व कप कार्यक्रम में कुल 9 मैचों की तिथियों में बदलाव किए। भारत और पाकिस्तान के मुकाबले की तारीख बदले जाने के कारण 14 अक्टूबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम पर इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला 15 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि नवरात्र 15 अक्टूबर को शुरू होने हैं जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। टूर्नामेंट का आगाज और अंजाम दोनों नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर होगा। इस शीर्ष आयोजन के लिए टिकटों की बिक्री 25 अगस्त को शुरू होगी।

ICC MEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2023

विश्व कप 2023 के लिए आइसीसी द्वारा पुनर्निर्धारित 9 मैच

- 10 अक्टूबर : इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश
- 10 अक्टूबर : पाकिस्तान बनाम श्रीलंका
- 12 अक्टूबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका
- 13 अक्टूबर : न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश
- 14 अक्टूबर : भारत बनाम पाकिस्तान
- 15 अक्टूबर : इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान
- 11 नवंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश
- 11 नवंबर : इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान
- 12 नवंबर : भारत बनाम नीदरलैंड

अब यह होगा विश्व कप में भारतीय टीम का शेड्यूल

- 8 अक्टूबर : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई
- 11 अक्टूबर : भारत बनाम अफगानिस्तान, दिल्ली
- 14 अक्टूबर : भारत बनाम पाकिस्तान, अहमदाबाद
- 19 अक्टूबर :भारत बनाम बांग्लादेश, पुणे
- 22 अक्टूबर : भारत बनाम न्यूजीलैंड, धर्मशाला
- 29 अक्टूबर : भारत बनाम इंगलैंड, लखनऊ
- 2 नवंबर : भारत बनाम श्रीलंका, मुंबई
- 5 नवंबर :भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, कोलकाता
- 12 नवंबर :भारत बनाम नीदरलैंड, बेंगलुरु

विश्व कप की टिकट बिक्री 25 अगस्त से शुरू

मुंबई। आइसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के टिकट 25 अगस्त से बिक्री के लिये उपलब्ध होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बुधवार को यह घोषणा की। आयोजकों ने बताया कि टिकटों की अपेक्षित मांग को प्रबंधित करने के लिये बिक्री चरणों में की जाएगी। भारत के अलावा अन्य टीमों के अभ्यास मैच और लीग चरण मैचों के टिकट 25 अगस्त को उपलब्ध होंगे। गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम में भारत के मैचों के टिकट 30 अगस्त को उपलब्ध होंगे। चेन्नई, दिल्ली और पुणे में भारत के मैचों के टिकट 31 अगस्त को उपलब्ध होंगे।

विश्व कप की दौड़ से बाहर नहीं हैं विलियम्सन

क्राइस्टचर्च। दाहिने घुटने की सर्जरी से उभर रहे न्यूजीलैंड के सीमित ओवर कप्तान केन विलियम्सन फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली टीम में जगह नहीं बना सके हैं, हालांकि कोच गैरी स्टीड का मानना है कि वह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये फिट हो जायेंगे। स्टीड ने इंग्लैंड दौरे के लिये टीम की घोषणा करते हुए कहा, हम सही चिकित्सीय सलाह लेने के लिये अपनी क्षमता में सब कुछ करेंगे। हम उन्हें (विश्व कप के लिये भारत) ले जाने से पहले सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वह पूरी तरह फिट हैं। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

अगले हफ्ते तक हो सकता है राहुल की फिटनेस का फैसला

बेंगलुरु। दाहिनी जांघ की सर्जरी करवाने के बाद रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे केएल राहुल की फिटनेस को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अगले सप्ताह की शुरूआत तक स्पष्टता दे सकता है। क्रिकबज की ओर से बुधवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, राहुल इस सप्ताहांत बेंगलुरु में एक अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर अंतिम निर्णय लेगी।

पृथ्वी शॉ ने अंग्रेजों को सिखाया बैजबॉल, ठोक दिया दोहरा शतक

नयी दिल्ली। टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज पृथ्वी शॉ इन दिनों काऊंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। इस बीच नॉर्थहैंपटनशायर की ओर से खेलते हुए पृथ्वी ने अंग्रेजों को उनकी ही रणनीति बैजबॉल के असल मायने समझाए और महज 41 ओवरें के बीच ही दोहरा शतक ठोक दिया। पृथ्वी का यह दोहरा शतक इंगलैंड डोमेस्टिक वनडे कप 2023 में समरसेट के खिलाफ खेलते हुए आया है। पृथ्वी ने 129 गेंदों में 24 चौके और 8 छक्कों की मदद से अपना दोहरा शतक पूरा किया। पृथ्वी शॉ का यह शतक खास है क्योंकि कुछ विवादों के कारण उनका परफार्मेंस गिर गया था। आइपीएल 2022 में बढ़िया प्रदर्शन करने वाले पृथ्वी 2023 सीजन में बुरी तरह चूक गए थे। उनकी खराब परफार्मेंस का एक कारण मॉडल सपना गिल को भी माना गया जिन्होंने पृथ्वी शॉ पर संगीन आरोप लगाए थे जोकि बाद में झूठे साबित हुए थे। सपना ने

आरोप लगाया था कि पृथ्वी ने उसे गलत नीयत से छूआ और मारपीट की जबकि पुलिस जांच में ऐसा कुछ साबित नहीं हो पाया। बहरहाल, नॉर्थहैंपटनशायर ने पहले खेलते हुए पृथ्वी की बदौलत तेजतर्रार शुरूआत की थी। ओपनिंग क्रम पर पृथ्वी के साथ एमिलियो गे आए थे। दोनों ने पहले 10.3 ओवरों में 63 रन बनाए थे। लेकिन इसके बाद पृथ्वी ने अपना असली रख दिखाया। टीम की दूसरी विकेट 175 रन पर गिरी जब रिकॉर्डो 47 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके अगले 16 ओवरों में ही पृथ्वी शॉ ने सैम व्हाइटमैन के साथ मिलकर 160 से ज्यादा रन बनाए और अपना दोहरा शतक भी पूरा कर लिया। पृथ्वी के लिए पहले दो मुकाबले ज्यादा खास नहीं गए थे। ग्लूस्टरशायर के खिलाफ खेले गए पहले ही मुकाबले में वह दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हिट विकेट आऊट हो गए थे। वह 34 रन ही बना पाए थे। इसके बाद ससेक्स के खिलाफ उन्होंने 26 रन बनाए थे। अब समरसेट के खिलाफ खेलते हुए दोहरा शतक जड़कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दिया। पृथ्वी का लिस्ट ए क्रिकेट में यह दूसरा दोहरा शतक हैं।

हॉकी : कंट्रोवर्शियल पेनल्टी कॉर्नर के नए नियम पर बोले एफआइएच तैयब इकराम

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने बुधवार को कहा कि प्रस्तावित पेनल्टी कॉर्नर नियम को आजमाने पर खेल के स्वरूप से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। नए नियम के अनुसार गेंद को पुश करने वाले खिलाड़ी को छोड़कर आक्रमण करने वाली टीम के बाकी खिलाड़ी स्ट्राइकिंग सर्कल यानी डी से कम से कम 5 मीटर की दूरी से शुरूआत करेंगे। गेंद को स्ट्राइकिंग सर्किल में शॉट मारने के लिए भेजने से पहले उसका डी से आगे पांच मीटर तक जाना जरूरी है। नया नियम रक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। एफआइएच इस नियम को लेकर बेहद सतर्कता से आगे बढ़ रहा है और सभी को विश्वास में लेना चाहता है क्योंकि वह जानता है कि नया नियम लागू होने पर ड्रैग फ्लिक की कला पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। एफआइएच अध्यक्ष इकराम ने यहां पत्रकारों से कहा, नियमों में कुछ बेहद सकारात्मक बदलाव हुए हैं। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच भविष्य में अधिक मैचों के आयोजन के लिए योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच अधिक मैचों का आयोजन किया जाएगा। यह बहुत जल्दी नहीं होगा लेकिन सीनियर और जूनियर स्तर पर मैचों का आयोजन किया जाएगा।

बंगाल में 16 को मनेगा 'खेला होबे दिवस'

एजेंसी

कोलकता। पश्चिम बंगाल में 16 अगस्त को 'खेला होबे दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन बंगाल के हर जिले और गांव में फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में फुटबॉल मैच आयोजन के लिए कोलकाता नगर पालिका क्षेत्र के लिए 21 लाख 60 हजार रुपए आवंटित किए गए हैं। मेयर परिषद (खेल) देबाशीष कुमार ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में फुटबॉल मैचों का आयोजन किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक महिलाओं के लिए भी विशेष तैयारी चल रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही 21 जुलाई को शहीदी दिवस के मौके पर राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने 16 अगस्त को खेला होबे दिवस मनाने का आह्वान किया था। इसकी तैयारी कोलकाता सहित राज्य के विभिन्न जिलों में शुरू हो चुका है। 'खेला होबे दिवस' के तहत 16 को बंगाल के हर जिले और गांव में फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता में फुटबॉल मैच आयोजन के लिए कोलकाता नगर पालिका क्षेत्र के लिए 21 लाख 60 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। देवाशीष कुमार ने कहा, इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी है। लोगों में इसे लेकर खासा उत्साह है। कई इलाके के पार्षद लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। कई पार्षद खुद इस दिन खिलाड़ियों को तरह-तरह के पकवान खिलाने की भी तैयारी कर रहे हैं।

मरे नेशनल बैंक ओपन के अगले दौर में पहुंचे

टोरंटो। ब्रिटेन के तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंडी मरे ने नेशलन बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को दो सेट में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मरे ने यहां 2009, 2010 और 2015 में ट्राफी जीती थीं और अब उनकी कोशिश यहां चौथा खिताब अपने नाम करने की है। उन्होंने 90 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-0 से जीत हासिल की। अब मरे का सामना आस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल से होगा जिन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-4, 6-4 से पराजित किया।

रवींद्र जडेजा 2023 में सबसे ज्यादा डोप टेस्ट देने वाले क्रिकेटर, पांच महीने में नाडा ने 58 सैंपल लिये

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी 'नाडा' साल 2023 के शुरूआती पांच महीनों में डोप टेस्ट के सैंपल का डाटा जारी कर दिया है। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस साल जनवरी से मई के बीच तीन बार डोप टेस्ट के लिए नमूने दिए, जिससे वह इस अवधि के दौरान सबसे अधिक परीक्षण करने वाले क्रिकेटर बन गए। इस साल के पहले पांच महीनों में कुल मिलाकर 55 क्रिकेटरों का डोप परीक्षण किया गया, जिनमें से आधे से अधिक नमूने 'प्रतिस्पर्धा से बाहर' लिए गए। डोप टेस्ट देने वाले खिलाड़ियों पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने कुल 58 नमूने दिए। इस साल क्रिकेटरों से नमूनों की संख्या पिछले दो वर्षों की तुलना में बहुत अधिक होने की उम्मीद है। आंकड़ों के मुताबिक, नाडा ने 2021 और 2022 में क्रिकेटरों से क्रमशः 54 और 60 सैंपल इकट्ठा किए थे। भारत के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का 2023 के पहले पांच महीनों के दौरान परीक्षण नहीं किया गया। कुछ समय से भारत की टी20 टीम का नेतृत्व कर रहे हार्दिक पांड्या का अप्रैल में एक बार डोप टेस्ट हुआ। यह टेस्ट भी मैच से उतर लिया गया। दो वर्षों के नाडा के आंकड़ों के अनुसार, 2021 और 2022 में, रोहित तीन-तीन नमूनों के साथ सबसे अधिक डोप टेस्ट देने वाले क्रिकेटर थे। 2021 और 2022 में भी कोहली का टेस्ट नहीं हुआ। 2022 में लगभग 20 नमूने महिला क्रिकेटरों के थे। इस साल के पहले पांच महीनों में, केवल दो महिला क्रिकेटरों, भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उपकप्तान स्मृति मंधाना का एक-एक बार परीक्षण किया गया। 12 जनवरी को मुंबई में मैच से बाहर मूत्र के नमूने एकत्र किए गए। प्रतियोगिता में लगभग 20 नमूने लिए गए, उनमें से अधिकतर इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान होने की संभावना है। 58 में से सात रक्त के नमूने थे, बाकी सभी मूत्र के थे। जडेजा के सभी तीन नमूने मूत्र के थे और उन्हें 19 फरवरी, 26 मार्च और 26 अप्रैल को प्रतियोगिता से बाहर लिया गया था। टी नटराजन को 27 अप्रैल को दो नमूने देने

पड़े थे। इनमें एक मूत्र और एक रक्त का था। रक्त परीक्षण अतिरिक्त पदार्थों का पता लगाने की अनुमति देता है जो कुछ मामलों में मूत्र में नहीं पाए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रक्त के नमूने अनुदैर्ध्य डेटा संग्रह के उपयोग की अनुमति देते हैं, जिसे अक्सर एथलीट जैविक पासपोर्ट कहा जाता है। प्रदर्शन-बढ़ाने वाले पदार्थों और/या विधियों के उपयोग का पता लगाने के लिए अनुदैर्ध्य डेटा संग्रह समय के साथ कुछ जैव मार्कर्रों की निगरानी करता है। इस साल जनवरी से मई तक डोप टेस्ट कराने वाले अन्य प्रमुख भारतीय क्रिकेटरों में सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल, ईशान किशन, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, भुवनेश्वर कुमार, ऋद्धिमान साहा, दिनेश कार्तिक, यशस्वी जयसवाल, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला और मनीष पांडे शामिल हैं। डोप टेस्ट से गुजरने वाले विदेश के कुछ स्टार खिलाड़ियों में डेविड विसे, डेविड मिलर, कैमरून ग्रीन, सुनील नरेन, आंद्रे रसेल, डेविड वार्नर, राशिद खान, डेविड विली, ट्रेंट बोल्ट, मार्कस स्टोइनिस, मार्क वुड, एडम जैंपा, लियाम लिविंगस्टोन और जोफ्रा आर्चर, सैम करन शामिल थे। विदेशी खिलाड़ियों के सभी परीक्षण अप्रैल में (आइपीएल सीजन के दौरान) किए गए थे, उनमें से अधिकांश के मूत्र के नमूने थे लेकिन कुछ ने रक्त के नमूने भी उपलब्ध कराए थे। इन पांच महीनों के दौरान डोप परीक्षण से गुजरने वाले अन्य खेलों के प्रमुख खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू, मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, शटलर साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत, पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगट, हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह, पीआर श्रीजेश और सविता पुनिया शामिल हैं। समग्र नाडा सूची 60 से अधिक पृष्ठों में है और नमूनों की संख्या 1500 से अधिक हो सकती है। बजरंग और विनेश ने इस साल की शुरूआत में निवर्तमान कुश्ती संघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। इन दोनों ने 20 फरवरी और 19 मार्च को दो मूत्र के नमूने और एक रक्त का नमूना दिया था। ये सभी प्रतियोगिता से बाहर सोनीपत में लिए गए थे। लवलीना ने 19 मार्च और 7 मई को दो मौकों पर मूत्र और रक्त के नमूने दिए। दोनों प्रतियोगिता से बाहर लिए गए थे। लगभग 500 नमूनों के साथ ट्रैक और एथलीटों का सबसे अधिक परीक्षण किया गया, इसके बाद भारोत्तोलन (लगभग 200), मुक्केबाजी (100 से अधिक), शूटिंग और कुश्ती (70 से अधिक प्रत्येक), और फुटबॉल और हॉकी से 50 से अधिक खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया।

पेज 3 का शेष

अस्तित्व बचाने को एकजुट हो...

आदिवासी अपनी पहचान के लिए इतिहास में की गयी अपेक्षा के खिलाफ बोलता है, तो उन्हें चुप कराने की साजिश रची जा रही है। हमें टुकड़ों में बांटकर देखने का प्रयास किया गया है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ किया। इस देश को गढ़ने में आदिवासी समाज की पुनर्व्यवस्था की जानी चाहिए। बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में आयोजित इस कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत सखुआ का पौधा और अंगवस्त्र देकर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने किया।

आदिवासी स्वाभिमानी कौम है : सीएम ने कहा कि आदिवासी समाज स्वाभिमानी कौम है, यह किसी से भीख नहीं मानता। हम इस देश के मूल वासी हैं। हमारे पूर्वजों ने जंगल बचाया, पहाड़ बचाया है। हमें जंगल में गरीब के रूप में ना देखें। विकास की पूरी कहानी हमारे पूर्वजों के पास है। जरूरत है कि आदिवासी समाज के प्रति सम्मान और सहयोग पैदा किया जाये।

ये लोग बने समारोह के गवाह : समारोह में मंत्री चंपई सोरेन, विधायक विनोद सिंह, राजेश कच्छप, जयमंगल सिंह, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, वंदना दादेल, विनय कुमार चौबे, राजीव अरूण एक्का, रणेंद्र कुमार समेत कई आला अधिकारी मौजूद थे। इसके पहले कार्यक्रम की शुरूआत से पहले मणिपुर हिंसा में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी गयी। एक मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम में एक साथ 35 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसमें कई तरह के रिसर्च और महत्वपूर्ण किताबें हैं। आदिवासी महोत्सव के मौके पर एक खास डाक टिकट का भी लोकार्पण किया गया है। समारोह की शुरुआत दिन के 12.10 बजे रीझ रंग रसिका रैली से हुई। इसमें 32 जनजातीय समूह पारंपरिक वाद्य यंत्रों का वादन करते हुए करमटोली चौक से समारोह स्थल तक पहुंचे।

अविश्वास आपको हो सकता है...

नेहरू की भूल को मोदी ने सुधारा : श्री शाह ने कहा, कश्मीर में बदलाव लाने वाले नरेंद्र मोदी हैं। जवाहरलाल नेहरू की भूल धारा 370 को खत्म करने वाले नरेंद्र मोदी हैं। हम ना हुर्रियत से और ना पाकिस्तान से चर्चा करेंगे। हम चर्चा सिर्फ घाटी के युवाओं से करेंगे।

एक नेता 13 बार लॉन्च किये गये : अमित शाह ने राहुल गांधी का बगैर नाम लिए हमला बोला। उन्होंने कहा, सदन में ऐसे एक सदस्य हैं... जिसे 13 बार लॉन्च किया गया और हर बार फेल हुए। जिसके घर वो भोजन करने गये...। उस कलावती के घर तक सभी सुविधाएं देने वाला पीएम मोदी ही है।

मणिपुर हमारा अभिन्न अंग : स्मृति – केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मणिपुर देश का अभिन्न अंग है और रहेगा। राहुल गांधी ने भारत माता की हत्या की बात की है। मणिपुर खंडित ना था न है और ना होगा। स्मृति ईरानी ने कहा, भारत मां की हत्या की बात करने वाले कभी भी मेज नहीं थपथपाते हैं। कांग्रेसियों ने बैठकर मां की हत्या के लिए मेज थपथपाई है, यह गंभीर बात है।

मणिपुर में मेरी मां की हत्या हुई : राहुल – प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आपने मणिपुर में भारत की हत्या की है। आप भारत माता के हत्यारे हो। आपने भारत माता की हत्या की है। मैं मणिपुर में मां की हत्या की बात कर रहा हूं।

स्पीड न्यूज

बीजिंग में भारी बारिश से 33 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन में कई दिनों से हो रही भारी बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अकेले राजधानी बीजिंग में आठ अगस्त तक बाढ़ और भूस्खलन से 33 लोगों की मौत हो चुकी है। पानी के सैलाब में बहे 18 लोग अभी भी लापता हैं। हालांकि बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम शहर जुओझोउ में बाढ़ का पानी कम होने लगा है। इस आपदा ने लगभग 1.29 मिलियन लोगों को प्रभावित किया है। 59,000 घर ढह गए हैं और 147,000 घर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हेबेई प्रांत में शरद ऋतु की फसल प्रभावित हुई है।

नेपाल की संसद में विपक्ष का हंगामा

काठमांडू। एक क्विंटल सोने की तस्करी मामले की जांच के लिए संसदीय समिति के गठन की मांग पर अड़े प्रमुख विपक्षी दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) के सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। बुधवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

जी-20 में रूस-यूक्रेन युद्ध पर होगी चर्चा : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है कि सितंबर में भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस और यूक्रेन युद्ध चर्चा के शीर्ष विषयों में से एक होगा। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति जो बाइडन सहित जी-20 देशों के नेता हिस्सा लेने वाले हैं। मैथ्यू मिलर ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुनियाभर के सहयोगियों के साथ बातचीत में हम यूक्रेन में चल रहे युद्ध पर चर्चा करते रहते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि जी20 में भी यह शीर्ष विषयों में से एक होगा।

नेपाल में बस खाई में गिरी, चार की मौत

काठमांडू। नेपाल के रोल्पा जिले में मंगलवार देरशाम एक बस खाई में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। यह बस परिवर्तन नगरपालिका के बागमारा से दांग जिला के घोराही जा रही थी। बस में 25 यात्री सवार थे। यह बस सड़क से करीब 150 मीटर नीचे खाई में गिर गई थी। चालक फरार हो गया है। घायलों को घोराही के जिला अस्पताल में भेजा गया है।

अलीगढ़ में वकील की दिनदहाड़े हत्या

अलीगढ़। शहर के सिविल लाइंस इलाके में बुधवार को एक वकील की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि अधिवक्ता अब्दुल मुगीस (48) आज दोपहर मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे, तभी रास्ते में सिविल लाइंस क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोका और बेहद करीब से गोली मार दी।

केरल की सर्वोच्च महिला पुजारी उमा का निधन

अलप्पुझा। केरल के मन्नारसाला स्थित प्रसिद्ध नागराज मंदिर की सर्वोच्च महिला पुजारी उमा देवी अंतरजनम का उम्र संबंधी समस्याओं के कारण बुधवार को निधन हो गया। वह 94 वर्ष की थीं। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अंतरजनम मंदिरों में पूजा और अनुष्ठान कराने वाली केरल की कुछ महिला पुजारियों में सबसे वरिष्ठ थीं।

मुंबई : लेखक हरि नारके का निधन

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक हरि नारके का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद निधन हो गया। उनके पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि नारके ने यहां एक निजी अस्पताल में सुबह लगभग 10 बजे आखिरी सांस ली। वह 60 साल के थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय में खुला जनजातीय अध्ययन केंद्र

विश्व आदिवासी दिवस पर विवि ने की घोषणा, एक शासी निकाय किया गठित

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारत केंद्रित परिप्रेक्ष्य के जरिए जनजातीय प्रथाओं, संस्कृति,, धर्म, अर्थव्यवस्था, समानताओं और प्रकृति के साथ संबंधों की विविधता को समझने के उद्देश्य से जनजातीय अध्ययन केंद्र (सीटीएस) की स्थापना की घोषणा की। विश्वविद्यालय ने विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर यह घोषणा की। विश्वविद्यालय ने कहा कि यह जनजातीय अध्ययन केंद्र मौजूदा समय में और आने वाले भविष्य में

▸▸ अध्यक्ष होंगे प्रोफेसर प्रकाश सिंह होंगे, पायल मागो, रत्नाबलि व नेगी बने सदस्य

जनजातीय समुदाय के संपूर्ण विकास और कल्याण से संबंधित समकालीन मुद्दों को हल करने और उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। इस संबंध में एक शासी निकाय गठित कर दिया गया है, जिसके अध्यक्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के निदेशक प्रोफेसर प्रकाश सिंह होंगे और उनके साथ

कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक शिक्षाविद प्रोफेसर पायल मागो, विधि संकाय के प्रोफेसर के. रत्नाबलि और भूगोल विभाग के प्रोफेसर वी. एस. नेगी सदस्य के रूप में काम करेंगे।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, दिल्ली विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन केंद्र को केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के कुलपति प्रोफेसर टीवी कट्टीमनी और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के जनजातीय अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर चंद्र मोहन परशीरा बाहरी विशेषज्ञ के तौर पर शैक्षणिक जानकारी प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय के मुताबिक, यह जनजातीय अध्ययन केंद्र (सीटीएस) उन जनजातियों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण का एक सटीक प्रमाण है, जो भारत की कुल आबादी में आठ प्रतिशत से अधिक की भागीदारी रखती हैं। विश्वविद्यालय ने मानव विज्ञान विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर सौमेंद्र मोहन पटनायक को जनजातीय अध्ययन केंद्र के निदेशक के रूप में और मानव विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अविटोली जी. झिमो को संयुक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

खुले बाजार में 50 लाख टन गेहूं, 25 लाख टन चावल बेचेगी सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि वह बढ़ती कीमत पर अंकुश लगाने के लिये केंद्रीय पूल से अतिरिक्त 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल खुले बाजार में बेचेगी।खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने संवाददाताओं से कहा कि हाल में गेहूं और चावल की कीमतों में तीव्र वृद्धि हुई है। सरकार ने 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन गेहूं खुला बाजार बिक्री योजना के तहत बेचने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि यह कुछ महीने पहले घोषित खुला बाजार बिक्री योजना के तहत 15 लाख टन गेहूं और पांच लाख टन चावल की बिक्री के अलावा है।

अविश्वास प्रस्ताव पर जुबानी जंग

देशप्रेमी नहीं, देशद्रोही है भाजपा : राहुल गांधी

खून से सना है कांग्रेस का इतिहास : ईरानी

एजेंसी

आमने-सामने

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को भाजपा को देशद्रोही करार दिया और कहा कि इस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने मणिपुर को विभाजित किया और वहां भारत मां की हत्या की है। श्री गांधी ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दूसरे दिन पहले वक्ता के रूप में अपने लंबे और तीखे भाषण में अपनी भारत जोड़ो यात्रा की कहानी और अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत एक आवाज है, किसानों और गरीबों की आवाज है। आपने इस आवाज की मणिपुर में हत्या की, इस तरह आपने वहां भारत माता की हत्या की है।

उन्होंने सत्ता पक्ष के कई मंत्रियों और सदस्यों की टोकाटोकी के बीच कहा कि आप देशप्रेमी नहीं हो, आप देशद्रोही हो। आप भारत माता के रखवाले नहीं हैं, भारत माता के हत्यारे हैं। मेरी एक मां यहां बैठी है, मेरी एक मां भारत माता है। इस दौरान अध्यक्ष ओम बिरला ने श्री गांधी को मर्यादाओं का ध्यान दिलाते हुए कहा कि आप वरिष्ठ सदस्य हैं ,आप सदन में उचित भाषा का उपयोग करें। श्री गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि रावण केवल दो लोगों मेघनाद और कुम्भकर्ण की सुनता था और श्री मोदी भी केवल दो व्यक्तियों अमित शाह और अडानी की सुनते हैं।

इस दौरान उन्होंने श्री मोदी के साथ उद्योगपति गौतम अडानी के चित्र भी दिखाये। श्री गांधी ने कहा कि लंका को हनुमान ने नहीं जलाया, रावण के अहंकार ने जलाया। राम ने रावण ने नहीं मारा, रावण को उसके अहंकार ने मारा। उन्होंने सत्ता पक्ष की ओर से इशारा करते हुए कहा कि आपने मणिपुर में केरोसिन फेंकी। आप पूरे देश में आग लगाना चाहते हो।

नयी दिल्ली। लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दूसरे दिन बुधवार को पक्ष और विपक्ष के बीच तीखे आरोप प्रत्यारोप के बीच विपक्ष की ओर से प्रमुख वक्ता राहुल गांधी ने जहां सरकार को मणिपुर पर घेरते हुए भाजपा को देशद्रोही बताया वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस के इतिहास खून से सना है। ईरानी ने अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि मणिपुर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। मणिपुर में महिलाओं के साथ अत्याचार करने वाले गिरफ्तार किये जा रहे हैं और ऐसी घटनाओं की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो - सीबीआई कर रहा है। उन्होंने राजस्थान में बालिका के साथ बलात्कार की घटना का भी जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस कभी उन घटनाओं का जिक्र नहीं करेगी। कांग्रेस सदस्यों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि इनके यहां पावर का बिंदु एक परिवार था, हमारे यहां सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अडानी और सरकार के बीच कथित संबंधों पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर कहा कि अडानी पर भी बोल देती हूं और एक चित्र दिखाते हुए कहा कि जीजा उसके साथ क्या कर रहे हैं। अडानी को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के कार्यकाल में 72 हजार करोड़ रुपये का कर्ज क्यों दिया गया, अडानी को पोर्ट का काम क्यों दिया गया। छत्तीसगढ़ में अडानी का क्या काम। इससे पहले गांधी ने अपने भाषण के दौरान सरकार तथा अरब पति उद्यमी के बीच संबंध को लेकर एक चित्र सदन में दिखाया था। ईरानी ने कहा कि कांग्रेस का मकसद है कि बेटा कितना सेट होगा, दामाद को कितना भेंट होगा। उन्होंने केन्द्र की कई उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में शत-प्रतिशत घरों में शौचालय उपलब्ध करवाये गये हैं।

चंद्रमा की तीसरी कक्षा में पहुंचा चंद्रयान-3

नयी दिल्ली। चंद्र मिशन चंद्रयान-3 बुधवार को चांद की सतह के एक और कदम नजदीक पहुंच गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी। चंद्रयान -3 और चंद्रमा की दूरी अब 174 किमी X 1437 किमी रह गई है। कक्षा बदलने की प्रक्रिया अब 14 अगस्त को की जाएगी। इसरो ने ट्वीट करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 चंद्रमा की तीसरी कक्षा में पहुंच गया है। वह चांद के और करीब आ गया है। आज की गई प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 174 किमी X 1437 किमी रह गई है। अगला ऑपरेशन 14 अगस्त को 11.30 -12.30 बजे की जाएगी। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपण यान मार्क-3 के जरिए लॉन्च किया गया था।

लोकसभा में राहुल ने किया फ्लाइंग किस

एजेंसी

एनडीए की महिला सांसदों ने अध्यक्ष से की शिकायत

नयी दिल्ली। एनडीए की महिला सांसदों ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की शिकायत की है। उनका कहना है कि राहुल गांधी ने भाजपा सांसद स्मृति ईरानी के प्रति अनुचित इशारे किए हैं। उन्होंने मांग की है कि सदन में अभद्र व्यवहार के खिलाफ उनपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पहली बार है जब हमने सदन में किसी सांसद का ऐसा व्यवहार देखा है। उन्होंने सदन में महिला सांसदों पर फ्लाइंग किस का इशारा किया...यह अस्वीकार्य है। हमने स्पीकर से शिकायत की है कि वे इसके खिलाफ कार्रवाई करें।

महिलाओं का किया अपमान : वहीं भाजपा नेता एवं केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष की ओर से लाये प्रस्ताव के विरोध में संबोधन के दौरान आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण के अंत में फ्लाइंग किस किया जो महिला सांसदों का अपमान है। श्रीमती ईरानी ने कहा कि जिन्हें मुझसे पहले बोलने का मौका दिया गया था , उन्होंने जाने से पहले अभद्रता की है। इस तरह का अमर्यादित व्यवहार देश की संसद में इससे पहले कभी नहीं देखा गया।

पीएम मोदी को बम से उड़ाने की धमकी

पुणे। पुणे में रहने वाले एक व्यक्ति को ई-मेल के जरिए धमकी का मैसेज मिला है। एमए मोखीम नाम के इस शख्स ने भारत में कई जगहों पर बम धमाके करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बम से उड़ाने की धमकी दी है। ई-मेल भेजने वाले मोखिम ने कहा है कि वह कई आतंकी संगठनों को फंडिंग करता हैं। भारत से हिंदू महिलाओं और हिंदुओं को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। मोखीम ने भारत में अलग-अलग जगहों पर बम धमाके करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री को भी बम से उड़ाने की धमकी दी है। यह ई-मेल मिलने के बाद पुणे शहर पुलिस बल के नियंत्रण कक्ष को इस बारे में सूचित किया गया है। पुणे के अलंकार पुलिस थाने में इस बारे में मामला दर्ज किया गया है। पुणे में पिछले कुछ दिनों से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है। शहर में छिपे कुछ आतंकी गिरफ्तार हुए हैं। एनआईए और आयबी जैसी एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। ऐसे में इस धमकी के ई-मेल को लेकर पुलिस हरकत में आई है।

साइबर अटैक से बचायेगा 'माया'

एजेंसी

रक्षा मंत्रालय ने विकसित की स्वदेशी विंडोज, साल के अंत तक सभी कंप्यूटरों से हटेगा माइक्रोसॉफ्ट

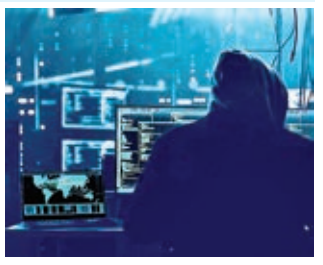

नयी दिल्ली। साइबर अटैक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर रक्षा मंत्रालय अपने सभी कम्प्यूटरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के स्थान पर स्वदेशी रूप से विकसित एक सुरक्षित ऑपरेटिंग सिस्टम माया ओएस स्थापित करेगा। इस साल के अंत तक पूरे मंत्रालय के कम्प्यूटरों में स्वदेशी ऑपरेटिंग सिस्टम लागू किये जाने से साइबर सुरक्षा बढ़ेगी और विदेशी सॉफ्टवेयर पर निर्भरता कम होगी। भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना भी माया ओएस को अपनाने के लिए तैयार हैं। दरअसल, 2021 में भारत की रक्षा प्रणालियों को कई साइबर हमलों का सामना करना पड़ा था।

इसी के बाद रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी माया ओएस का विकास शुरू किया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डीएसी) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों के विशेषज्ञों की एक टीम ने ओपन-सोर्स उबंटू प्लेटफॉर्म पर माया ओएस को छह महीने में विकसित किया गया। टीम ने ओएस का परीक्षण और सुधार करने के लिए भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ भी सहयोग किया। अब सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज को बदलने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय का कहना है कि ओपन-सोर्स उबंटू पर आधारित माया ओएस साइबर खतरों से बचाकर इंटरफेस पेश करता है। रक्षा मंत्रालय को अपने सभी कम्प्यूटरों पर माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज की जगह स्वदेशी रूप से विकसित ऑपरेटिंग सिस्टम माया ओएस स्थापित करने से साइबर हमलों से बचने की उम्मीद है। इस ऑपरेटिंग सिस्टम को जल्द ही सशस्त्र बलों के कम्प्यूटरों में भी अपनाया जाएगा।

इस साल के अंत तक रक्षा मंत्रालय के सभी कम्प्यूटरों में माया ओएस स्थापित होने की उम्मीद है। ओपन-सोर्स उबंटू प्लेटफॉर्म पर आधारित इस विंडोज का लक्ष्य माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के समान इंटरफेस और कार्यक्षमता प्रदान करके साइबर खतरों के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा प्रदान करना है। माया ओएस चक्रव्यूह नामक एक फीचर के साथ आता है, जो एक एंड-पॉइंट एंटी-मैलवेयर और एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर है, जो हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुंचने से रोकता है।

'डॉन 3' में रणवीर सिंह होंगे नए डॉन

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह फिल्म निर्माता फरहान अख्तर की लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी डॉन के तीसरे भाग में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।फरहान और उनके करीबी मित्र रितेश सिधवानी के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर डॉन के मुख्य किरदार में अभिनेता का फर्स्ट लुक वीडियो पोस्ट करते हुए यह खबर साझा की। बैनर ने इंस्टाग्राम पर लिखा एक नए दौर की शुरूआत, डॉन-3। रणवीर डॉन 3 में सुपरस्टार शाहरुख खान की जगह यह किरदार निभाएंगे। शाहरुख ने फरहान की 2006 में आई फिल्म डॉन और 2011 में इसी फिल्म के अगले भाग डॉन 2 में डॉन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनास भी थीं। डॉन फ्रेंचाइजी की शुरूआत अख्तर और रितेश सिधवानी के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा अमिताभ बच्चन अभिनीत, 1978 की इसी नाम की फिल्म के अधिकार खरीदने के बाद हुई। अमिताभ अभिनीत फिल्म की पटकथा अनुभवी लेखक जोड़ी जावेद अख्तर और सलीम खान ने लिखी थी। रणवीर के डॉन 3 में काम करने की यह खबर फरहान द्वारा आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की घोषणा करने के एक दिन बाद आई है।जोया अख्तर की 2015 की फिल्म द्यदिल धड़कने दोद्ध में एक साथ अभिनय करने के बाद फरहान और रणवीर अब एक बार फिर डॉन 3 में एक साथ आएंगे। फरहान ने विक्रम वेधा के पटकथा लेखक पुष्कर और गायत्री के साथ मिलकर डॉन 3 की पटकथा लिखी है। फिल्म के लिए संगीत शंकर एहसान लॉय, शंकर महादेवन, एहसान नूरानी और लॉय मेन्डोन्सा देंगे।

पवन सिंह का एक और गाना काशी में शिव शंकर रिलीज

मुंबई। सावन में पावर स्टार पवन सिंह के गानों की धूम चारों ओर देखने को मिल रही है। इसी बीच पवन सिंह का एक और नया बोलबम गाना काशी में शिव शंकर रिलीज हो गया है। इस गाने को महज 6 घंटे में 1 मिलियन से अधिक लोगों ने देख लिया है और यह तेजी वायरल हो रहा है। इस गाने में पवन सिंह ने काशी में शिव शंकर की महिमा का बखान किया है। इस गाने को यू-ट्यूब चैनल सारेगामा हम भोजपुरी पर रिलीज किया गया है। इस गाने के जरिए पवन सिंह ने शिव भक्तों को इसके धुन पर झूमने को मजबूर कर दिया है। इस गाने को लेकर पवन सिंह ने कहा कि भोले बाबा का आशीर्वाद है कि हमारे गाने को श्रद्धालु और भोजपुरी संगीत प्रेमी खूब पसंद कर रहे हैं। यह गाना मेरे दिल के करीब है और इस गाने की मेकिंग भी भव्य पैमाने पर की गई है।

अदालत ने इमरान खान को सजा पर तत्काल रोक लगाने से किया इनकार

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सजा पर तत्काल रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया। हालांकि अदालत ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी याचिका पर चार से पांच दिन में फैसला लिया जायेगा। इस्लामाबाद की निचली अदालत ने तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को खान को तीन साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद पंजाब पुलिस ने लाहौर में खान के आवास से उन्हें गिरफ्तार किया था। तोशाखाना मामले में उन पर सत्ता में रहते हुए कीमती उपहार बेचकर मुनाफा कमाने का आरोप है। फिलहाल अटक जेल में बंद खान ने मंगलवार को हाईकोर्ट में याचिका दायर करके तीन साल की जेल की सजा पर रोक लगाने की अपील की।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!

आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवायें और योजना

मृत्युंजय प्रसाद

हालाँकि 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10,42,81,034 है, जो कि देश की जनसंख्या की 8.6 प्रतिशत है, भारत में जनजातीय समुदाय अत्यंत विविध एवं विजातीय है। बोली जाने वाली भाषाओं, जनसंख्या का आकार, रहन-सहन के ढंग को लेकर इनमें बहुत प्रकार की विविधताएँ हैं। भारत में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जातियों के रूप में अधिसूचित विशिष्ट समूहों की संख्या 705 है। उत्तर-पूर्वी राज्य अपनी स्वयं की विविधताओं के कारण सजातीय खंड नहीं हैं। वहां लगभग 220 जातीय समूह है तथा उतनी ही संख्या में भाषा एवं बोलियाँ हैं। यह समूह मोटे तौर पर तिब्बती-बर्मन, माँन-खमेर तथा भारतीय-यूरोपी नामक तीन मुख्य समूहों में वगीकृत किये जा सकते है।

जनजातीय समूहों में कुछ जनजातियाँ अपनी अत्यधिक दुर्बलता के कारणवश विशेष रूप से अति संवेदनशील जनजातीय समूह पी. वी. टी. जीद्ध पहले प्राचीन जनजातीय समूह के रूप में जाने जाने वालीद्ध की श्रेणी में रखी गई हैं। वर्तमान में पी.वी.टी.जी. में 75 जनजातीय समूह शामिल हैं जिनकी पहचान इस रूप में निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर की गयी है। 1)वन आश्रित आजीविका, 2) कृषि पूर्व जीवन स्तर, 3) स्थिर एवं घटती जनसंख्या, 4)निम्न साक्षरता दर तथा 5) जीविका आधरित अर्थ व्यवस्था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार इन 75 पी. वी. टी. जी. की कुल जनसंख्या का अधिकांश भाग छह राज्यों महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, उड़ीसा, आन्ध्रप्रदेश एवं तमिलनाडू में रहता है। जनजातियों में पी.वी.टी.जीस. पर उनकी संवेदनशीलता के कारण मुख्य रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है।

स्वतंत्रता तक जनजातीय जनसंख्या राष्ट्रीय परिदृश्य से अपेक्षाकृत एकांत में रही तथा सुदूर व विषम जंगली क्षेत्रों में प्रायः आत्मनिर्भर जीवन व्यतीत किया। भारत में उप निवेशक प्रशासनिक तंत्र का जनजातियों से संपर्क मुख्य रूप से अधिकार वादी व शोषक प्रकृति के रूप में हुआ। वे उनको पृथक छोड़ने में तथा राष्ट्रीय जीवन की मुख्य धारा से न जोड़ने में विशेष रूप से रुचि थे।

स्वतंत्रता के पश्चात, भारतीय संविधान ने जनजातीय लोगों को विशेष दर्जा देने के लिए बहुत से प्रावधान अपनाया तथा संसद में विभिन्न रक्षात्मक कानून बनाकर उनके हितों को सुरक्षित रखने हेतु सजग

योजना आयोग के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि 43.6 पुनरुद्धारित बंधुआ मजदूर अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। ये इसका संकेत देता है कि कई जनजातीय परिवार बंधुआ मजदूरी में फंसाएं जाते है। बंधुआ मजदूरी का मुख्य कारण जो बताया गया है ऋण ग्रस्तता एवं आहार है।

प्रयास किये। राष्ट्रीय योजना आयोग ने विकास हेतु कदम उठाते हुए जनजातीय उप योजना पद्धति को अपनाया तथा पंचायती राज संस्था के अंतर्गत पंचायत पंचायत के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1966 (पेसा) (पी.ई.एस ए.) कानून बनाया।

अनुसूचित जनजाति का मानव विकास सूचकांक (एच. डी. आई.) बाकी जनसंख्या की तुलना में बहुत कम है। साक्षरता दर में अंतर अधिक है। गरीबी रेखा के नीचे अन्य समुदायों की अपेक्षा अनुसूचित जनजातीय परिवार अधिक हैं। आरक्षण के प्रावधान के बावजूद सरकारी नौकरियों में उनका प्रतिशत उनकी जनसंख्या के अनुपात में नहीं है। इस प्रकार उनकी दशा बाकी जनसंख्या की अपेक्षा बहुत खराब है तथा वे विकास के परिकल्पित स्तर पर पहुँचने में अक्षम हैं जहाँ से वे तेजी से बढती अर्थ व्यवस्था द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे अवसरों का लाभ उठा सकें।इसी पृष्ठभूमि में नालसा ने जनजातीय लोगों के लिए योजना बनाने की आवश्यकता महसूस की। इसे सरल बनाने हेतु, मामले का अध्ययन करने के लिए व सुझाव प्रस्तुत करने के लिए एक समिति गठित की गयी थी। समिति ने दिनांक 09.08.2015 को विश्व जनजातीय दिवस पर माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, नालसा को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। यह योजना उसी रिपोर्ट पर आधरित है। यह योजना नालसा (आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाऐं) योजना, 2015 कहलाएगी।

योजना का उद्देश्य

योजना का लक्ष्य भारत में जनजातियों तक न्याय की पहुँच को सुनिश्चित करना है। न्याय तक पहुँच की अपने तमाम अर्थों में अर्थात अधिकारों तक पहुँच, लाभ, विधिक सहायता, अन्य विधिक सेवाएँ, इत्यादि को सुगम बनाता है ताकि संविधान के सामाजिक आर्थिक एवं राजनैतिक एवं न्याय को सुनिश्चित करने के वचन का देश में जनजातियों द्वारा भी अर्थ पूर्ण रूप से अनुभव कर सके क जनजातियों को कई विधिक अधिकार दिए गए है।

अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, अधिनियम,1989

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा (आरटीई) अधिनियम, 2009

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013

पंचायत के प्रावधान अनुसूची क्षेत्रों में विस्तारद्ध अधिनियम, 1996 ।

न्यायालयों के चक्कर से भयभीत जनजाति समाज

जनजातियों में साक्षरता की कमी एक मुख्य समस्या है। परिणाम स्वरूप जनजातियाँ अपने मौलिक विधिक एवं संवैधानिक अधिकारों से अवगत नही रहतीं। वे अपने कल्याण हेतु सरकार द्वारा चलाये गए कल्याणकारी योजनाओं का ज्ञान भी नहीं रखते जिसके चलते वे उनमें शामिल भी नहीं होते।

कई सशस्त्र विवाद भी समकालीन भारत में केन्द्रीय क्षेत्र से लेकर उत्तर-पूर्व तक जनजाति क्षेत्रों के बड़े भागों को प्रभावित करते है जिसके चलते विधिक एवं लाभकारी योजनाओं को लागू करने में जटिल समस्याएँ उत्पन्न होतीं है।तत्कालीन वर्षो में राज्य पुलिस एवं अर्ध्सैनिक बल पर जनजातीय क्षेत्रों में कथित झूठे मुठभेड़ एवं बलात्कार को सम्मलित करते हुए गंभीर मानव अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगे हैं।

बहुत सारे जनजातीय लोग कथित रूप से नक्सली कहकर जेल के अंदर डाले गये हैं। कई मामले ऐसे हुए हैं जिनमें कई दिनों तक लोग जेलों में रहे हैं और चालान में उनका नाम भी नही रहा है। जमानत नही दी जाती क्योंकि मुकदमें गंभीर होते हैं जैसे भारत के विरुद्ध युद्ध छेड़ना, राजद्रोह और इसी प्रकार के । अपरिचित न्यायिक कार्यवाहियां जनजातियों को न्यायालय से भयभीत करती हैं यद्यपि वो स्वयं अराजकता से पीड़ित रहते हैं। वो महसूस करते हैं कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम), 1989 जैसा कानून जनजातियों की सुरक्षा हेतु नही होतीं।

प्रवासी जनजातियाँ सरकार द्वारा चलायी गयी कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँचने में कठिनाइयाँ झेलती हैं। कुछ तो पूर्ण रूप से बिल्कुल पहुँच ही नहीं रखते। ऐसे पी.वी.टी.जी की आदिमता एवं पिछड़ेपन के सन्दर्भ में ये पूर्व परिकल्पित भ्रम अथवा धरणाएँ होतीं हैं। सरकारी निकायों के लिए यह आवश्यक है कि वह जनजातियों के पिछड़ेपन एवं बरबरियत तथा इन समुदायों की परम्पराओं और संस्कृति के अवमूल्यन की धरणाओं को दूर करें।

कई पी.वी.टी.जी एवं अनुसूचित जनजातियाँ वनवासी होतीं हैं और अपने जीवन हेतु भूमि एवं वन संसाधन पर अधिकांशतः निर्भर होतीं हैं। समय के साथ-साथ उनके निवास आरक्षित वन, सुरक्षित वन घोषित कर दिए गये हैं और उन्हें बिना मुआवजा वहां से हटा दिया जाता है और बेदखल कर दिया जाता है।पी.वी.टी.जी. की सूची में समस्त जनजातियाँ अनुसूचित जनजातियों का दर्जा नही प्राप्त कर सकी हैं जिसके चलते इन जनजातियों की दुर्बलता बढ़ गई है और उन्हें पांचवी अनुसूची एवं पंचायत के प्रावधान (अनुसूची क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 के प्रावधानों द्वारा दिए गये अधिकार एवं सुरक्षा नही मिलते।

पी.वी.टी.जी. हेतु एफ.आर.ए. बहुत कमजोर अंदाज में लागू किया गया है क्योंकि उनके पास अधिकार स्पष्ट रूप सेवन विभाग द्वारा परिभाषित नहीं हैं और समझे नही जाते। पी. वी.टी.जी. के अधिकार हेतु प्रावधानों को लागू करने और विशेष रूप से एफ.आर.ए. के अंतर्गत वास अधिकार पर कोई अलग-अलग सूचना एवं आंकड़े राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं।

उत्तरी-पूर्वी राज्य भूटान, चीन, बर्मा एवं बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के बड़े क्षेत्र रखते है जिसके चलते वहां सीमा पार आतंकवाद, ड्रग तस्करी, शस्त्रा-तस्करी, घुसपैठ, इत्यादि हेतु बहुत उचित बन जाता है।अन्य समस्या जो गंभीर चिंता का विषय है वह मानव तस्करी है। मध्य भारत एवं असम की जनजातियाँ विशेष रूप से तस्करी से ग्रस्त प्रतीत होती हैं।अन्य समस्या यह है कि अभी तक कार्य पालिका एवं न्याय पालिका का विभाजन नहीं हो सका है। छठी अनुसूची के अंतर्गत स्थापित संस्थाएं पारंपरिक विधियों को लागू करती है जिनकी अपनी समस्याएँ होती हैं क्योकि वो संहिताबद्ध नही हैं । उत्तर पूर्व में विद्रोह एवं कानून-व्यवस्था समस्याओं के चलते व्यवस्था पर से विश्वास उठ गया है।

जनसमूह में विधि को अपने हाथों में लेने की रूचि पाई जाती है जिसके चलते भीड़-न्याय होती है जिसके कारणवश संदिग्ध / आरोपी व्यक्तियों के घर नष्ट/बर्बाद कर दिए जाते हैं और उनके परिवार को समाज से अलग कर दिया जाता है जिससे गंभीर सामाजिक समस्याएँ पैदा होती है। अभी तक डायन प्रथा में विश्वास रखती है।

वन एवं भूमि संबंधी समस्याएं

वन एवं पहाड़ियाँ जनजातीय पहचान के मुख्य स्रोत है। इसी संदर्भ में वन तक नहीं पहुँचने एवं उनकी अपनी भूमि से जबरदस्ती हटा दिए जाने के कारण जनजातियों के जीवन की क्षति समझी जानी चाहिए। जन जातीय समुदायों को उनकी भूमि, वास, जीविका,राजनैतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक, मूल्यों एवं पहचान से वंचित करके प्रत्यक्ष रूप से भी बेदखली होती है एवं विकास के लाभों और उनके अधिकारों को न देने के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से भी होती है।

पुनर्वास एवं पुनुरुद्धार (पी.आर.ए.आर) कार्यक्रम के अंतर्गत भूमि नहीं बदली जाती और पुनः जीविका न्यूनतम ही लगाई जाती है। लगभग समस्त आर एवं आर कालोनियां उचित स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षित पीने के पानी, बाजार, विद्यालय एवं यातायात के साधनों से वंचित होती हैं। अदल-बदल की खेती बाड़ी, फल और फूल, छोटे शिकार, दवा हेतु कंद, चारा, खाना, घर बनाने के लिए सामग्री, पारंपरिक कला, हुनर के लिए खाम सामग्री, जलावन, पत्ता तश्तरी, फल इत्यादि की बिक्री से आय के रूप में वन निर्भरता महतवपूर्ण है। इस कमी कि क्षतिपूर्ति बेदखली के कारण नही हो पाती और ये खाद्य सुरक्षा को भी प्रभावित करती है।

भूमि का एक बड़ा भाग वन क्षेत्रों में आता है। दूर-दराज क्षेत्र की अधिकतर जनजातियाँ उन जमीनों में बिना किसी अधिकार, हक, एवं हित के वन भूमि पर रहती हैं और उन बेघर जनजातियों हेतु अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के अंतर्गत उनके अधिकारों की सुरक्षा एवं प्रवृति हेतु कोई विधिक प्रावधान नहीं है।

जनजातियों के साथ एक अन्य बड़ी समस्या विकास परियोजनों अर्थात बाँधें का बनाना, वन्य शरण स्थान, खान्य कार्यकलाप, इत्यादि का परिणाम है। यह विकास जन जातियों से भिन्न लोगों की इन क्षेत्रों में रोजगार हेतु आवागमन बढा देता है व परिणाम स्वरूप वो जनजातियों को वहां से निकल जाने पर मजबूर करते है। इस प्रकार जनजातियाँ विकास परियोजनाओं का लाभ नही उठा सकी हैं।

भूमि वियोजन एवं जनजातियों की बेदखली हेतु बड़े महत्वपूर्ण कारणों में से एक बढ़ती हुई ऋण ग्रस्तता है। जनजातियों की ऋणग्रस्तता (वो अधिकतर अत्यधिक ब्याज के साथ ऋण स्वीकार करने के लिए बहकाए जाते हैं) अधिकतर उन्हें बंधुआ मजदूरी की परिस्थितियों में धकेल देती है। आगे, पी.ई.एस.ए. (पेसा) के उल्लंघन भी हुए हैं जो ग्राम सभा को अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि वियोजन रोकने एवं अनुसूचित जनजातियों की अवैध वियोजित भूमि को लौटाने हेतु अर्थात कार्य करने की शक्ति से सशक्ति करती है। वन भूमि के अभिग्रहण के मामले में, प्रभावित क्षेत्र की ग्राम सभा से परामर्श करना एवं उनकी स्वतंत्र सहमति प्राप्त करना आवश्यक है। तथापि, अधिकतर ग्राम सभाओं को न तो परामर्श हेतु नोटिस भेजा जाता है व न ही उनकी सहमती हेतु हस्ताक्षर लिए जाते है।

भूमि अभिग्रहण, पुनरुद्वार एवं पुनर्वास में उचित मुआवजे एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 के अंतर्गत जनजातियों को दिया गया मुआवजा कम होता है एवं पुनर्वास पर प्रदान की गयी जीवन परिस्थितियां बहुत घटिया होती हैं।

जनजातियों के साथ एक अन्य समस्या यह है कि भूमि में एकल अधिकार की जगह वो समुदाय अधिकार में विश्वास रखते है और इस प्रकार भूमि संबंधित मुकदमेबाजी के मामलो में उनके पास स्वामितव का लिखित प्रमाण उपलब्ध नही होता। इस सन्दर्भ में जनजातियों के दावे अधिकतर मौखिक साक्ष्य पर आधरित होते हैं परिणाम स्वरूप उनके वैयक्तिक अधिकार स्थापित करने में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं।

जनजातियों की कूननी जटिलता

यह पाया गया है कि 2005 व 2012 के बीच 95 प्रतिशत से अधिक मुकदमें बेबुनियाद थे और दोषमुक्ति में समाप्त हुए। अभ्यासिक अपराधी अधिनियम, 2000 के कारणवश गैर-अधिसूचित जनजातियों से संबंध रखने वाले लोग निरंतर पक्षपात, हिंसा एवं पुलिस अत्याचार का अनुभव करते है।

जनजातियों द्वारा झेली गई विधिक समस्याएँ निम्न हैं -

संरक्षित क्षेत्रों से विस्थापन से पूर्व जनजातियों के अधिकारों की मान्यतापूर्ण नही होती। जनजातियाँ एफ.आर.ए. के अंतर्गत प्रमाणीकरण एवं दावे के निपटारे से पूर्व ही बेदखल कर दी जाती हैं। इसके चलते उनकी आर्थिक स्थिति और उनके पारंपरिक वन प्रथाओं में कमी आई है।

एफ.आर.ए. के सन्दर्भ में वन विभाग द्वारा असत्य धरणाएं उनको विधिक अधिकारों के उल्लंघन तक पहुंचाती हैं। उदाहरण स्वरुप, कुछ वन विभाग एफ.आर.ए. की धारा 4(2) के प्रावधानों के विरुद्ध ये विश्वास करते हैं कि संरक्षित क्षेत्रों (पी.ए.एस) में अधिकारों का दावा एफ.आर.ए. के अंतर्गत नहीं किया जा सकता और यह कि एफ.आर.ए. सिंह अभ्यारण्य में लागू नही होता।

वास अधिकारों का दावा करने में जनजातीय समुदायों के समक्ष जो समस्याएँ पैदा होती है उनमे से कुछ निम्न प्रकार हैं -

अंतनिर्हित वास अधिकार की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण में स्पष्टता की कमी,वास का अर्थ समझने में बहुल्यता, विशेष रूप से जब उसी विशेष क्षेत्र में शामिल अन्य पी.बी.टी.जी. समूह से अन्य लोगों के प्रयोग अधिकार उसमे शामिल हो,

यदि पी.बी.टी.जीस. की पारंपारिक वास सीमाएँ वन जीवन वास से मिलते जुलते हो, एवं ऐसे समुदायों में जागरूकता की कमी कि किन शब्दों में ऐसे दावों को व्यक्त करें।

महिलाओं के अंदर दावा करने, प्रामाणिकता और उससे संबंधित एफ.आर.ए. के अंतर्गत दिए गये प्रावधान से संबंधित नियमों के विषय में जागरूकता लाने में स्पष्ट रूप से बहुत कम प्रयास किया गया है। एफ.आर.ए. के अंतर्गत जनजातियों द्वारा दाखिल किये गए दावे बिना किसी कारण बताए रद्द कर दिए जाते हैं अथवा अन्य पारम्पारिक वनवासी की परिभाषा एवं निर्भरता खंड के गलत स्पष्टीकरण पर आधरित हैं, अथवा केवल साक्ष्य की कमी के कारणवश अथवा जी.पी.एस. सर्वेक्षण की अनुपस्थति के कारणवश (एक कमी जिससे केवल यह अपेक्षित होता है कि दावा निम्न स्तरीय निकाय को वापिस निर्देशित कर दिया जाये) अथवा इस कारण कि भूमि गलत ढंग से गैर वन्य भूमि समझी जाती है अथवा केवल इसलिए कि वन अपराध पावती ही केवल पर्याप्त साक्ष्य समझी जाती है।

दावेदारों को रद्द किये जाने की सूचना नहीं दी जाती और उनके अपील करने का अधिकार उन्हें नहीं समझाया जाता और न ही इसका प्रयोग किया जाता है।

(जनजातियों के बीच जागरूकता की आवश्यकता है ताकि वे ऐसी कार्य प्रणालियों के विरुद्ध अपने विधिक अधिकारों को सुरक्षित कर सकें)।

विकास परियोजनाओं के चलते बिना किसी उचित मुआवजे के अवैध रूप से स्थानांतरित अथवा बेदखल किये गये लोगों के अधिकार के सन्दर्भ में एफ.आर.ए. की धारा (31) (एम) बिल्कुल ही लागू नहीं की गयी है। ग्राम सभाओं से प्रभावी परामर्श एवं खेती हर उपज में उनको मालिकाना अधिकार की मान्यता की कमी।

अन्य विधिक समस्याएँ

जनजातियों और कुछ स्थितियों में भूमि ग्रहण और इस प्रकार विकास-जनक परियोजनाओं की स्थापना के विरुद्ध विरोध करने वाले अन्य लोगों के विरुद्ध भी छल-कपट के साथ अपराधिक आरोप लगाये जाते हैं। यह पाया गया है कि 2005 व 2012 के बीच 95% से अधिक मुकदमें बेबुनियाद थे और दोषमुक्ति में समाप्त हुए।

अभ्यासिक अपराधी अधिनियम, 2000 के कारणवश गैर-अधिसूचित जनजातियों से संबंध रखने वाले लोग निरंतर पक्षपात, हिंसा एवं पुलिस अत्याचार का अनुभव करते है।

अंडमान निकोबार में, जरावा जनजाति यौन-शौषण की घटनाएँ भी झेलती है। यहां तक कि जनजाति के लोगों से डी.एन.ए. टेस्टिंग के लिए ब्लड सैंपल बिना उनकी सूचित सहमति के देने के लिए कहा जा चुका है।

स्वतंत्रता का अधिकार क्या है?

सोनाली

अनुच्छेद 19

अनुच्छेद 19 छह स्वतंत्रताओं की गारंटी देता है। वे हैं:

बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताः राज्य भारत के प्रत्येक व्यक्ति को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। हालाँकि, राज्य देश की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता, विदेशी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था के हित में, मानहानि, अपराध के लिए उकसाने या अदालत की अवमानना ??के संबंध में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगा सकता है। . बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में यहां और पढ़ें ।

एकत्र होने की स्वतंत्रताः राज्य प्रत्येक व्यक्ति को बिना हथियार के शांतिपूर्वक एकत्र होने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। हालाँकि, जैसा कि ऊपर बताया गया है, देश की संप्रभुता और अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के हित में उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

संघ/संघ/सहकारी समितियाँ बनाने की स्वतंत्रताः फिर, राज्य देश की अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता, विदेशी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था के लिए, मानहानि, अपराध के लिए उकसाने या के संबंध में प्रतिबंध लगा सकता है। न्यायालय की अवमानना। यह स्वतंत्रता श्रमिकों को ट्रेड यूनियन बनाने का अधिकार देती है, जो इस प्रकार एक मौलिक अधिकार है।

पुलिस बल (अधिकारों का प्रतिबंध) अधिनियम, 1966 पुलिस कर्मियों को ट्रेड यूनियन बनाने से रोकता है।

संविधान संसद को सशस्त्र बलों, खुफिया ब्यूरो, दूरसंचार प्रणाली में कार्यरत व्यक्तियों के राजनीतिक संघ बनाने के अधिकार को प्रतिबंधित करने वाला कानून पारित करने की भी अनुमति देता है।

स्वतंत्र रूप से घूमने की स्वतंत्रताः भारत का नागरिक भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूम सकता है। लेकिन इस अधिकार को सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था या अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा के आधार पर प्रतिबंधित भी किया जा सकता है ।

निवास की स्वतंत्रताः भारत के नागरिकों को देश के किसी भी हिस्से में निवास करने का अधिकार है। हालाँकि सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था या अनुसूचित जनजातियों के हितों की रक्षा के आधार पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

पेशे की स्वतंत्रताः सभी नागरिकों को कोई भी व्यापार या पेशा/व्यवसाय करने का अधिकार है, बशर्ते वह व्यापार या व्यवसाय अवैध या अनैतिक न हो। साथ ही, कानून राज्य को व्यवसाय या व्यापार करने के लिए आवश्यक तकनीकी या व्यावसायिक योग्यता से संबंधित कानून बनाने से नहीं रोकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19
भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताः खंड(1)
सभा की स्वतंत्रताः खंड (1)
संघ की स्वतंत्रताः खंड (1)(ए)
भ्रमण की स्वतंत्रताः खंड (1)(बी)
निवास और निपटान की स्वतंत्रताः खंड(1)(सी)
पेशे, उपजीविका, व्यापार या कारोबार की स्वतंत्रताः खंड (1)(डी)
भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध
भारत की संप्रभुता (सॉवरेग्निटी) और अखंडता
राज्य की सुरक्षा
एक विदेशी राज्य के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध (फ्रेंडली रिलेशन)
लोक व्यवस्था
शालीनता और नैतिकता (डिसेंसी एंड मॉरलिटी)
न्यायालय की अवमानना
मानहानि
अपराध के लिए उकसाना
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 20
कार्योत्तर कानूनों का निषेध
दोहरे दंड से उन्मुक्ति (इम्यूनिटी)
आत्म-दोष से सुरक्षा
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21
अनुच्छेद 21 का विस्तृत दृष्टिकोण
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22
गिरफ्तार व्यक्ति के अधिकार
निवारक निरोध क्या है?
निष्कर्ष
2. अनुच्छेद 19 के तहत छह स्वतंत्रताएं क्या हैं?
3. अनुच्छेद 21 क्या है?
4. अनुच्छेद 20 के तहत क्या अधिकार दिए गए है।

स्वतंत्रता शब्द का अनिवार्य रूप से अर्थ है किसी भी अर्थ में प्रतिबंधित नहीं होना। स्वतंत्रता की यह अवधारणा पश्चिमी राजनीतिक विचारकों के बीच बहुत लोकप्रिय है, जिनमें से एक ब्रिटिश दार्शनिक यशायाह बर्लिन हैं, जिन्होंने अपने निबंध द कॉन्सेप्ट्स ऑफ लिबर्टी में नकारात्मक और सकारात्मक स्वतंत्रता का विचार दिया था। उन्होंने नकारात्मक स्वतंत्रता को किसी भी बाहरी बाधाओं से मुक्ति और बिना किसी सीमा के, जो कुछ भी करना पसंद है उसे करने की स्वतंत्रता के रूप में परिभाषित किया। जबकि सकारात्मक स्वतंत्रता से तात्पर्य किसी के जीवन और जीवन के निर्णयों पर आत्मनिर्णय और आत्म-शासन से है। दोनों के बीच अंतर यह है कि नकारात्मक स्वतंत्रता कुछ भी करने या न करने की स्वतंत्रता को दशार्ती है जबकि सकारात्मक स्वतंत्रता स्वयं के विचार को संदर्भित करती है जो दूसरों द्वारा प्रतिबंधित या नियंत्रित नहीं है।

इसलिए, स्वतंत्रता में व्यक्ति के विभिन्न अधिकार जैसे आंदोलन का अधिकार, भाषण और आत्म-अभिव्यक्ति (सेल्फ एक्सप्रेशन) का अधिकार, धर्म का अधिकार, यात्रा का अधिकार, व्यवसाय का अधिकार, आत्म-पहचान का अधिकार, संपत्ति का अधिकार आदि शामिल हैं। किसी व्यक्ति को ये अधिकार प्रदान करने के लिए, राज्य को किसी व्यक्ति के मामलों में कम हस्तक्षेप करना चाहिए। इसे न्यूनतम राज्य के रूप में कार्य करना चाहिए। प्रत्येक लोकतांत्रिक राज्य इन स्वतंत्रताओं के रूप में अपने व्यक्ति को आवश्यक स्वतंत्रता प्रदान करता है। भारत जैसे लोकतांत्रिक राज्य में भी संविधान में इन स्वतंत्रताओं को मौलिक अधिकारों के रूप में प्रदान किया है।

(लेखिका उच्च न्यायालय झारखंड की अधिवक्ता हैं।)

स्पीड न्यूज

आयुक्त ने किया उत्कृष्ट अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत

सिमरिया। प्रखंड के जबड़ा आश्रम विद्यालय के वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले विद्यार्थियों को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग के आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने सम्मानित किया है। सम्मान समारोह में उत्तरी छोटा नागपुर के उपनिदेशक और जिला कल्याण पदाधिकारी भी मौजूद थे। समारोह में उत्कृष्ट अंक लाने वाली नीलम कुमारी, प्रिया कुमारी और पुष्पा कुमारी को तथा हिंदी में 98 अंक लाने वाली अरुणा मरांडी, पुष्पा कुमारी और प्रिया कुमारी को पुरस्कृत किया गया। समारोह में विद्यालय की प्राचार्य जामवंती मिश्रा को हिंदी विषय की श्रेष्ठ प्राचार्य के रूप में स्मृति चिन्ह और शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय के बच्चों को पुरस्कृत किए जाने से बच्चे पसंद है और उनका उत्साह बढ़ा है। इस पुरस्कार से विद्यार्थियों में बेहतर से बेहतर करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने इस सम्मान के लिए अधिकारियों के प्रति आभार जताया और बच्चों को शुभकामनाएं दी।

आदिवासियों का योगदान अविस्मरणीय : रविंद्र

कोडरमा। आदिवासियों का भारतवर्ष के इतिहास में अविस्मरणीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। जब दुनिया में आधुनिक जीवन शैली पैदा नहीं हुआ था, तब से आदिवासियों ने दुनिया को इस धरती पर जीने का सबक सिखाया, प्रकृति के नियमों को समझाया। उनके पास कोई किताब नहीं थी, वह प्रकृति से सीखकर सामाजिक पारंपरिक जीवन की संरचना किया, प्रकृति ही उनके गुरु थे, जंगलों में पहाड़ पर्वत धरना नदी पेड़ पशु आदि में उनकी आत्माएं बसती है।

राज्य कर्मचारी बीमा निगम के स्थानीय समिति के अध्यक्ष बने रामरतन महर्षि

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की अनुशंसा पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय झारखंड द्वारा जिला स्तर पर गठित किए गए कमेटी में राम रतन महर्षि को कोडरमा जिले के स्थानीय समिति में बतौर नियोजक प्रतिनिधि नामित किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सुविधा लाभुकों को कैसे ज्यादा से ज्यादा मिले एवं नियोक्ताओं की समस्या का समुचित समाधान हो इसके लिए मैं प्रयास करूंगा। मौके पर प्राचार्य रमेश कुमार उपाध्याय, सुभाष वर्णवाल, जयंती सेठ, ड वीरेंद्र कुमार सिंह, अश्विनी तिवारी, धर्मेंद्र सिंह ने अध्यक्ष बनाये जाने पर शुभकामनाएं दी है।

दर्जनों छात्रों ने अभाविप का ली सदस्यता

दुमका। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई ने मंगलवार को जिले के विभिन्न स्कूल एवं कोचिंग संस्थानों में सदस्यता अभियान चलाया। जिसमें दुमका से लगभग 700 नए छात्र-छात्रा जुड़े। सदस्यता अभियान की अध्यक्षता नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यक्रम सदस्य लखीराम मंडल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद दुनिया का सबसे बड़ा एकमात्र छात्र संगठन है। इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षिक परिवार के द्वारा राष्ट्र पुनर्निर्माण करना है। अभाविप एकमात्र छात्र संगठन है, जो दलगत राजनीतिक से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद पर विचार करती है एवं किसी व्यक्ति विशेष की पूजा नहीं कर राष्ट्र की पूजा करता है। परिषद एक बात में छात्र संगठन है। जो महापुरुषों को अपना आदर्श मानती है।

एसकेएमयू के बीएड सेमेस्टर-4 की परीक्षा 22 अगस्त

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय प्रषासन मंगलवार को बीएड सेमेस्टर-4 के लिए परीक्षा तिथि घोषित कर दिया। यह परीक्षा 22 से 28 अगस्त के बीच द्वितीय पाली में आयोजित होगी। उक्त परीक्षा संबंधित परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विमल प्रसाद सिंह के आदेश से परीक्षा नियंत्रक डॉ राजीव रंजन सिन्हा ने जारी कर दिया। परीक्षा कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के आधिकारिक वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

विश्व आदिवासी दिवस पर कवेंशन सेंटर में आदिवासी पारंपरिक नृत्य संगीत, कला का बेहतरीन प्रदर्शन

पर्यावरण एवं प्रकृति की रक्षा करने में आदिवासियों का रहा अहम योगदानः आयुक्त

ट्राइबल फैशन शो, पारंपरिक वेशभूषा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। विश्व आदिवासी दिवस पर कन्वेंशन सेंटर में जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संताल परगना के प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डाडेल एवं विशिष्ट अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक श्री सुदर्शन प्रसाद मंडल, उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे, जिप अध्यक्ष जॉयस बेसरा, वन प्रमंडल पदाधिकारी सात्विक, उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा एवं उपाध्यक्ष सुधीर मंडल रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसे पूर्व कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पारंपरिक परिधान एवं वाद्य यंत्रों के साथ परांपरिक लोटा पानी से किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को पौधा देकर एवं पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयुक्त श्री डाडेल ने कहा कि आदि का अर्थ है प्राचीन। आदिवासी प्राचीन व मूल निवासी है। जंगलों, पहाड़ों, प्राकृतिक सम्पदाओं की रक्षा आदिवासी समुदाय के लोग प्राचीन काल से ही करते आ रहे है। पर्यावरण एवं प्रकृति की रक्षा करने में आदिवासियों का अहम योगदान रहा है। भारत की जनसंख्या का लगभग 9 प्रतिशत जनसंख्या आदिवासियों का है। आदिवासियों की देशज ज्ञान परम्परा काफी समृद्ध है। आदिवासियों के पास श्री डी डिजास्टर, डिफेंस और डेवलपमेंट का अदभूत ज्ञान है। अंडमान के जरवा आदिवासी सुनामी जैसी भयानक प्राकृतिक आपदा में इसका उदाहरण प्रस्तुत कर चुके हैं। आजादी के आंदोलन में आदिवासियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। चाहे धरती आबा, बिरसा मुंडा की शहादत हो या वीर सिदो-कान्हू, फूलो-झानो या तिलका मांझी। उन्होंने कहा कि आदिवासी दिवस के अवसर पर संकल्प लेना होगा कि आने वाले पीढ़ी को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित बनाये। ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रह सकें। सरकार आपके अधिकारों के प्रति दृढ़ संकल्पित है एवं कई लाभकारी योजनाऐं आदिवासियों के हितों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही है।

समाज को नशापान से मुक्त कराने में युवा निभाये भूमिकाः डीआइजी

द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि, स्टॉल का निरीक्षण करते अतिथि, नृत्य-संगीत प्रस्तुत करते युवक-युवतियां, फैशन प्रतियोगिता में भाग लेते युवक एवं युवतियां

पुलिस उप महानिरीक्षक श्री मंडल ने कहा कि आज पूरे विश्व में आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। आदिवासी समाज का हमारी धरोहर को संरक्षित रखे में बड़ा योगदान रहा है। आदिवासी संस्कृति को संजोए रखने, स्वाभिमान को जागृत करने और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए हमेशा एकत्रित होकर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नशापान की वजह से कई सारी घटनाएं प्रायः होती रहती है। समाज को नशापान से मुक्त कराने में भी अपनी सहभागिता देना सुनिश्चित करें। समाज के तमाम महिला-पुरूष एवं युवा वर्ग संकल्प लें कि अपनी सामाजिक व्यवस्था को विकास की दिशा में अग्रसर रखने के लिए बच्चों को उच्च शिक्षा अवश्य दें। जिप अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि आदिवासी समाज के बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यधिक आवश्यक है। तभी हम अपने समाज को आगे ले जा पाएंगे और एक अच्छे नागरिक बन पाएंगे। इस दौरान विभिन्न संथाली सांस्कृति कार्यक्रम, ट्राइबल फैशन शो, पहाड़िया सांस्कृतिक नृत्य, पहाड़िया समुदाय के प्रतिनिधि द्वारा अपने समाज के बारे में परिचय जैसे कार्यक्रम आयोजित की गये। ट्राइबल फैशन शो के माध्यम से आदिवासी समाज के रहन सहन,परंपरा एवं संस्कृति का विस्तृत चित्रण किया गया।

सात लोगों पर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज व जुर्माना

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। बिजली चोरी के रोकथाम को लेकर चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र व देवगांव में विभाग ने छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र के 5 व देवगांव के 2 लोगों को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ चक्रधरपुर थाने में भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। इसके अलावा दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया गया है। सभी 7 दोषियों पर लगभग 108310 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है। कार्यपालक अभियंता अमित खलखो एवं कनीय अभियंता अजय हंस के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में मानव दिवस कर्मी शालोम जार्ज टोप्पो, गौतम महतो, गणेश सिरका आदि शामिल रहे। छापेमारी में नागेन्द्र नगर निवासी कमलेश मुखी पर जुमार्ना 10125 रुपए, चांदमारी निवासी मोजेश एंथोनी पर जुमार्ना 6125 रुपए, आरपी कॉलोनी निवासी भुवनेश्वर मुण्डारी पर जुमार्ना 15150 रुपए, गैलेन भट्टी निवासी गुरू मंडल पर जुमार्ना 15250 रुपए, शीतला मंदिर निवासी अमरजीत साव पर जुमार्ना 35050 रुपए, केंदो देवगांव निवासी राजेश तांती पर जुमार्ना 4050 रुपए व निवासी सुकांत प्रधान पर जुमार्ना 22560 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

भवनाथपुर में मना विश्व आदिवासी दिवस

भवनाथपुर। नीलाम्बर पीताम्बर आदिवासी संघ भवनाथपुर के तत्वावाान में बुावार को राजकीय त उच्च विद्यालय के स्टेडियम में विश्व आदिवासी दिवस ूमाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ जयपाल महतो, थाना प्रभारी रामेश्वर उपाया‌य, जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, उप प्रमुख पिंटू टोपनो, समाजसेवी अजय वर्मा को आदिवासी समुदाय के लोगों ने ढ़ोल नगाड़े मांदर बजा कर, स्वागत गीत गाकर एवं अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने सयुंक्त रूप से नीलाम्बर पीताम्बर एवं बिरसा मुड़ा के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुवात किया। कार्यक्रम के पूर्व सांसतिक रैली के साथ सामूहिक नृत्य करते हुए समाज के लोगों ने कर्पूरी चौक, बाजार होते प्रखंड कार्यालय भ्रमण करते हुए स्टेडियम ग्राउंड पहुंचे। इस दौरान आदिवासी संसति की मनमोहक छटां बिखेरते हुए रंगारंग सांसतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। मौके पर बीडीओ ने कहा कि आजादी के इतने दिन बीत जाने के बाद भी देश की मूल आबादी आदिवासियों को आज भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत चक्रधरपुर प्रखंड के केंदों एवं आसनतलिया पंचायत में पौधारोपण किया गया। इस दौरान पंचायत के अमृत वाटिका में पौधे लगाए गए एवं पंच प्राण के तहत भारत को विकसित देश बनाने की शपथ ली गई। बुधवार को प्रखंड के केंदों एवं आसनतलिया में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, पंचायती राज पदाधिकारी मनोज सिन्हा एवं अन्य कर्मियों ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ भाग लिया। इसके साथ ही पंचायतों में बनाए गए अमृत वाटिका में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान के तहत गुरूवार को पंचातयों से मिट्टी लेकर पंचायत प्रतिनिधि प्रखंड कार्यालय पहुंचेंगे। बीडीओ संजय सिन्हा ने बताया कि यह मेरी माटी, मेरा देश के तहत अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। दोनों पंचायत के कार्यक्रम में केंदों मुखिया शांति देवी, आसनतलिया मुखिया कैरी बोदरा, जंगल सिंह गागराई, सोमनाथ कोया, मेलानी बोदरा, समीना गागराई, पिंकी जोंको, आंति सामाड, कृषि पदाधिकारी दिलीप महतो, मनरेगा बीपीओ निरंजन मुखी, कनीय अभियंता प्रकाश रंजन गुप्ता, आदिल ए फरमान, प्रशिक्षु पंचायत सचिव राजकुमार सिन्हा, मंटू गागराई आदि शामिल रहे।

नहीं पहुंच पा रहे हैं भाई के घर, तो श्रीकृष्ण को बांधे राखी : पं. चेतन पाण्डेय

रक्षाबंध : 31 अगस्त को भोर में 4:30 बजे से प्रातः 7:45 बजे तक होगा राखी बांधने का सबसे सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त

रक्षाबंधन पर इस बार भद्रा का अड़ंगा, निशा काल से शुरू होगी शुभ मुहूर्त

खबर मन्त्र संवाददाता

चतरा। श्रावणी पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला भाई बहन के प्रेम का प्रतीक का महापर्व रक्षाबंधन इस बार दो दिन मनाई जाएगी। चूंकि श्रावणी पूर्णिमा इस बार 2 दिन 30 और 31 अगस्त को पड़ रहा है। हालांकि कई लोगों में इस महापर्व को लेकर संशय है कि आखिर रक्षाबंधन किस दिन मनाना सही होगा। ऐसे में अधिसंख्य लोग दुविधा में हैं। कि आखिर यह पर्व कब मनाएं। जबकि वैसा नहीं है। इस पर्व को लेकर पंचांगों में स्पष्ट कर दिया गया है। हां इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का ग्रहण लग रहा है। भद्रा होने के कारण इस बार राखी बांधने के लिए आपको अधिक समय नहीं मिलेंगे। श्री हृषीकेश पंचांग के अनुसार इस बार श्रावणी पूर्णिमा 30 अगस्त को दिन में 10:13 बजे प्रारंभ हो रहा है जो अगले दिन 31 अगस्त को प्रातः काल 7:45 बजे तक भोग करेगा। वहीं 30 अगस्त को प्रातः 10:12 बजे से रात्रि 8:58 बजे तक भद्रा भोग कर रहा है। शास्त्रों के अनुसार भद्रा में रक्षाबंधन नहीं मनाना चाहिए। ऐसे में रक्षाबंधन करने का शुभ मुहूर्त 30 अगस्त की रात भद्रा काल के बाद रात्रि 8:58 बजे के बाद ही शुरू होंगे। जो अगले दिन 31 अगस्त को प्रातः काल 7:45 बजे तक रहेगा। वैसे रक्षाबंधन का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त 31 अगस्त को ब्रह्म मुहूर्त भोर में 4:30 बजे से प्रातः 7:45 बजे तक होगा। 31 अगस्त को ही श्रावणी स्नान-दान की पूर्णिमा तिथि का मान होगा। इसी दिन संस्कृत दिवस व श्रावणी उपाकर्म

मनाएं जाएंगे। रक्षाबंधन पर इस बार कई शुभ और दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। जो काफी लाभप्रद होंगे। रक्षाबंधन पर इस बार सुकर्मा योग का संयोग बनेगा। इस दिन ग्रहराज सूर्य सिंह राशि में केंद्रित रहेंगे तो वहीं चंद्रमा कुम्भ राशि में स्थित रहेंगे। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं।

भद्रा में राखी नहीं बांधनी चाहिए : राखी बांधने के समय भद्रा नहीं होनी चाहिए। कहते हैं कि रावण की बहन ने उसे भद्रा काल में ही राखी बांध दी थी। इस कारण रावण का विनाश हो गया। भद्रा काल और राहू काल को शुभ कार्यों के लिए अशुभ समय माना जाता है। इसलिए जितने घंटे यह योग रहता है, उतने समय शुभ काम नहीं करना चाहिए। इस दौरान राखी बांधने या अन्य कोई शुभ या मांगलिक कार्य करने का शुभ फल नहीं मिलता है।रक्षाबंधन का त्योहार बहन भाई के लिए खास होता है।

नहीं पहुंच पा रहे हैं भाई के घर, तो श्रीकृष्ण को बांधे राखी : जो बहने किसी कारण वश अपने भाई के घर राखी बांधने के लिए नहीं पहुंच पाती हैं उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा में राखी बांधनी चाहिए। भगवान श्री कृष्ण की बाल स्वरूप की विधिवत पूजा कर उन्हें राखी बांधने और फिर अपने भाई की सलामती व तरक्की की कामना करें।

वैदिक रक्षा सूत्र अपनाएं : उन्होंने बताया कि लोगों को बाजार से राखी खरीदने के बजाय घरों में वैदिक राखी बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि दूर्वा, अक्षत, केसर, चंदन, सरसों के दाने को रेशम के कपड़े में बांधकर सिलाई करें और कलावा में पिरो दें। यह सबसे बेहतर सुरक्षा कवच साबित होता है। आप रुद्राक्ष और मोती से भी घर पर ही राखी बना सकते हैं।

एक नजर में

मांदर बजा कर मंत्री मिथिलेश ने किया आदिवासी नृत्य

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा के उत्सव गार्डेन में आयोजित आदिवासी महोत्सव के दौरान गढ़वा विायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मांदर बजा कर आदिवासी नृत्य किया। इस दौरान कई आदिवासी नेताओं ने भी मंत्री के साथ मांदर बजा कर नृत्य किया। इस कार्यक्रम में आदिवासी परंपरा के अनुसार मंत्री श्री ठाकुर का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों की कई टोलियों ने आदिवासी नृत्य व गीत प्रस्तुत किया। मंत्री श्री ठाकुर ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले टोलियों को उपहार स्वरूप दो-दो मांदर दिया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी आदिवासियों को उपहार में धोती एवं साड़ी प्रदान किया।

झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन गढ़वा में

गढ़वा। गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के तत्वावाान में बुावार को परिसदन भवन में संघ के अयक्ष आलोक मिश्रा की अयक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 17 अगस्त से आयोजित स्व. कौशल कुमार ठाकुर गढ़वा जिला फुटबल प्रतियोगिता को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही सितबर माह में झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबल प्रतियोगिता आयोजित कराने को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। मौके पर संघ के पदाधिकारियों के बताया कि फुटबल प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीम को नगद राशि देने का निर्णय लिया गया है। विजेता टीम को 21 हजार रुपये नगद और उपविजेता टीम को 11 हजार रूपये नगद दिया जाएगा। फाइनल के दोनों टीमों के खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। टीम का पंजीयन शुल्क दो हजार रूपया रखा गया है। प्रतियोगिता की पंजीयन की आखिरी तारीख 14 अगस्त होगी। इस प्रतियोगिता में जिले की 20 क्लब को शामिल किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना मेंयुवक की मौत

मेराल। थाना गेट के सामने एनएच 75 पर बुावार को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मेराल थाना गेट के सामने एक बाइक सवार को दूसरे बाइक सवार ने पीछे से ाक्का मार दिया। जिससे अगला बाइक सवार सड़क पर गिर गया, इसी दौरान तेज गति से आ रही तीसरी अज्ञात बाइक सवार ने उसे अपनी चपेट मे ले लिया। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नीतीश कुमार अविलंब घटनास्थल पर पहुंचे तथा घायल युवक को उठाकर मेराल अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मेराल थाना क्षेत्र के अरंगी पंचायत के सेमरदोहरी गांव निवासी रामचंद्र राम के 30 वर्षीय पुत्र विनय राम के रूप में की गई। पहचान के बाद इसकी सूचना मेराल थाना पुलिस ने मृतक के परिजनों को दी। परिजनों के अनुसार विनय राम राजमिस्त्री का काम करता था। दोपहर में वह मेराल बस स्टैंड स्थित बैंक से पैसा निकासी करने गया था। जहां से वह घर वापस लौट रहा था कि मेराल थाना गेट के पास बाइक दुर्घटना हो गई। थाना पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को अंत्य परीक्षण के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेजा दिया।

बीसीआई से मान्यता को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन गंभीरः कुलपति

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विष्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित लॉ कालेजों को बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) से मान्यता दिलाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन गंभीर है। इस बाबत विश्वविद्यालय में प्रशासनिक स्तर पर कवायद शुरू कर दी गई है। ज्ञात हो एसकेएमयू के अंतर्गत दो कॉलेजों में लॉ की पढाई होती है। जिसमें एसपी लॉ कॉलेज, दुमका एवं देवघर लॉ कॉलेज है। उक्त कॉलेजों को वर्ष 2009 में सेल्फ फाइनेंस के तहत बार कौंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त कर कोर्स प्रारंभ हुई थी। वर्ष 2009 में बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने उक्त दोनों कॉलेजों में कुछ शर्तों के साथ तीन सत्र तक एलएलबी प्रोग्राम में नामांकन लेने की अनुमति विश्वविद्यालय को दिया था। उसके बाद वर्ष 2012 में विश्वविद्यालय को पुनः बार कौंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता लेना था। लेकिन अपरिहार्य कारणों से नहीं मिल पाया।

हाथियों के झुंड ने मचाया उत्पात, दहशत में ग्रामीण

जयनगर (कोडरमा)। हाथियों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला। बताते चलें कि बीते दिन कटिया पंचायत एवं घरौंजा के गांव में हाथियों के झुंड के द्वारा किये गये क्षतिग्रस्त से ग्रामीण पूरी तरह से बाहर नहीं निकले कि ताजा मामला प्रखंड के ग्राम पंचायत गडगी से सामने आया, जहां हाथियों के झुंड ने जम कर उत्पात मचाया और कई घरों की दीवार एवं सरकारी शौचालय तोड़ दिया और कई एकड़ में लगे फसल को भी तहस नहस कर दिया। वहीं लोगों ने बताया कि बीती रात करीब 12 बजे 14 हाथियों का झुंड गांव में उत्तरवाहिनी नदी के तरफ से प्रवेश किया और जागेश्वर यादव का कच्चा मकान को तोड़ दिया। वहीं परमेश्वर यादव का सरकारी शौचालय को पुरी तरह से ध्वस्त कर दिया। वहीं पूर्व पंसस श्रीकांत यादव, चेतन महतो, प्रकाश साव के खेत में लगे फसल बिया को भी तहस नहस कर दिया। वही सभी ग्रामीण ने काफी मशक्कत से हाथियों को खदेड़ कर भगाया। वही ग्रामीणों ने वन विभाग पर आरोप लगाया है कि वन विभाग को सूचना देने पर भी मौके पर कोई पदाधिकारी या कर्मी नहीं पहुंची, वहीं हाथियों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने खबर मन्त्र के अखबार के माध्यम से वन विभाग से सोलर लाइट की मांगी किया है। वहीं मुखिया फरीदा खातून ने हाथियों द्वारा किये गये नुकसान को लेकर मुआवजा की मांग की है।

ग्रिजली कालेज ऑफ एजुकेशन में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मना

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। वहीं महाविद्यालय के कर्मचारी जॉन मुर्मू एवं सुसमीना मुर्मू ने फलदार पौधों को लगाये। इस अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की उपनिदेशिका डॉ. संजीता कुमारी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व आदिवासी दिवस सम्पूर्ण विश्व के लोगों को आदिवासी आबादी के अधिकारों के लिए जागरूक करता है। वहीं महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक संजीत कुमार ने कहा कि आदिवासी समुदाय हमेशा प्रकृति संरक्षण के लिए जागरूक रहते हैं।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में विविध प्रतियोगिता का आयोजन

कोडरमा। आदिवासी दिवस के अवसर पर सेक्रेड हार्ट स्कूल में बुधवार को विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड की संस्कृति पर आधारित पेंटिंग, मॉडल, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता शामिल है। प्रतियोगिता में सभी वर्गों से लगभग 100 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया। वहीं बच्चों ने झारखंड की कला संस्कृति को अपने कैनवास में उतारा जो काफी आकर्षक था। वहीं प्राचार्य नवीन कुमार ने कहा की झारखंड की अपनी अलग संस्कृति और प्रकृति है। यहां का खानपान, भाषा, रंग-रूप, पहनावा देश भर में विख्यात है, यहां के लोग बहुत सीधे-साधे, भोले-भाले और अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान होते हैं।